जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • शनिवार • 10 जनवरी 2026 • वर्ष 10 • अंक 246 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

राजस्थान में अब नहीं होगा बुलडोजर ऐक्शन!

● हाईकोर्ट की सख्ती, भजनलाल सरकार हुई तलब

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फागी-दूदू सड़क मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने और सौंदर्यीकरण के मामले में नया अपडेट आया है। इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। नगरपालिका फागी की ओर से बिना नोटिस दिए पट्टे निरस्त करने और संपत्तियों को तोड़ने के आदेश के खिलाफ स्थानीय लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायधीश ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस अनुरूप सिंघी की

एकलपीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने प्रमुख स्थानीय निकाय सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सचिव, फागी उपखंड अधिकारी, नगर पालिका फागी के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को 13 जनवरी तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अदालत ने स्पष्ट आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ताओं की संपत्तियों पर किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ताओं के पास करीब 60 वर्ष पुराने वैध पट्टे हैं।

ट्रक में घुसी कार...

पूर्व मंत्री की बेटी समेत तीन मौत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा और कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता आनंद कासलीवाल का बेटा प्रखर शामिल हैं। कार सवार एक युवती गंभीर घायल है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा रालामंडल इलाके में शुक्रवार सुबह करीब 5.15 बजे हुआ।

डीसीपी कृष्ण लाल चंदानी ने बताया, ग्रे कलर की नेक्सन कार में प्रेरणा बच्चन (26), प्रखर कासलीवाल (25), मानसंधु (26) और अनुष्का राठी सवार थे। प्रखर का जन्मदिन था, चारों शराब के नशे में थे और कोको फार्म में बर्थडे पार्टी मनाकर इंदौर लौट रहे थे। कार प्रखर चला रहा था। नशे में होने के कारण कार अनकंट्रोल होकर ट्रक में जा घुसी। हादसे में प्रेरणा, प्रखर, मानसंधु की मौके पर ही मौत हो गई। अनुष्का घायल है। कार में शराब की बोतल मिली है। चारों कार सवार इंदौर के रहने वाले हैं। प्रेरणा नर्मदा भवन के पास स्कीम नं 74, प्रखर कासलीवाल तिलक नगर, मानसंधु भंवरकुआं और अनुष्का रॉयल अमर ग्रीन की रहने वाली है।

अब उत्तर प्रदेश में बनेंगे सेना के साजो-सामान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताई डिफेंस पॉलिसी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नया अध्याय शुरू हो गया है। अशोक लीलैंड के नए ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब भारत कमजोर भारत नहीं रहा।

देश अपने हथियार खुद बना रहा है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में नेतृत्व कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैक्ट्री में ई-बसों का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और राजनाथ सिंह के साथ ई-बस में सफर किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हिंदुजा ग्रुप और

अशोक लीलैंड के सफर पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। योगी आदित्यनाथ ने कहा, उत्तर प्रदेश अब उत्सव का प्रदेश बन चुका है। कोई महीना या हफ्ता ऐसा नहीं है, जब यहां कोई उत्सव न हो। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं है, बल्कि सबसे ज्यादा राजस्व वाला प्रदेश बन चुका है।

यूपी बनेगा रक्षा उत्पादन का बड़ा केंद्र

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब भारत कमजोर भारत नहीं रहा। देश अपने हथियार खुद बना रहा है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की पहचान एक ऐसे राज्य के रूप में हो रही है, जो देश के विकास में बढ़-चढ़कर योगदान दे रहा है। हमारी सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर बनाया है। इसका मतलब है कि सेना के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू उपकरण अब बड़े पैमाने पर हमारे प्रदेश में बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि यूपी फैक्ट्री में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन हो रहा है। पहले यह मिसाइल बाहर से आती थी, अब यह भारत में और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में बनेगी। राजनाथ सिंह ने डिफेंस सेक्टर का जिक्र किया। इसका उद्देश्य अगले पांच साल में हजारों करोड़ रुपये के नए

उद्योग और लाखों नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर तैयार करना है। उन्होंने कहा, हमारे गांव, कस्बे और शहर के बच्चे अब यहीं काम करेंगे, यहीं कमाएंगे और अपने परिवार को संभालेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश का इसमें मेजर योगदान है। डबल इंजन की हमारी सरकार ने विकास की गति को और तेज करने के लिए नई नीतियां बनाई हैं। आज जिस यूनिट का उद्घाटन हुआ है, वह सीधे तौर पर स्थानीय जनता के लिए लाभकारी है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल की भी तारीफ की। राजनाथ सिंह ने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा कि, ब्रह्मोस मिसाइल अब यूपी बनती है और इसके लिए सीएम योगी की पहल सराहनीय है।

● हिमाचल के सिरमौर में भीषण सड़क हादसा

बस खाई में गिरी, 9 लोगों की मौत, कई लोग जखमी

नाहन (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले बड़ा हादसा हुआ है। जिले के रेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को एक भयानक सड़क हादसे में कम से कम 9 लोगों

की जान चली गई। वहीं पांच लोगों के घायल होने की खबर है। सभी घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा तब हुआ जब जीत कोच की एक प्राइवेट बस हरिपुरधार बाजार के पास सड़क से फिसलकर लगभग 100 से 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। मिली जानकारी के मुताबिक, यह प्राइवेट बस कुपवी से शिमला जा रही थी। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस यात्रियों से भरी हुई थी। हादसा इतना भयावह है कि बस किसी धातु के मलबे में बदल गई है। इससे इलाके में तुरंत अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। हादसा देखकर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर पहुंची और फौरन बचाव अभियान शुरू कर दिया। उन्होंने आधिकारिक टीमों के पहुंचने से पहले ही मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाल लिया। वहीं जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस, प्रशासनके साथ मिलकर राहत कार्यों में जुट गई। रेणुकाजी के विधायक विनय कुमार ने आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है।

राहुल ने भाजपा को बता दिया 'भ्रष्ट जनता पार्टी'

● दिल्ली, यूपी से गुजरात तक का जिक्र कर जमकर घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि पार्टी की राजनीति में भ्रष्टाचार और

अहंकार का जहर फैल चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कई मुद्दों पर सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने कहा है कि देश भर में भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश भर में भ्रष्ट जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। बीजेपी सत्ता का दुरुपयोग कर रही है।

लोकतंत्र सत्ता में बैठे नेताओं के हिसाब से नहीं चलता

आई-पैक ऑफिस पर ईडी रेड के विरोध में ममता का मार्च

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर राज्य सियासत गरमाती जा रही है। ईडी की कार्रवाई बाधित करने के आरोपों के साथ जहां बीजेपी और दूसरे विपक्षी दल ममता बनर्जी पर हमलावर हैं तो वहीं सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में विरोध मार्च का नेतृत्व किया।

ममता बनर्जी स्ट्रीट फाइटर वाले अंदाज में ही दिखीं। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बस स्टैंड इलाके से मार्च शुरू किया। ममता बनर्जी ने राजनीतिक बदले के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में आईपैक के मुखिया प्रतीक जैन की घर और दफ्तर पर छापेमारी के बाद ममता बनर्जी वहां पहुंची थीं। उन्होंने काफी फाइलें ले ली थीं। बनर्जी का आरोप है कि बीजेपी ईडी के जरिए पार्टी की स्ट्रैटजी को चोरी कर रही थी।

दुनिया को इलेक्शन के गुर सिखाएगा चुनाव आयोग

सवालों के बीच भारत मंडपम में होगा बड़ा आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग दुनिया के विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन संस्थानों को अपने अनुभव साझा करने जा रहा है। आयोग 21 से 23 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में पहला इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट आयोजित करने जा रहा है। यह भारत द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से पहले, चुनाव आयोग ने गुरुवार को दिल्ली में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक

आयोजित की। इस बैठक में वैश्विक सम्मेलन में उनके नेतृत्व में संचालित होने वाले 36 थीमैटिक ग्रुप्स पर विस्तार से चर्चा की गई। आधिकारियों के अनुसार, ये थीम चुनाव प्रबंधन के सभी पहलुओं को कवर करती हैं और चुनाव प्रबंधन निकायों के समृद्ध एवं विविध अनुभवों पर आधारित ज्ञान के भंडार का विकास करने का उद्देश्य रखती हैं। ये 36 थीमैटिक ग्रुप्स राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के नेतृत्व में संचालित होंगे, जिनमें विशेषज्ञ भी योगदान देंगे।

सम्मेलन में 40 से अधिक होंगी द्विपक्षीय बैठकें

सम्मेलन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु एवं डॉ. विवेक जोशी भाग लेने वाले ईएमबी प्रमुखों एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकें आयोजित करेंगे। इसके अतिरिक्त, सम्मेलन में चार आईआईटी, छह आईआईएम, 12 राष्ट्रीय विधि विश्व विद्यालयों तथा भारतीय जन संचार संस्थान जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी होगी। प्रतिभागियों को भारत की चुनावी व्यवस्था, प्रक्रियाओं एवं तकनीकी नवाचारों से परिचित कराया जाएगा, जो भारतीय चुनावों को विश्व की लोकतंत्रों में एक आदर्श बनाते हैं। बता दें कि यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत में वर्तमान समय में विपक्षी दल आयोग पर आरोप लगा रहे हैं।

ईरान के 100 शहरों में महंगाई के खिलाफ जमकर हल्लाबोल

● अब तक 45 की मौत, खामेनेई बोले-ट्रम्प को खुश करने के लिए देश बर्बाद न करें

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में महंगाई के खिलाफ 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात को हालात और खराब हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन फैल चुका है। अमेरिकी ह्यूमन राइट एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक 45 लोग मारे गए हैं, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जबकि 2,270 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने देशभर में प्रदर्शनों के बीच पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। ईरान की सरकारी टीवी ने खामेनेई का भाषण प्रसारित किया। खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपने ही देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने कहा कि ईरान विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत-कनाड़ा संबंधों में सुधार से बौखलाए खालिस्तान समर्थक

● बीसी प्रीमियर डेवी एबी के दौरे से नाराज, बोले-कनेडियन सिखों को अलग-थलग किया जा रहा

लुधियाना (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा और भारत सरकार के संबंधों में आई दरार के बाद कनाडा सरकार अब भारत के साथ संबंध बहाल करके व्यापार करना चाहती है। इसके लिए ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी एक प्रतिनिधि मंडल के साथ भारत दौरे पर आ रहे हैं। उनके इस दौरे पर खालिस्तान समर्थकों ने एतराज जताना शुरू कर दिया। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेवी एबी 12 जनवरी से 17 जनवरी तक भारत दौरे पर आ रहे हैं। डेवी एबी का यह दौरा ट्रेड मिशन के तहत किया जा रहा है।

● खालिस्तान समर्थकों के एजेंडे को होगा नुकसान- उन्होंने कहा कि, भारत-कनाडा के संबंधों में सुधार से खालिस्तान समर्थकों के एजेंडे को नुकसान हो सकता है। इसलिए खालिस्तान समर्थक नहीं चाहते कि भारत और कनाडा के संबंध अच्छे हों। दरअसल, कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थक भारत के खिलाफ अपना एजेंडा चलाते हैं। उन्हें डर है कि अगर भारत से संबंध अच्छे हुए तो उनकी गतिविधियों पर रोक लग सकती है। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी और बीसी के जॉब्स और इकोनॉमिक्स मंत्री रवि कालोन 12 से 17 जनवरी 2026 तक भारत के दौरे पर आ रहे हैं।

नदियों पर बांध के डर से घबराया पाकिस्तान

बोला-सिंधु जल संधि को रोक नहीं सकता भारत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के भारत के फैसले से पाकिस्तान अब तक नहीं उबर पा रहा है। संधि पर रोक से पाकिस्तान पर कितनी तगड़ी मार पड़ी है, यह इस बात से पता चलता है कि आठ महीने बीत जाने के बाद भी उसकी तिलमिलाहट कम नहीं हो रही है। अब एक बार पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर बयान दिया है। पाकिस्तान ने गुरुवार को

कहा कि वह सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का कथित उल्लंघन करके पश्चिमी नदियों पर संचालित भारत की किसी भी विकास गतिविधि को उसके साथ राजनीतिक और राजनयिक स्तर पर उठाएगा। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में यह भी कहा कि आईडब्ल्यूटी एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता बना हुआ है और संधि को रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए थे, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को रोकना भी शामिल था। अंद्राबी ने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत जांच के दायरे में आती है।

सैफ अली खान ने जीती भोपाल में अरबों की 'जमीनी जंग'

नवाब खानदान के पास ही रहेगी नयापुरा की 16 एकड़ की रियासत

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी के नयापुरा क्षेत्र की 16.62 एकड़ पुश्तैनी भूमि को लेकर चल रहा ढाई दशक पुराना विवाद आखिरकार खत्म हो गया है। चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश संजय अग्रवाल की अदालत ने सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और बहनों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए विपक्ष की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। यह विवाद साल 1998 में तब शुरू हुआ था, जब अकील अहमद और उनके साथियों ने इस जमीन पर अपना दावा ठोका था। उनका कहना था कि 1936 में नवाब हमीदुल्लाह खान ने यह जमीन उनके पूर्वजों को दान दी थी। लेकिन, अदालत में दावों की हवा तब निकल गई जब विपक्षी पक्ष दान से जुड़ा कोई भी ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

● बेशकीमती जमीन पर मिल गया मालिकाना हक- अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि यह याचिका न केवल सबूतों के अभाव में कमजोर है, बल्कि इसे दाखिल करने में भी कानूनन काफी देरी की गई थी। इस फैसले के बाद अब पटौदी खानदान का इस बेशकीमती जमीन पर मालिकाना हक पूरी तरह से साफ हो गया है। शहर के रियल एस्टेट और राजनीतिक हलकों में इस फैसले की खासी चर्चा है, क्योंकि यह जमीन शहर के प्राइम लोकेशन पर स्थित है। गौरतलब है कि सैफ अली खान भोपाल के नवाब हैं। उनकी कई संपतियां यहां हैं, जिन्हें लेकर कोर्ट में विवाद चल रहा है। एक मामले में उन्हें बड़ी राहत मिल गई है।

संक्षिप्त समाचार

जिला समन्वयक ने जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

कौआकोल। प्रखण्ड मुख्यालय परिसर अवस्थित सभागार भवन में शुक्रवार को जिला समन्वयक किरण कुरेशिया ने प्रखण्ड के विभिन्न पंचायत के मुखिया,स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं अन्य सम्बन्धित कर्मियों के साथ स्वच्छता को लेकर समीक्षात्मक बैठक किया। इस दरम्यान उन्होंने पंचायतों में सफाई पर एवं खुले में शौचमुक्त करने को लेकर सरकार की योजना को सख्ती से अनुपालन करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी लोगों को स्वच्छता का ख्याल रखना चाहिए,ताकि लोग स्वस्थ रह सकें। उन्होंने सभी स्वच्छता पर्यवेक्षकों से हर घर से प्रत्येक दिन कचड़ा उठाव कराने को कहा तथा स्वच्छता शुल्क संग्रह करने का भी निर्देश दिया। मौके पर बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार,प्रखण्ड समन्वयक उपेंद्र कुमार,कार्यपालक सहायक अजित कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

फॉर्मर रजिस्ट्री के लिये शिविर का आयोजन

नारदीगंज(नवादा)। सरकार के निर्देशानुसार नारदीगंज प्रखंड के सभी पंचायतों में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कहुआरा पंचायत के कहुआरा गांव में शुक्रवार को फार्मर रजिस्ट्री के लिए शिविर आयोजित हुआ। आयोजित शिविर में फार्मर रजिस्ट्री व केवाईसी का कार्य किया गया। इस दौरान तकरीबन दो सौ से अधिक किसानों का फार्मर रजिस्ट्री व केवाईसी हुआ। अधिकारियों ने कहा सभी किसान का फार्मर रजिस्ट्री होना जरूरी है, ताकि उन्हें पीएम सम्मान निधि योजना समेत अन्य कृषि विभाग के योजना का लाभ मिल सके। फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराने वाले किसान कृषि विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से वंचित हो जाएंगे। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी नवारिस, राजस्व कर्मचारी अजीत कुमार, किसान सुधीर कुमार,गायत्री देवी,सुरेंद्र प्रसाद,प्रकाश साव,बिनोद कुमार समेत अन्य रहे।

ठंढ से विद्यालय में बेहोश हुई छात्रा

नारदीगंज(नवादा)। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरनारायणपुर में शुक्रवार को अफरातफरी का माहौल बन गया। विद्यालय परिसर में प्रार्थना सभा हो रही थी। इसी बीच आठवीं कक्षा की एक छात्रा सुषमा कुमारी बेहोश होकर भूमि पर गिर गई। विद्यालय के प्राचार्य,शिक्षक छात्र व छात्राएं आवक रह गए। सूचना पर उसके स्वजन व ग्रामीणों पहुंचे। तब आनन फानन में उसे वहां से उठाकर कार्यालय कक्ष में लेकर आये,और ग्रामीण चिकित्सक ने उसे इलाज किये। इलाज के बाद वह जब ठीक हो गई,तो लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के पीछे ठंड की वजह बताया जा रहा है। विद्यालय प्राचार्य सुरेश प्रसाद समेत अन्य शिक्षकों ने कहा विद्यालय परिसर में प्रार्थना हो रही थी। सभी छात्र व छात्राएं शांतिपूर्ण तरीके से प्रार्थना कर रहे थे। इसी बीच इसी गांव के बिनोद प्रसाद की पुत्री सुषमा कुमारी अचानक बेहोश होकर भूमि पर गिर पड़ी, रक्तचाप कम हो गया। और उसके हाथ पांव ठंडे हो गए। वह आठवीं कक्षा की छात्रा है। क्रमांक संख्या एक है। उसे ठंड लगने से तबियत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने की सूचना पर स्वजन और ग्रामीण आये। ग्रामीण चिकित्सक कार्यालय कक्ष में प्राथमिक इलाज किये। अभी ठीक है। घटना की सूचना डीएम और बीआरसी को दिया गया है।

नरहट सीएससी में 250 से अधिक गर्भवती महिलाओं की हुई जाँच

मरीजों को जांच करते चिकित्सक

नरहट (नवादा)। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरहट में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान पीएमएसएमए का सफल आयोजन किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि इस अवसर पर 250 से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जाँच की गई एवं उन्हें आवश्यक परामर्श व सेवाएँ प्रदान की गईं। पीएमएसएमए कार्यक्रम का आयोजन सीएससी नरहट के साथ-साथ एडिशनल पीएचसी पुनौल एवं एडिशनल पीएससी डेढ़गांव में भी किया गया, जिससे अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं को इस अभियान का लाभ मिला। कार्यक्रम के दौरान एमओआईसी डॉ. ओम प्रकाश की नेतृत्व में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा गर्भवती महिलाओं की समुचित जाँच की गई। चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, वजन, प्रसव पूर्व जाँच, तथा उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान कर आवश्यक परामर्श दिया गया। जरूरतमंद महिलाओं को आगे की चिकित्सा सेवाओं हेतु रेफर भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. पवन कुमार, डॉ. नीरज भारती, बीएचएम राहुल कुमार, बीसीएम संजय कुमार, बीएमई सुनील कुमार, लैब टेक्नीशियन सौरभ कुमार उपस्थित रहे। इसके साथ ही पिरामल फाउंडेशन से मनतोष कुमार एवं प्रियंका कोली की भी सक्रिय सहभागिता रही।

जेपी सेनानी के निधन पर सोखोदेवरा आश्रम में हुआ शोक सभा का आयोजन

कौआकोल। प्रखण्ड के जोगाचक गांव निवासी व खादी ग्रामोद्योग समिति के पूर्व अध्यक्ष व जेपी सेनानी कपिलदेव मिस्त्री के आकस्मिक निधन पर शुक्रवार को सोखोदेवरा जेपी आश्रम में शोक सभा का आयोजन किया गया। ग्राम निर्माण मण्डल एवं कृषि विज्ञान केंद्र सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित शोक सभा में लोगों ने दो मिनट का मौन रखा एवं मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। शोक सभा को सम्बोधित करते हुए ग्राम निर्माण मण्डल के डॉ० भारत भूषण शर्मा ने कहा कि दिवंगत कपिलदेव मिस्त्री एक बहुत ही मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। वे काफी वर्षों तक ग्राम निर्माण मण्डल से जुड़े रहे। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम विभाग के वैज्ञानिक रौशन कुमार ने कहा कि कपिलदेव मिस्त्री के निधन से केवीके ने अपना एक मार्गदर्शक खो दिया। शोक सभा में वैज्ञानिक डॉ० शशांक शेखर सिंह,सुचिता तिर्की,धीरेंद्र कुमार मन्नू,पिंटू पासवान आदि मौजूद रहे।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में नवादा की प्रगति की हुई समीक्षा

निज संवाददाता। नवादा

डीआरडीए सभागार, नवादा में आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्री रवि शंकर (भा.प्र.से.), संयुक्त सचिव, उपभोक्ता, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं केन्द्रीय प्रभारी पदाधिकारी, आकांक्षी जिला, नवादा द्वारा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश द्वारा पीपीटी के माध्यम से विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित योजनाओं की 05 थीम एवं 49 सूचकांकों के आलोक में संबंधित विभागों की गहन समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में सिविल सर्जन, नवादा द्वारा अवगत कराया गया कि एएनसी पंजीकरण के प्रथम त्रैमास में पंजीकृत एएनसी का प्रतिशत 88.84 है।आईसीडीएस के अंतर्गत पूरक पोषण प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जा रहा है। केन्द्रीय प्रभारी पदाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ संचालन हेतु निर्देश दिया गया कि प्रसवोत्तर महिलाओं को 24 घंटे के उपरांत ही अस्पताल से डिस्चार्ज किया जाए तथा अस्पताल में आने वाले मरीजों को सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

आईसीडीएस की समीक्षा में बताया गया कि जिले में कुल 2670 आंगनबाड़ी केन्द्र हैं, जिनमें 1067 आंगनबाड़ी केन्द्र भवन उपलब्ध हैं तथा 326 आंगनबाड़ी केन्द्र विद्यालयों में संचालित हैं। मनरेगा के माध्यम से 23 आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही 581 आंगनबाड़ी केन्द्रों को स्मार्ट आंगनबाड़ी सह प्ले स्कूल के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ बेंच-डेस्क की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

शिक्षा विभाग की समीक्षा में अवगत कराया गया कि प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर तक संक्रमण दर 91.32 प्रतिशत तथा उच्च प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक संक्रमण दर 84.67 प्रतिशत है। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सभी सरकारी विद्यालयों में पेयजल, विद्युत व्यवस्था एवं छात्राओं हेतु शौचालय की सुविधा शत-प्रतिशत उपलब्ध कराई गई है।कृषि एवं जल संसाधन विभाग की समीक्षा में बताया गया कि मनरेगा के अंतर्गत 6750 जलाशयों का पुनर्जीवन किया गया है। प्रमाणित गुणवत्ता वाले बीजों का वितरण सतत रूप से किया जा रहा है तथा सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत आच्छादित क्षेत्र का प्रतिशत 13.60 है।

जिला योजना पदाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में खेल सामग्री की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक प्रखंड के एक सरकारी उच्च विद्यालय में ओपन जिम की स्थापना की गई है। बैठक के अंत में केन्द्रीय प्रभारी पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आकांक्षी जिला कार्यक्रम के लक्ष्यों की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, नवादा, सिविल सर्जन, विशेष कार्य पदाधिकारी, डीएसपी (मुख्यालय), जिला कृषि पदाधिकारी, कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस), डीपीएम (जीविका), जिला योजना पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अज्ञात स्कार्पियो की टक्कर में बाइक पर सवार दो लोग गम्भीर रूप से घायल, एक गम्भीर हालत में रेफर

अस्पताल में इलाजरत घायल युवक व परिजन

निज संवाददाता। रजौली

थाना क्षेत्र के हरदिया मोड़ के आसपास गुरुवार की रात्रि लगभग 7:30 बजे एक अज्ञात स्कॉर्पियो ने एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।इस सड़क दुर्घटना में बाइक पर सवार रहे दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों द्वारा डायल 112 को सूचना दिया गया।सूचना पाकर महज कुछ मिनटों में घटनास्थल पर पहुंची डायल 112 की पुलिस टीम ने घायलों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. इलिका भारती ने बताया सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल इलाज हेतु अस्पताल आए थे।घायलों में पहले युवक की पहचान पुरानी हरदिया निवासी सुधो राजवंशी के 18 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार के सिर में गम्भीर चोटें आई है एवं एक पैर भी टूट गया है,जिसका प्राथमिक इलाज के बाद रेफर किया गया है।वहीं दूसरे घायल हरदिया सेक्टर-डी निवासी मिथलेश राजवंशी के पुत्र करण कुमार भी चोटिल है,जिसका प्राथमिक इलाज कर जरूरी सुई-दवाई दिया गया है।अस्पताल में मौजूद परिजन रितेश कुमार ने बताया कि घायल बाइक पर सवार दोनों लोग सोहन साव के सीमेंट ईंट उद्योग में काम करता है।प्रत्येक दिन की भांति वो गुरुवार को देर शाम काम से वापस घर आ रहा था।इसी बीच हरदिया सेक्टर-बी स्थित राजो होटल के अज्ञात स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार कर भाग खड़ा हुआ।घायलों में एक युवक को बेहतर इलाज हेतु रेफर किया गया है।इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रंजीत कुमार ने कहा कि पीड़ित पक्ष द्वारा लिखित आवेदन दिए जाने पर अग्रतर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जदयू कार्यकर्ताओं ने मकर संक्रांति सहभोज में जमकर उठाया चूड़ा दही - तिलकुट - आलुदम का आनंद

निज संवाददाता। वारिसलीगंज

स्थानीय स्टेशन रोड स्थित जदयू कार्यालय में शुक्रवार को मकर संक्रांति उत्सव सप्ताह के अवसर पर सहभोज का आयोजन किया गया। जनता दल यूनाइटेड की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने काफी संख्या में भाग लिया। लोगों ने एक साथ दरी पर बैठकर बासमती चूड़ा, सुधा व अमूल दही, आलुदंम, चीनी, भूरा तथा तिलकुट खाया। मौके पर मौजूद प्रखंड जदयू अध्यक्ष अजय कुमार राय तथा नगर जदयू अध्यक्ष रणविजय कुमार ने कहा कि मकर संक्रांति उत्सव सामाजिक समरसता का महापर्व है। यह उत्सव प्रेम और भाईचारा का संदेश देता है।

इस अवसर पूर्व प्रधानाध्यापक डा. गोविंद जी तिवारी, रामप्रवेश कुमार, पूर्व अंचल अधिकारी श्यामसुंदर दूबे, अधिवक्ता चंद्रमौलि शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार राय, नप उपाध्यक्ष अरुण कुमार राय, जदयू नेता अनिल कुमार यादव, महेश भाई पटेल, पत्रकार अशोक कुमार, उमाशंकर पाठक, मिथिलेश कुमार, रामनरेश पासवान, कंचन साव, संजय प्रसाद, गोल्डी कुमार, करुण सिंह, सुजीत कुमार, ललन कुमार, चंद्रभान सिंह, निर्भय सिंह छोटे, मंधत सिंह, बब्लू सिंह आदि उपस्थित थे।

रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में 171 गर्भवती महिलाओं का हुआ स्वास्थ्य जांच, 'सुरक्षित मातृत्व' को मिला बल

♦ प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व शिविर में पौष्टिक आहार के साथ आयरन और कैल्शियम की दवाइयां भी दी गईं

निज संवाददाता। रजौली

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें 171 गर्भवती महिलाओं का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।इस शिविर का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। प्रत्येक माह की 9 तारीख को आयोजित होने वाले इस शिविर में, इस बार बड़ी संख्या में महिलाएं लाभान्वित हुईं।शिविर में प्रभारी डीएस डॉ. परितोष कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकों की एक टीम मौजूद थी।टीम में डॉ. इलिका भारती, डॉ परितोष कुमार, डॉ. नितीश कुमार, डॉ सुरज कुमार, डॉक्टर मो. गुलाम अनीष जैसे अनुभवी चिकित्सक शामिल रहे।चिकित्सकों ने सभी गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य जांच किया और उन्हें खून जांच कराने के निर्देश दिए।जांच रिपोर्ट आने के बाद महिलाओं को आयरन, कैल्शियम समेत अन्य जरूरी दवाइयां मुफ्त में वितरित की गईं।अस्पताल प्रबंधन ने स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया। अस्पताल प्रबंधक विकास कुमार ने सभी गर्भवती महिलाओं के लिए नाश्ता पैकेट वितरित किए. इन पैकेटों में नमकीन लिट्टी, मौसमी फल, बालूशाही,बिस्कुट और मूंगदाल जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल थे.प्रबंधन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान करना था, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके.प्रभारी डीएस डॉ. परितोष कुमार ने बताया कि यह स्वास्थ्य शिविर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से हर महीने आयोजित किया जाता है।शिविर में उपस्थित महिलाओं ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिली और आवश्यक सेवाएं भी मिलीं।उनका मानना है कि ऐसे आयोजनों से गर्भवती महिलाओं को बहुत लाभ होता है और वे अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो पाती हैं।इस दौरान जीएनएम अनिल पासवान, लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार और परिवार कल्याण परामर्शदाता राकेश कुमार के साथ-साथ दर्जनों जीएनएम व एएनएम छात्राएं भी स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग के लिए मौजूद रहीं।

अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर शामिल गर्भवती महिलाएं एवं स्वास्थ्यकर्मी

शहीद मनोज ने अपना जीवन पर उपकार में बलिदान कर दिया - नवल किशोर शर्मा

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

स्टेज विराजमान महात्मा

शुक्रवार को निरंकारी परिवार की ओर से प्रखण्ड के बेरौटा मां तारा देवी प्रांगण में खुला सत्संग का आयोजन कर मुखी विनोद गुप्ता के शहीद पुत्र आटीबीपी वीर जवान मनोज कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पधारे सेंट्रल प्रचारक महात्मा सह बरौनी के जोनल इन्चार्य नवल किशोर शर्मा ने सत्संग की अध्यक्षता की। अध्यक्षता कर रहे स्टेज विराजमान महात्मा नवल किशोर शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह संसार मृत्यु भुवन है। यहां जो आया है सो जाएगा। जो जन्म लिया है उसको मरना है। समय के सतगुरू कहते है कि कौन कितना जिया ये मायने नही रखता, कौन कैसे जिया यह मायने रखता है। शहीद मनोज जी ने अपने जीवन को पर उपकार में बलिदान कर दिया। अपने साथी जवान को इलाज के लिए लेकर जा रहे थे। संतो का जीवन ही सेवा के लिए होता है। संत उपकार के लिए पृथ्वी पर आते हैं। सुत दारा और लक्ष्मी पापी को भी होय, संत समागम हरि कथा तुलसी दुर्लभ दोय। धन सम्पति तो पापी को भी जाते हैं लेकिन ईश्वर की प्राप्ति सब को नही होती है। सतगुरु के कृपा से यह महात्मा ऐसा घर में जन्म लिए थे जहां ब्रह्मज्ञान की गंगा बह रही थी। शहीद मनोज ने जितना जीवन जिया वह सतगुरु के चरणों से जुड़ कर जिया।

कबीरा इस संसार में दुख सब ही के होय, ज्ञानी काटे ज्ञान से अज्ञानी बैठ के रोय। विनोद जी ने अच्छा काम किये की सब को गुरु चरणों से जोड़ कर रखे। सतगुरु उनके बच्चों को स्वजनों को शक्ति दे सामर्था दें कि सभी बुलंदियों पर रहें। महात्मा ने जितना सुंदर जीवन जिया उसको याद करने का दिन है। सत्संग में दूर दूर से आये कई महस्तमाओं ने अपने विचार रख कर शहीद मनोज को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर क्षेत्रीय संचालक सुनील कुमार, संयोजक उपेंद्र कुमार, सिरदला मुखी रामदेव प्रसाद, मदन शर्मा, बाबूलाल शर्मा, हल्दिया के शिक्षक महात्मा अशोक शर्मा, डॉ रामचन्द प्रसाद, बाल्मीकि शर्मा, हरि राजवंशी आदि समेट हजारों की संख्या में संत बहना मौजूद थे।

जिला परिषद नवादा की सामान्य बैठक संपन्न

विकास योजनाओं, वित्तीय आवंटन एवं जनहित के मुद्दों पर हुआ व्यापक विचार-विमर्श

निज संवाददाता। नवादा

जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा देवी की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में जिला परिषद की सामान्य बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, नवादा श्रीमती नीलिमा साहू द्वारा किया गया। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी जिला परिषद सदस्यों, प्रखंड प्रमुखों एवं संबंधित अधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

बैठक में बिंदुवार चर्चा करते हुए पूर्व बैठक की कार्रवाई की पुष्टि की गई। साथ ही पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों का अनुपालन नहीं करने वाले विभागों की समीक्षा की गई तथा शीघ्र अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में जिला परिषद की खाली भूमि का राजस्व हित में उपयोग किए जाने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इसके अंतर्गत लीज पॉलिसी के माध्यम से भूमि देने अथवा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने हेतु किसी कंपनी को भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। जिला परिषद कार्यालय द्वारा योजनाओं से संबंधित एनओसी विगत सात माह पूर्व मांगे जाने के बावजूद अद्यतन एनओसी प्राप्त नहीं होने के विषय पर भी गंभीरता से विचार किया गया। संबंधित विभागों को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15वीं वित्त आयोग से प्राप्त आवंटन के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग पर भी बैठक में चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष आवास एवं कार्यालय में कंप्यूटर की व्यवस्था कराने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया।बैठक में प्रखंड रोह के पंचायत डुमरी में उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए भवन उपलब्ध नहीं होने का मुद्दा उठाया गया। इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए नए भवन निर्माण पर चर्चा की गई तथा आवश्यक पहल करने पर सहमति बनी। बैठक में विधायिक नवादा श्रीमती विभा देवी, विधायिका गोविंदपुर श्रीमती विनिता मेहता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सम्मानित जिला परिषद सदस्य/सदस्या एवं प्रखंड प्रमुख आदि उपस्थित थे।

मधुबन जलाशय निर्माण को लेकर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन प्रतिवेदन पर ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित

निज संवाददाता। नवादा

समाहरणालय, नवादा स्थित सभाकक्ष में ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान, पटना द्वारा तैयार सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के प्रारूप प्रतिवेदन के संबंध में जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश की अध्यक्षता में मधुबन एवं मोतनाजे ग्राम के ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि नवादा शहर के शेष वार्डों एवं बिहारशरीफ शहरी क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गंगाजल आपूर्ति योजना, फेज-02 (पार्ट-01) के अंतर्गत 27 एमसीएम क्षमता के जलाशय का निर्माण प्रस्तावित है। इस जलाशय का निर्माण अन्य भूमि के अतिरिक्त 14.297 एकड़ आवासीय भूमि पर किया जाना प्रस्तावित है। आवासीय भूमि के भू-अर्जन की प्रक्रिया के क्रम में तैयार सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के प्रारूप प्रतिवेदन पर ग्रामीणों के साथ यह बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मधुबन एवं मोतनाजे ग्राम के प्रभावित ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों द्वारा जिला पदाधिकारी एवं सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन टीम के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याओं, मांगों एवं सुझावों को रखा गया। साथ ही पूर्व में प्रस्तुत 18 बिंदुओं की मांगों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।जिला पदाधिकारी ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुनना तथा उनके समाधान हेतु व्यावहारिक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने कहा कि मधुबन जलाशय का निर्माण क्षेत्र में जल संकट से निपटने एवं भविष्य में सुरक्षित एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है।उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के साथ-साथ प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के हितों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक के क्रम में सुनील कुमार, निवासी मधुबन, द्वारा प्रभावित परिवारों की ओर से अपनी बात रखी गई। उन्होंने समुचित पुनर्वास व्यवस्था, बच्चों हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ, बिजली एवं पेयजल की उपलब्धता, पशु शेड की व्यवस्था तथा न्यायसंगत मुआवजा सुनिश्चित किए जाने की मांग की, ताकि प्रभावित परिवार सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। ग्रामीणों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए जिला पदाधिकारी ने आश्वस्त किया कि प्रभावित परिवारों को सरकार द्वारा सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। उन्होंने कहा कि भू-अर्जन, पुनर्वास एवं मुआवजा की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न की जाएगी। इस अवसर पर अपर समाहर्त्ता,जिला भूअर्जन पदाधिकारी के साथ-साथ अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

पिस्तौल सटाकर जान से मारने की धमकी पीड़ित के बयान पर मुकदमा दर्ज

मसौढ़ी। मसौढ़ी नगर क्षेत्र के कश्मीरगंज मोहल्ले में रविवार को आपसी कहासुनी के दौरान सनसनीखेज घटना सामने आई। मोहल्ले के ही एक नाबालिग युवक ने किशोर को पिस्तौल सटाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के बयान के आधार पर मसौढ़ी थाना में आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कश्मीरगंज निवासी अमलेश कुमार उर्फ सन्नी का नाबालिग पुत्र रविवार को घर से मणिचक मंदिर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में मोहल्ले के एक किशोर ने उससे गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने कथित तौर पर कमर से पिस्तौल निकालकर पीड़ित के सिर पर सटा दी, जिससे वह घबरा गया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। खुद को घिरता देख आरोपी युवक पिस्तौल वहीं फेंककर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने थाने पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दी। थानाध्यक्ष विवेक भारती ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी नाबालिग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पिस्तौल की बरामदगी, आरोपी की पहचान और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मोहल्ले में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों की ओर इशारा करती हैं, जिन पर सख्ती से रोक लगाना जरूरी है।

बेलागंज बाईपास के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग घायल

बेलागंज,गयाजी। गया–पटना एनएच-22 पर बेलागंज बाईपास के समीप शुक्रवार शाम एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग को कुचल दिया। हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जबकि टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद सड़क पर अफरातफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल को एंबुलेंस के जरिए बेलागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घायल की पहचान बेलागंज थाना क्षेत्र के लक्षण बीघा गांव निवासी गजाधर यादव के रूप में की गई है। अस्पताल में तैनात चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मृत्युंजय कुमार ने बताया कि बुजुर्ग को प्राथमिक उपचार दिया गया है और फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है, खतरे की कोई बात नहीं है। गजाधर यादव ने बताया कि वे निजी काम से बेलागंज बाजार आए थे और इसी दौरान यह हादसा हो गया। प्राथमिक इलाज के बाद परिजन उन्हें अपने साथ घर ले गए। वहीं पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुट गई है।

राजगीर में 14 जनवरी से शुरू होगा भव्य मकर मेला, सात दिवसीय आयोजन की तैयारियां पूरी

साधु-संत ब्रह्मकुंड में लगाएंगे डुबकी

नालंदा। बिहार के ऐतिहासिक धार्मिक नगरी राजगीर में इस वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी से 20 जनवरी तक सात दिवसीय मकर मेला का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से राजकीय मेला घोषित यह आयोजन श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। मकर मेला के दौरान देश भर से हजारों श्रद्धालु राजगीर के प्रसिद्ध कुंडों और धाराओं में पवित्र स्नान करने के लिए पहुंचेंगे। ब्रह्मकुंड, सप्तधारा और अन्य ऐतिहासिक जल स्रोतों में स्नान कर भक्तजन पूजा-अर्चना करेंगे। इसके अलावा पर्यटक राजगीर के ऐतिहासिक एवं पर्यटकीय स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। मेला प्रशासन ने इस वर्ष आयोजन को और भी भव्य बनाने के लिए विविध कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उद्घाटन से लेकर समापन तक रंगारंग कार्यक्रमः उद्घाटन 14 जनवरी को मेला थाना परिसर में किया जाएगा। उसी दिन शाम को ब्रह्मकुंड पर महाआरती का आयोजन होगा, जो दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। साथ ही कृषि मेला और विभागीय स्टॉल भी लगाए जाएंगे। 15 जनवरी को संत समागम यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो राम जानकी मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, जेपी चौक, बाजार होते हुए थाना से कुंड तक निकलेगी। यह यात्रा धार्मिक सौहार्द और आस्था का प्रतीक बनेगी।

खेल प्रतियोगिताओं का दौरः स्टेट गेस्ट हाउस मैदान पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 15 से 18 जनवरी तक फुटबॉल और क्रिकेट , 16 जनवरी तक वॉलीबॉल, 17 जनवरी तक कबड्डी और 18 जनवरी को एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी। इसके अलावा 15-16 जनवरी को धुनिवर के पूरब में दंगल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। पतंग प्रतियोगिता 14 और 20 जनवरी को स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में आयोजित होगी।

कला और संस्कृति की झलकः 16 जनवरी तक मेला थाना परिसर में विख्यात कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 17 जनवरी को क्विज और वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 19 जनवरी को टमटम और पालकी सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जो स्थानीय संस्कृति की विविधता को प्रदर्शित करेगा। समापन दिवस 20 जनवरी को दुधारू पशु प्रदर्शनी, कृषि उत्पादन प्रदर्शनी और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ नुक्कड़ नाटक का मंचन किया जाएगा।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावाः मकर मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह राजगीर की अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी गति देता है। मेले के दौरान राजगीर शहर का विशेष सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। फूड स्टॉल, दही खाओ प्रतियोगिता और रंगोली प्रतियोगिता जैसे लोकप्रिय आयोजन भी होंगे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की है। मेला क्षेत्र में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था रहेगी और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। राजगीर का यह मकर मेला आस्था, संस्कृति, खेल और मनोरंजन का अनूठा संगम बनने जा रहा है, जो इस ऐतिहासिक नगरी की गरिमा को और भी बढ़ाएगा।

निर्मली में 'विकसित भारत @2047' पर आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का भव्य समापन

निज संवाददाता। सुपौल।

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, दरभंगा द्वारा सुपौल जिले के निर्मली स्थित भागीरथ उच्च माध्यमिक विद्यालय के मैदान में 'विकसित भारत @2047' विषय पर आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हो गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, छात्रों और युवाओं की भागीदारी देखने को मिली। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित स्थानीय विधायक रामविलास कामत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब भारत अपनी आज़ादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब देश और बिहार को विकसित बनाना ही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चहुंमुखी विकास की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2047 में देश और राज्य तभी विकसित बन पाएंगे, जब आम जनता भारत और बिहार सरकार द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ उठाएगी। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि आज का युवा ही देश और राज्य का भविष्य है। जब युवा शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनेंगे, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। भागीरथ उच्च माध्यमिक विद्यालय में इस प्रकार के भव्य आयोजन के लिए उन्होंने केंद्रीय संचार ब्यूरो, दरभंगा को धन्यवाद देते हुए कहा

कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों से निश्चित रूप से आम जनता को लाभ मिला होगा और वे सरकारी योजनाओं के प्रति अधिक सजग हुए होंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। छात्रों की इस प्रस्तुति की सराहना करते हुए अतिथियों ने उन्हें मौके पर ही पुरस्कृत किया। दूसरे दिन भी चित्र प्रदर्शनी को देखने के लिए सुबह से ही लोगों, विशेषकर बच्चों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित चित्रों को देखकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल पर भी लोगों की अच्छी खासी भीड़ रही। लोग स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेते नजर आए और योजनाओं से मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्राप्त की। समापन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि केंद्रीय संचार ब्यूरो का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निर्मली में आयोजित इस चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम से स्थानीय लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में व्यापक जानकारी मिली होगी। समापन अवसर पर विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक दल लोक कला मंच के कलाकारों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका उपस्थित दर्शकों ने खूब आनंद उठाया।

कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मौके पर ही पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय संचार ब्यूरो, दरभंगा के क्षेत्रीय प्रचार सहायक मिहिर कुमार झा ने भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान विभाग के गिरजानाथ झा और अमरनाथ झा की सक्रिय उपस्थिति सराहनीय रही।

अवैध शराब भट्ठियों को किया ध्वस्त, 1500 लीटर जावा महुआ नष्ट

निज संवाददाता। मसौढ़ी

शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए लहसुना थाना पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में गुरुवार की देर रात थाना क्षेत्र के क्रीमदीचक नियामतपुर गांव में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने गांव के अलग-अलग स्थानों पर संचालित अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त करते हुए करीब 1500 लीटर जावा महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया। पुलिस की कार्रवाई से इलाके में लंबे समय से चल रहे शराब के अवैध धंधे को बड़ा झटका लगा है।

थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि थाना क्षेत्र में किसी भी सूरत में अवैध शराब का निर्माण, भंडारण या बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और ऐसे तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने अवैध शराब निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों को कड़ी चेतावनी भी दी कि यदि भविष्य में दोबारा इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाए गए तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जमुई के ढंढ ग्राम में 'विकसित भारत @2047' के तहत जन-कल्याणकारी योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता। जमुई

विकसित भारत @2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो, मुंगेर द्वारा जमुई जिले के ढंढ ग्राम, पंचायत लखनपुर स्थित काली स्थान परिसर में भारत सरकार की गरीब कल्याण से जुड़ी विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम का उद्घाटन डाक उपाधीक्षक अभिषेक कुमार, एलडीएम लक्ष्मी एक्का और डीपीएम जीविका संजय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर किया गया। विभागीय पंजीकृत सांस्कृतिक दल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, साथ ही गीत-संगीत के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

अपने संबोधन में डाक उपाधीक्षक अभिषेक कुमार ने डाक विभाग द्वारा संचालित गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से सुकन्या समृद्धि योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक अत्यंत प्रभावी पहल है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से बच्चियों की शिक्षा और विवाह के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। कार्यक्रम स्थल पर डाक विभाग द्वारा शून्य से पांच वर्ष की बालिकाओं के आधार कार्ड निर्माण और सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाता खोलने के लिए विशेष स्टॉल भी लगाया गया, जहाँ ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

एलडीएम लक्ष्मी एक्का ने अपने संबोधन में भारत सरकार की मुद्रा योजना, जन धन योजना, दुर्घटना बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना, आर्थिक समावेशन सुनिश्चित करना और आम नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों द्वारा पूछे गए सवालों का समाधान डाक उपाधीक्षक और एलडीएम द्वारा सरल भाषा में किया गया, जिससे ग्रामीणों की शंकाएँ दूर हुईं।

डीपीएम जीविका संजय कुमार ने भी अपने संबोधन में स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और आजीविका सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों को सरकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम से एक दिन पूर्व आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी सोनाली कुमारी, नेहा कुमारी, विभा और रबिना को विभाग की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रीति, जूही, शिवानी, सुहानी और मुकेश कुमार को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सुदर्शन किशोर झा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डाक उपाधीक्षक अभिषेक कुमार के हाथों 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में विभाग के राकेश कुमार और संतोष कुमार यादव की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

पटना एम्स के कैशियर को 42.95 लाख के गबन में गिरफ्तार, शेयर बाजार में नुकसान के बाद की थी रकम की निकासी

निज संवाददाता। पटना

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना में बड़े वित्तीय गबन का मामला सामने आया है। एम्स के मुख्य कैशियर अनुराग अमन को 42 लाख 95 हजार रुपए के गबन के आरोप में फुलवारी शरीफ थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शेयर और क्रिप्टो करेंसी बाजार में करीब 70 लाख रुपए गंवाने के बाद अनुराग अमन ने एम्स के कैश वॉल्ट से सरकारी राशि की अवैध निकासी कर उसे अपनी पत्नी के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, अनुराग अमन ने 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच अलग-अलग तारीखों में कुल 44 लाख 50 हजार रुपए की निकासी की थी। मामला तब उजागर हुआ जब 4 जनवरी 2026 को एम्स प्रशासन द्वारा कैश वेरिफिकेशन कराया गया। जांच के दौरान कैश वॉल्ट में मात्र 1 लाख 51 हजार 280 रुपए नकद पाए गए, जबकि 42 लाख 95 हजार 720 रुपए की भारी कमी सामने आई। इसके बाद पूरे मामले की आंतरिक जांच शुरू की गई।

शुक्रवार को आयोजित

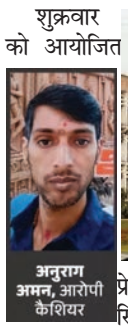

अनुराग अमन, आरोपी कैशियर

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी कैशियर अनुराग अमन ने स्वीकार किया है कि उसने एम्स के कैश से 42 लाख 99 हजार रुपए निकाले थे। यह राशि उसने अपनी पत्नी के बैंक ऑफ इंडिया खाते में ट्रांसफर कराई थी। पुलिस अब इस मामले में आरोपी की पत्नी की भूमिका की भी जांच कर रही है और आवश्यक होने पर उनसे पूछताछ की जाएगी।

मामला उजागर होने के बाद एम्स प्रशासन ने अनुराग अमन पर गबन की गई राशि वापस करने का दबाव बनाया, जिसके बाद उसने तीन किस्तों में पूरी रकम एम्स के खाते में जमा करा दी। पहली किस्त में 5 जनवरी को 16 लाख 50 हजार रुपए, दूसरी किस्त में 11 लाख 11 हजार रुपए और तीसरी किस्त में 6 जनवरी 2026 को 15 लाख 34 हजार रुपए जमा किए गए। इसके बावजूद इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए 7 जनवरी 2026 को एम्स के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार जालान ने फुलवारी शरीफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई।

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुराग अमन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपी शेयर बाजार और क्रिप्टो करेंसी में भारी नुकसान के बाद कर्ज में डूब गया था और उसी नुकसान की भरपाई के लिए उसने एम्स की सरकारी राशि का दुरुपयोग किया। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि अनुराग अमन पिछले दो वर्षों से एम्स के ओपीडी काउंटर पर तैनात था। इस काउंटर पर जमा की गई राशि समय पर एम्स के खाते में नहीं पहुंच रही थी। अकाउंट अफसर पीयूष आनंद द्वारा कराई गई आंतरिक ऑडिट में कैश बुक, भुगतान रजिस्टर, रसीदों और बैंक खातों के मिलान के दौरान भारी गड़बड़ी सामने आई। विस्तृत जांच में 44.50 लाख रुपए के लेन-देन का स्पष्ट हिसाब नहीं मिल पाया।

ऑडिट रिपोर्ट सामने आने के बाद एम्स प्रशासन को पांच दिन पहले ही गबन की जानकारी मिल गई थी। जैसे ही मामला डॉक्टरों, कर्मचारियों और मीडिया तक पहुंचा, प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को निलंबित कर दिया और थाने में मामला दर्ज कराया। एम्स प्रशासन ने आरोपी के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है और उसे वित्तीय जिम्मेदारियों से हटा दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यदि आरोप पूरी तरह साबित होते हैं तो अनुराग अमन की नौकरी से बर्खास्तगी भी की जा सकती है। पूरे मामले की जांच गहराई से जारी है और आवश्यकता पड़ने पर किसी अन्य जांच एजेंसी को भी जांच सौंपी जा सकती है।

फरार अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस का सख्त अभियान

निज संवाददाता। पटना

पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र में फरार चल रहे अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने व्यापक स्तर पर अभियान तेज कर दिया है। थाना प्रभारी सुमन कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अलग-अलग गांवों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फरार आरोपियों के इश्तेहार चस्पा कर कानून का सख्त संदेश दिया। इस कार्रवाई के जरिए पुलिस ने फरार अभियुक्तों को स्पष्ट तौर पर चेताया है कि वे तय समय के भीतर न्यायालय या थाने में आत्मसमर्पण करें। निर्धारित अवधि में आत्मसमर्पण नहीं करने की स्थिति में उनके खिलाफ कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसके तहत उनकी चल और अचल संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। अभियान के दौरान थाना प्रभारी सुमन कुमार खुद पुलिस बल के साथ गांवों में पहुंचे और डुगडुगी पिटवाकर आम लोगों को जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को आगाह किया कि किसी भी तरह से फरार अभियुक्तों को शरण देना या सहयोग करना दंडनीय अपराध है। साथ ही यह भरोसा भी दिलाया कि अपराधियों से संबंधित सूचना देने

♦ फरार आरोपियों के इश्तेहार चस्पा कर कानून का सख्त संदेश दिया

वालों की पहचान पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी। थाना प्रभारी ने कहा कि पालीगंज थाना क्षेत्र में कानून तोड़ने वालों के लिए सख्ती तय है। अपराध पर नियंत्रण और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। पुलिस की इस सक्रियता के बाद इलाके में हलचल बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनेगा और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत होगा।

बिहार में कानून-व्यवस्था में सुधार, डीजीपी ने साल 2025 के पेश किए आंकड़े

निज संवाददाता। पटना

बिहार पुलिस मुख्यालय स्थित सरदार पटेल भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने वर्ष 2025 के अपराध आंकड़े सार्वजनिक करते हुए दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि पुलिस की निरंतर कार्रवाई, मजबूत खुफिया तंत्र और विशेष अभियानों के कारण वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में संगीन अपराधों में स्पष्ट कमी दर्ज की गई है। डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां राज्य में 2786 हत्याएं दर्ज की गई थीं, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 2556 रह गई, जो करीब

हत्या, डकैती और लूट के मामलों में गिरावटः डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां राज्य में 2786 हत्याएं दर्ज की गई थीं, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 2556 रह गई, जो करीब 8.3 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। इसी तरह डकैती के मामलों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 2024 में 238 डकैती की घटनाएं हुई थीं, जबकि 2025 में यह संख्या घटकर 174 रह गई, यानी 26.9 प्रतिशत की कमी। लूट की घटनाओं में भी पुलिस को सफलता मिली है। वर्ष 2024 में लूट के 1975 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025 में घटकर 1558 रह गए। दंगा से जुड़े मामलों में भी कमी आई है। 2024 में 3186 दंगे दर्ज हुए थे, जबकि 2025 में इनकी संख्या घटकर 2502 रह गई, जो 21.5 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी कमीः डीजीपी ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों, खासकर दुष्कर्म के मामलों में भी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में दुष्कर्म के 2205 मामले सामने आए थे, जबकि 2025 में यह संख्या घटकर 2025 रह गई। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और त्वरित अनुसंधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अवैध हथियारों के खिलाफ

चलाए गए अभियानों की जानकारी देते हुए डीजीपी ने बताया कि जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच पुलिस ने 4963 अवैध आग्नेयास्त्र, 54 लाइसेंसी हथियार और 30,133 कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा राज्य में संचालित 74 मिनी गन फैक्ट्रियों का उद्भेदन किया गया, जिसे अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है। मानव तस्करी के खिलाफ चलाए गए विशेष 'नया सवेरा अभियान' का जिक्र करते हुए डीजीपी ने बताया कि 31 जुलाई से 14 अगस्त 2025 तक चले इस अभियान के दौरान पुलिस ने 41 नाबालिग लड़कियों, कई महिलाओं और 64 नाबालिग लड़कों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। इस दौरान 28 पुरुष और 22 महिला तस्करों, कुल 50 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ की कार्रवाई की जानकारी देते हुए डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 में अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया। इस दौरान 29 मुठभेड़ हुईं और 1682 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। नक्सल मोर्चे पर भी पुलिस को सफलता मिली है और 134 नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने बताया कि पांच इनामी नक्सली और एक दस्ता सदस्य सहित कुल छह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में रावण कोड़ा, अखिलेश सिंह, भोला कोड़ा, नारायण कोड़ा, बहादुर कोड़ा और विनोद कोरा शामिल हैं। प्रेस वार्ता के अंत में डीजीपी ने कहा कि बिहार पुलिस आने वाले समय में भी अपराध नियंत्रण के लिए इसी तरह सख्ती से काम करती रहेगी। आम जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और तेज की जाएगी ताकि राज्य में शांति और सुरक्षा का माहौल और मजबूत हो सके।

संक्षिप्त समाचार

काराकाट पुलिस ने एक बड़ी सफलता किया हासिल
जिले के टॉप-10 कुख्यात अपराधियों में शुमार राकेश पासवान को किया गिरफ्तार

काराकाट /रोहतास। राकेश पुत्र बहादुर पासवान निवासी ग्राम किरही थाना काराकाट के खिलाफ नौ गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें डकैती, लूट और बिहार मद्य निषेध अधिनियम के उल्लंघन के आरोप शामिल हैं। वह कई वर्षों से फरार चल रहा था। बिक्रमगंज एसडीपीओ सह एएसपी संकेत कुमार (आईपीएस) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 8 जनवरी 2026 को गुप्त सूचना मिली कि राकेश अपने गांव किरही पहुंचा है। काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसमें डीआईयू रोहतास के जवान भी शामिल थे। टीम ने तत्काल छापेमारी अभियान चलाया और आरोपी को उसके गांव में धर दबोचा। पूछताछ के दौरान राकेश ने अपनी संलिप्तता कबूल करते हुए सहयोगियों के नाम भी उगल दिए। पुलिस ने इनके खिलाफ छापेमारी तेज कर दी है। राकेश के खिलाफ प्रमुख मामले इस प्रकार हैं: काराकाट थाना कांड संख्या 322/19, 433/24 (मद्य निषेध अधिनियम), 320/19, 330/19, 268/19, 149/21, 03/23, 09/23 तथा बिक्रमगंज थाना कांड 26/18। इनमें डकैती, लूट और शराब तस्करी जैसे संगीन अपराध शामिल हैं। एएसपी संकेत कुमार (आईपीएस) ने इस कार्रवाई को अपराधियों के लिए सख्त चेतावनी बताया। उन्होंने गिरफ्तारी में योगदान देने वाली टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की। इस सफलता से इलाके में पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है और अपराधी तत्वों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तारीफ की तथा अपराधमुक्त रोहतास के लिए सहयोग का भरोसा जताया।

पूर्व मुखिया द्वारा मेसकौर अंचल कार्यालय से सरकारी दस्तावेज की चोरी, प्राथमिकी दर्ज

मेसकौर। जानकारी के अनुसार मेसकौर प्रखंड अंतर्गत बारत पंचायत के पूर्व मुखिया सांगा संजीत उर्फ कन्हैया कुमार बादल के द्वारा मेसकौर अंचल कार्यालय से सरकारी दस्तावेज की चोरी की गई है। उक्त घटना की सत्यता कार्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के अवलोकन के उपरांत प्रमाणित पाई गई है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए संबंधित मामले में मेसकौर थाना में पूर्व मुखिया के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। स्पष्ट है कि शासकीय कार्यों एवं अभिलेखों की सुरक्षा के प्रति किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अवैध कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में पुलिस गाड़ी की परेड, कहा- सभी गाड़ी को रखें दुरुस्त, संकट की स्थिति में सही से हो काम

नालंदा। पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देशानुसार पुलिस लाइन में आज एक व्यापक गाड़ी परेड का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में जिले के समस्त सरकारी गाड़ी का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। पुलिस विभाग की तत्परता और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की क्षमता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ये हुआ है। यह पहल जिले में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परेड के दौरान प्रत्येक गाड़ी की तकनीकी स्थिति से लेकर दस्तावेजों तक की बारीकी से पड़ताल की गई।

सम्पूर्ण निरीक्षण की प्रक्रिया: पुलिस लाइन में आयोजित इस वाहन परेड में विभाग के प्रत्येक सरकारी वाहन को कड़ी जांच के दायरे में लाया गया। निरीक्षण दल ने वाहनों की समग्र फिटनेस, इंजन की स्थिति, और यांत्रिक दक्षता की विस्तृत जांच की। इसके अतिरिक्त, वाहनों से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों जैसे रजिस्ट्रेशन, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र और फिटनेस सर्टिफिकेट की भी सत्यापन किया गया। विशेष रूप से आपातकालीन उपकरणों पर ध्यान केंद्रित किया गया। हर वाहन में लगे सायरन, आपातकालीन लाइटिंग सिस्टम, वायरलेस संचार उपकरण व अन्य जरूरी साजो-सामान की कार्यशील स्थिति की जांच की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि संकट की घड़ी में ये उपकरण बिना किसी बाधा के काम कर सकें।

एसपी के सख्त दिशा-निर्देश: वाहन परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक नालंदा भारत सोनी ने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि विभाग के सभी वाहन हर समय पूरी तरह चालू और सक्रिय अवस्था में रहने चाहिए। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में देरी बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है और कार्रवाई ही विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। एसपी ने वाहनों के रख-रखाव पर भी विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी वाहनों की नियमित और समय-बद्ध तरीके से सर्विसिंग कराई जाए। वाहनों की स्वच्छता और साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। साथ ही, किसी भी प्रकार की खराबी या तकनीकी समस्या आने पर तुरंत मरम्मत कराने का आदेश दिया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ, जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

नालंदा। नालदा में सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान का शुभारंभ आज समाहरणालय परिसर से किया गया। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने परिवहन विभाग के जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। परिवहन विभाग, बिहार के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस दौरान विशेष रूप से शीतकालीन कोहरे में वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि कोहरे के मौसम में दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि इस मौसम में विशेष सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है। परिवहन विभाग ने कोहरे में सुरक्षित यात्रा के लिए कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं, इनमें गति नियंत्रण,उचित दूरी,लाइटिंग का सही उपयोग, एकाग्रता जरूरी और घने कोहरे में विराम शामिल हैं। जिला परिवहन पदाधिकारी ने जोर देते हुए कहा कि सड़क पर होने वाली अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय भूल और चालकों की लापरवाही के कारण होती हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम थोड़ी सी सावधानी बरतें और यातायात नियमों का पालन करें, तो इन दुर्घटनाओं को बड़े पैमाने पर रोका जा सकता है और सड़क यात्रा को सुरक्षित व सुखद बनाया जा सकता है। अधिकारियों ने जनता से यातायात के निम्नलिखित नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है, इनमें वाहन को निर्धारित गति सीमा में ही चलाएं,दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें,चार पहिया वाहन में सीटबेल्ट का उपयोग करें, आदि नियम शामिल है। कार्यक्रम के दौरान जिले भर में यातायात नियमों का पालन करने वाले जिम्मेदार वाहन चालकों को 'सड़क सुरक्षा प्रहरी' के रूप में सम्मानित किया गया। विशेष सेल्फी पॉइंट पर उनके साथ सेल्फी भी क्लिक की गई ताकि अन्य लोग भी प्रेरित हों।

जागरूकता रथ जिले के सभी प्रखंडों और पंचायत स्तर तक जाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करेगा। इस अभियान का उद्देश्य आम जनता को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें अपने तथा दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए प्रेरित करना है। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा हमारी प्रतिबद्धता है और सड़क सुरक्षा ही जीवन रक्षा है। आइए, हम सब मिलकर यातायात नियमों का पालन करते हुए अपने बहुमूल्य जीवन को बचाएं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

बाल-विवाह निषेध अधिनियम के प्रति जागरूकता को लेकर की गई बैठक

निज संवाददाता। बिक्रमगंज /रोहतास

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश के आलोक में चाईल्ड मैरेज के खिलाफ जागरूकता अभियान के संचालन हेतु 100 दिवसीय कार्य योजना के कियान्वयन एवं संचालन हेतु पारा विधिक स्वयं सेवकों, आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को अनुमण्डल न्यायिक दण्डाधिकारी सह सचिव अनुमण्डल विधिक सेवा समिति बिक्रमगंज की अध्यक्षता में किया गया। जागरूकता अभियान को लेकर रूप रेखा तैयार किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी ने कहा कि बाल विवाह निरोध अधिनियम के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रखंड के सभी गावों में आंगनवाड़ी सेविका और आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से नुक्कड़ सभा, रैली और आम सभा का आयोजन किया जाएगा।

प्रखंड और अनुमंडल स्तर पर आम सभा तथा रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। प्रशिक्षण में लोक अदालत बिक्रमगंज के कार्यालय प्रभारी देवेन्द्र कुमार सिंह, पैनल अधिवक्ता श्याम सुंदर मिश्र, पीएलवी चित्रा कुमारी, शिल्पी कुमारी, विकास कुमार, अंशु कुमारी, रूबी कुमारी, रितेश कुमार, मो० रिजवान, रविन्द्र कुमार सिंह, उपेंद्र कुमार सिंह, उमाकांत सिंह, शांति देवी, वीणा सिंह सहित कई पीएलवी, आंगनवाड़ी सेविका और आशा उपस्थित थी।

चार्जिंग लगा यात्री का मोबाइल छुटा आरपीएफ ने बरामद कर यात्री को सौंपा

निज संवाददाता। डालमिया नगर (रोहतास)

गाड़ी संख्या 13305 अपधनबाद-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस के अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन से खुलने के उपरांत एक व्यक्ति रेलवे सुरक्षा बल आउट पोस्ट अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन पर उपस्थित हुआ तथा बताया कि मेरा नाम नीतीश कुमार उम्र 18 वर्ष पिता का नाम- किशोर ठाकुर ग्राम- फेसरा थाना- पौथु जिला- औरंगाबाद (बिहार) है तथा मैं उक्त गाड़ी के पीछे वाले तीसरे जनरल जनरल कोच में फेसर स्टेशन से अनुग्रह नारायण रोड आने हेतु चढ़ा था। अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन आने के उपरांत भूलबश अपना मोबाइल एवं चार्जर गाड़ी के चार्जिंग पॉइंट में लगाकर उतर गया तथा मोबाइल एवं चार्जर गाड़ी में ही छूट गया। कैंपिंग ड्यूटी में तैनात उप निरीक्षक मनोज कुमार साथ स्टाफ द्वारा कैंपिंग ड्यूटी करबंदिया में तैनात आरक्षी रजनीश कुमार सिंह की मदद से उक्त मोबाइल को गाड़ी से बरामद कर चार्जर सहित वापस अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन मंगाया गया तथा यात्री को सूचित किया गया। बाद में उक्त यात्री के आने के पश्चात गवाहों की उपस्थिति में उचित पहचान एवं सत्यापन के पश्चात सुपुर्दगीनामा तैयार कर ठीक-ठीक मोबाइल एवं चार्जर उक्त यात्री को फोटोग्राफी करते हुए ऑपरेशन अमानत के तहत सुपुर्द किया गया। उक्त मोबाइल एवं चार्जर की अनुमानित कीमत लगभग 8000 बताई गई।

10 लीटर देसी शराब के साथ एक गिरफ्तार

निज संवाददाता। डालमिया नगर (रोहतास)

डेहरी ऑन सोन निरीक्षक प्रभारी/ रेसुब रामविलास राम के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक हरेराम कुमार, साथ आरक्षी उमेश कुमार सिंह, आरक्षी सर्वोदय पासवान सभी रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन एवं सी आई बी गया के प्रधान आरक्षी सर्वजीत राय, आरक्षी कमलेश कुमार सभी संयुक्त रूप से रेलवे स्टेशन डेहरी ऑन सोन में गश्त व अपराधी गतिविधि निगरानी करते हुए न्यू पार्किंग एरिया के पास एक व्यक्ति रमेश लाल सोनकर, उम्र 48 वर्ष, पिता स्व. पागल सोनकर, ग्राम जारा वस्ती, थाना रामगढ़, जिला रामगढ़ (झारखंड) को एक बैग में कुल 10 लीटर छबीली देसी मसाला शराब के साथ पकड़ा। इस संबंध में आवश्यक कागजी कार्रवाई कर सभी अवैध शराब को जप्त किया गया। जप्त सभी देशी शराब की अनुमानित कीमत 3675/- रुपए है जिसे अग्रिम कानूनी कार्रवाई करते हुए स्थानीय थाना अध्यक्ष नगर डेहरी को उपरोक्त गिरफ्तार अभियुक्त, जप्त शराब मय कागजात के साथ सुपुर्द किया गया।।

बाजारों में तिल, गुड़, तिलकुट, चूड़ा-दही, मिठाइयों, मौसमी फलों और पूजा सामग्री से सजी दुकानें

निज संवाददाता। सासाराम /रोहतास

मकर संक्रांति पर्व की आहट के साथ ही बिक्रमगंज अनुमंडल मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों के शहरी और ग्रामीण बाजारों में परंपरा,आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है । लोकपर्व की तैयारियों ने बाजारों को नई पहचान दे दी है और खरीदारी को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आ रहा है । बाजारों में तिल,गुड़,तिलकुट, चूड़ा-दही,मिठाइयों,मौसमी फलों और पूजा सामग्री से सजी दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं । रंग-बिरंगे झंडों, बैनरों और रोशनी से सजे बाजारों में सुबह से देर शाम तक खरीदारों की आवाजाही देखी जा रही है । तिलकुट की खुशबू और गुड़ की मिठास पूरे बाजार क्षेत्र में त्योहार का एहसास करा रही है । ग्रामीण इलाकों के हाट- बाजारों में भी मकर संक्रांति को लेकर विशेष चहल-पहल है । आसपास के गांवों से लोग परिवार के साथ बाजार पहुंच रहे हैं और परंपरागत वस्तुओं की खरीदारी कर रहे हैं । ग्रामीणों का कहना है कि यह पर्व केवल धार्मिक महत्व ही नहीं रखता,बल्कि सामाजिक एकता और पारिवारिक मेल-मिलाप का अवसर भी प्रदान करता है । व्यापारियों के अनुसार मकर संक्रांति पर्व को लेकर इस बार बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है । तिलकुट,गुड़ और चूड़ा-दही की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है,जिससे व्यापारियों में काफी उत्साह है । कई दुकानदारों ने बताया कि पर्व के चलते इस समय बिक्री अपने चरम पर है । कुल मिलाकर मकर संक्रांति पर्व ने बिक्रमगंज अनुमंडल के बाजारों को जीवंत कर दिया है । तिल-गुड़ की मिठास,लोकपरंपराओं की खुशबू और लोगों का उत्साह यह दर्शाता है कि यह पर्व आज भी समाज की सांस्कृतिक धरोहर के रूप में पूरे सम्मान के साथ मनाया जाता है ।

नौ महिलाओं का हुआ बंध्याकरण 102 प्रेगनेंट माताओं की हुई जांच

निज संवाददाता। सासाराम /राजपुर

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना अन्तर्गत 102 प्रेग्नेंट माताओं ने प्रसव पूर्व जांच कराया.वहीं नौ महिलाओं ने बंध्याकरण ऑपरेशन करवाया. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा सुमित कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम के तहत 102 प्रेग्नेंट माताओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच हुआ.लगभग सभी जच्चा बच्चा स्वस्थ्य पाये गये.कुछ माताओं में एनीमिया की शिकायत मिला.जिसके उपचार के लिए विशेष टीम गठित कर

अस्पताल आई सभी गर्भवती माताओं का प्रसव पूर्व हीमोग्लोबिन को कम्प्लीट करने के लिए निर्देशित किया गया.ईलाज में सहयोग प्रदान कर रहे डा अरविंद कुमार के नेतृत्व में एनएम मालती कुमारी, प्रभा कुमारी के सहयोग से गर्भवती माताओं का ब्लड शुगर लेवल, वजन, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, गर्भ में पल रहे बच्चे की स्थिति आदी का जांच किया गया.

हीमोग्लोबिन एवं कमजोर व ब्लड प्रेशर वाले मताओं को आवशयक दवाईयां, आयरन कैल्शियम व विटामिन प्रदान करते हुए सुरक्षित मातृत्व के लिए खान पान एवं रहन सहन का उचित सलाह प्रदान करके बिदा किया गया. मौके पर पीएचसी मैनेजर संदीप कुमार, एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी, बीसीएम विकास कुमार, कर्मी नवीन गौतम, बडा बाबु मनोज कुमार, सुनिता कुमारी, धीरज कुमार, सुरक्षा कर्मी मुन्ना पाण्डेय,प्रकाश तिवारी,बिनोद यादव,समेत अन्य मौजूद रहे.

राजा साहब जी की जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

निज संवाददाता। डेहरी ऑन सोन (रोहतास)

भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन नई दिल्ली जिला रोहतास इकाई ग्रामीण डेहरी ऑन सोन में पूर्व से निर्धारित संगठन के संस्थापक पूज्य राजा साहब जी की जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस शुभ अवसर पर संगठन के कार्यकर्ता ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पण एवं केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही असहाय गरीब मजदूर के बच्चों के बीच मिठाई एवं पाठ्य-पुस्तक सामग्री वितरित की गई।इस पहल से क्षेत्र के असहाय गरीब मजदूर के बच्चों को काफी सहुलियत हो रहा है अगर इसी प्रकार से और समाजसेवी लोग आगे बढ़कर असहाय गरीब मजदूर विकलांग बच्चों के मानव धर्म का अगर पालन किया जाए तो वहीं सबसे बड़ी उपकार होता है। इस कार्यक्रम में इकाई के सम्मानित सदस्य राजीव कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, पवित्र वर्मा, संतोष कुमार, चंदन कुमार, हरि शर्मा, मनीषा सिन्हा शशि भूषण पाठक एवं हमारे मंडल के आदरणीय पदाधिकारी दिग्विजय उपाध्याय जी एवं रत्ना सिन्हा जी उपस्थित रहे।

मोबाइल चोर को आरपीएफ ने पकड़ा

यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर चोर गिरफ्तार

निज संवाददाता। डालमिया नगर (रोहतास)

प्रभारी निरीक्षक रे.सु.ब. पोस्ट डेहरी ऑन सोन राम विलास राम के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक मनोज कुमार चौधरी साथ सहायक उप निरीक्षक उपेन्द्र कुमार, प्रधान आरक्षी सर्वजीत राय, आरक्षी अमित कुमार, आरक्षी सुनील कुमार, आरक्षी राजू कुमार सभी आपराधिक गतिविधि निगरानी रोकथाम हेतु रेलवे स्टेशन डेहरी ऑन सोन प्लेटफार्म संख्या 02/03 के पूर्वी छोर पर जा रहे थे । गस्त के दौरान एक व्यक्ति को संदेहावस्था में देखा, जिससे पूछताछ करने पर अपना नाम अमन कुमार, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता अनिल प्रसाद, ग्राम रत्तू बिग़हा, थाना डालमियानगर, जिला रोहतास (बिहार) बताया जिसका तलाशी लेने पर दो एंड्राइड मोबाइल फोन बरामद हुआ जिसके बारे में पूछने पर उसने बताया कि मोबाइल को डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर यात्रियों का चुराया हूं । बरामद सभी मोबाइल का अनुमानित कीमत 25000/– रुपए है । बाद मौके की सभी आवश्यक कार्रवाई करते हुए अग्रिम कार्रवाई हेतु राजकीय रेल थाना डेहरी को सुपुर्द किया गया।

रजौली विधायक विमल राजवंशी ने छात्रों के बीच किया बैग व पाठ्य सामग्री का वितरण

निज संवाददाता। रजौली

बिहार शिक्षा परियोजना के सौजन्य से शिक्षा को सुदृढ़ बनाने और विद्यार्थियों को पठन-पाठन की दिशा में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंटर विद्यालय रजौली के परिसर में एक भव्य बैग व पाठ्य सामग्री वितरण समारोह का आयोजन किया गया।जिसके अंतर्गत कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक के करीब छह सौ छात्र-छात्राओं को बैग और कॉपियां प्रदान की गईं। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रजौली विधायक विमल राजवंशी ने अपने हाथों से विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री गौरव शांडिल्य उर्फ गगन ने शिरकत करते हुए छात्रों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें कड़ी मेहनत कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक आशुतोष प्रधान के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की सफलता में पुस्तकालयाध्यक्ष संजीव रंजन, शिक्षक रविन्द्र कुमार और सुबोध कुमार सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक और कर्मचारियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई,जिससे संपूर्ण परिसर उत्साहपूर्ण माहौल से सराबोर रहा। वितरण के दौरान नए स्कूल बैग और कॉपियां पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सामूहिक रूप से शिक्षा के गिरते स्तर को उठाने व प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने के संकल्प को दोहराया ताकि क्षेत्र में साक्षरता और बौद्धिक विकास की नई इबारत लिखी जा सके।

श्राद्धकर्म में पहुंचे जनप्रतिनिधि

- तैल चित्र पर फूल किया अर्पित
- सभी ने उनके बताए हुए दिशा निर्देश पर चलने को कहा

निज संवाददाता। नोखा/रोहतास

नोखा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कुरी मानी निवासी समाज सेवी सनातनी चंदन तिवारी उर्फ सनातनी बाबा की 95 वर्षीय दादी कौशल्या कुंवर के श्राद्धकर्म में पहुंचे जनप्रतिनिधि । उक्त अवसर पर सभी लोगों ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन एवं वंदन किया । साथ ही साथ सभी ने उनके बताए हुए दिशा निर्देश पर चलने को कहा । मौके पर भाजपा बिहार प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रोफेसर बलिराम मिश्रा,नोखा विधायक नागेन्द्र चंद्रवंशी ,नोखा जिला परिषद मेलू मिश्रा, शिशिरता पैक्स अध्यक्ष आमोद तिवारी, इंडियन रोटी बैंक सुमित मिश्रा ,नारायण सेवा समिति अभिनव जी ,मानवता सेवा संघ के सिपाही रोशन चौबे, द्वारका रेस्टोरेंट पप्पू तिवारी, सुनील तिवारी, जय मंगल तिवारी, चंदन तिवारी, विनोद तिवारी, कामेश्वर तिवारी, पुनीत कुमार तिवारी, ग्राम मानिक परासी अशोक पांडेय, राजू तिवारी, परदेसी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

निविदा सं. ईएल–एमएलडीटी–टीआरडी–ई–निविदा–097 के लिए खुली ई–निविदा सूचना, दिनांक 08.01.2026, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, मालदा ऑफिस बिल्डिंग, पी.ओ.– झलझलिया, जिला–मालदा, पिन–732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: निविदा सं. ईएल–एमएलडीटी–टीआरडी–ई–निविदा–097, कार्य का नाम : मालदा मंडल के तहत झुके हुए, क्षतिग्रस्त/चोट पहुँचे और महत्वपूर्ण मास्ट/ टीटीसी /पोर्टल्स को हटाने के संबंध में ओएचई रूपांतरण कार्य। निविदा मूल्य : रु. 2,77,34,846/– निविदा कागजात का मूल्य : शून्य। बयाना राशि: रु. 2,88,700/–, ई–निविदा जमा देने की तिथि एवं समय: दिनांक 16.01.2026 से 30.01.2026 को 16.00 बजे तक। वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट : वेबसाइट www.ireps.gov.in सूचना पटः वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन का कार्यालय। निविदाकारों से अनुरोध है कि वेबसाइट www.ireps. gov.in में विस्तृत निविदा सूचना एवं कागजात देखें। किसी भी परिस्थिति में किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

MLD-288/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ट्रैक के किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

गयाजी। गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब मोरहे गांव के पास डाउन रेल खंड के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। शव के चेहरे और शरीर पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही फतेहपुर थाना की पुलिस एसआई संदीप कुमार के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर छानबीन शुरू की। शव पहाड़पुर रेलवे स्टेशन से करीब 500 मीटर की दूरी पर पोल संख्या 438/2/4 के पास डाउन रेल लाइन के किनारे पड़ा हुआ था। शव की स्थिति और शरीर पर मौजूद गंभीर चोटों को देखकर स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल, गया भेज दिया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मृतक की मौत ट्रेन से गिरने या ट्रेन की चपेट में आने से हुई है अथवा उसकी कहीं और हत्या कर शव को साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक के किनारे फेंका गया है। फतेहपुर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि शव की पहचान के लिए तलाशी ली गई, लेकिन मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है। इससे मृतक की शिनाख्त में पुलिस को कठिनाई हो रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, आसपास के थानों को भी सूचना दे दी गई है और लापता व्यक्तियों से संबंधित रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

हिंदी-भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय सेमिनार, देश-विदेश के विद्वानों ने लिया हिस्सा

नालंदा। नालंदा विश्वविद्यालय की धरती पर आज "भाषा और नालन्दा परम्परा- हिन्दी के संवर्धन और वैश्विक संवाद में विविध संस्थाओं की भूमिका" विषय पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हुआ। सुषमा स्वराज सभागृह में आयोजित इस उद्घाटन सत्र में देश-विदेश के विद्वानों, राजनयिकों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन महज एक अकादमिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, जो कभी नालंदा से पूरे विश्व में फैली थी। आज जब हिंदी और भारतीय भाषाएं वैश्वीकरण और तकनीकी क्रांति के दौर में अपनी जगह तलाश रही हैं, तब यह सेमिनार एक समयोचित पहल के रूप में सामने आई है।

तकनीक के बिना अधूरा है भाषा का विकासः नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने अपने विषय-प्रवर्तन में हिंदी के सामने उपस्थित चुनौतियों और अवसरों की बेबाक चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए केवल भावनात्मक अपील काफी नहीं है। हमें तकनीकी एकीकरण, मजबूत अनुवाद तंत्र और समकालीन शब्दावली के विकास पर गंभीरता से काम करना होगा। प्रो. चतुर्वेदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल माध्यमों की संभावनाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि ये उपकरण भाषाओं के बीच सेतु का काम कर सकते हैं। उन्होंने अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव को चुनौती मानते हुए अकादमिक संस्थानों और हिंदी सेवी संगठनों के बीच समन्वित प्रयासों की जरूरत पर बल दिया। कुलपति ने नालंदा विश्वविद्यालय को बहुभाषिक संवाद का केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारतीय आत्मा का पुनरुत्थानः डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के निदेशक और पूर्व सांसद तरुण विजय ने अपने ओजस्वी संबोधन में भारत की सनातन चेतना और बौद्धिक पुनरुत्थान पर गहरे विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत की अविजय चेतना का हजार साल का अनुष्ठान आज भी जारी है। वैश्विक आक्रमणों के बावजूद भारतीय आत्मा ने खुद को पुनर्स्थापित किया है।

विविध विषयों पर गहन चर्चाः संगोष्ठी के प्रथम दिवस तीन महत्वपूर्ण सत्रों में विभाजित था। "भाषायी नवाचार और सम्पादकीय दृष्टि", "नालंदा और साहित्यिक संस्कृति" व "भाषायी नवाचारः कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी अनुप्रयोग" विषयों पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों में हिंदी की समकालीन चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर खुलकर विचार-विमर्श हुआ। दिन भर चले अकादमिक विमर्श के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं, जिन्होंने भारतीय भाषाओं और परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों ने इस बात को रेखांकित किया कि भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति की वाहक भी है। नालंदा जैसे ऐतिहासिक विरासत-स्थल पर इस सेमिनार का आयोजन प्रतीकात्मक महत्व रखता है। जहां कभी दुनिया भर से विद्यार्थी ज्ञान की खोज में आते थे, वहां आज फिर भाषा, संस्कृति और तकनीक के संगम पर विमर्श हो रहा है। यह आयोजन हिंदी को केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि बौद्धिक स्तर पर भी मजबूत करने का प्रयास है।

सोलर लाइट योजना का चौथा चरण सोमवार से शुरू, जिले में आधुनिक तकनीक से लैस 4450 लाइटें लगाई जाएंगी

नालंदा। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल ग्रामीण सोलर लाइट परियोजना अब अपने चौथे चरण में प्रवेश करने जा रही है। सोमवार से शुरू होने वाले इस नए चरण में जिले भर के गांवों में 4450 सोलर लाइटें स्थापित की जाएंगी, जो ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। जिला पंचायती राज पदाधिकारी (डीपीआरओ) मनोहर कुमार साहू के अनुसार, इस चरण में उन पंचायतों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां वार्डों की संख्या 12 से अधिक है। योजना के तहत प्रत्येक वार्ड में 10 सोलर लाइटें लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विशेष परिस्थितियों में मुखिया की अनुशंसा पर लाइटों की संख्या बढ़ाने का प्रावधान भी रखा गया है। योजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए जमीनी स्तर पर तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई है। गांवों में सोलर लाइट लगाने के लिए 32 हजार से अधिक पोलों की पहचान की जा चुकी है। राज्य सरकार ने बिहार एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (ब्रेडा) को इन लाइटों की स्थापना और निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि योजना का लाभ सभी पात्र क्षेत्रों तक पहुंचे।

आधुनिक तकनीक से लैस होंगी लाइटेंः इस योजना की सबसे बड़ी खासियत इसमें इस्तेमाल होने वाली आधुनिक तकनीक है। प्रत्येक पोल पर 20 वाट क्षमता की सोलर लाइट लगाई जाएगी, जो काफी दूर तक रोशनी प्रदान करने में सक्षम होगी। इन लाइटों की बैटरी एक बार पूर्ण रूप से चार्ज हो जाने पर 24 घंटे तक रोशनी दे सकती है, भले ही सूर्य की रोशनी उपलब्ध न हो। यह विशेषता बरसात और ठंड के मौसम में विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी, जब सूर्य की रोशनी अक्सर कम मिल पाती है। लाइटों में स्वचालित टाइमर की व्यवस्था है, जो दिन के समय इन्हें अपने आप बंद कर देता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है।

जनता भी कर सकेगी निगरानी : योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक अनूठी व्यवस्था की गई है। ब्रेडा के सीएमएस कार्यपालक सहायक रामलाल ने बताया कि आम जनता भी अपने क्षेत्र में स्थापित सोलर लाइटों की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ब्रेडा की वेबसाइट पर जाकर संबंधित प्रखंड का यूजरनेम और पासवर्ड डालना होगा। उदाहरण के तौर पर, बिहारशरीफ प्रखंड की जानकारी के लिए यूजरनेम "bprobiharsharif@gmail.com" और पासवर्ड "amnex@123" का प्रयोग किया जा सकता है। अन्य प्रखंडों के लिए भी इसी प्रकार की व्यवस्था है।

चलती जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस पर पथराव

निज संवाददाता। गयाजी

आरपीएफ ने आठ घंटे में आरोपी को दबोचा

गयाजी में चलती ट्रेन पर पथराव की घटना को रेलवे सुरक्षा बल ने गंभीरता से लेते हुए महज आठ घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामला जम्मूतवी–कोलकाता एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13152) से जुड़ा है, जिस पर गया यार्ड क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा पत्थरबाजी की गई थी। इस घटना के बाद रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए थे, लेकिन आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई से यात्रियों ने राहत की सांस ली। घटना गया यार्ड के किलोमीटर संख्या 471/20 के पास उस समय हुई, जब जम्मूतवी–कोलकाता एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग से गुजर रही थी। अचानक ट्रेन पर पत्थर फेंके जाने लगे, जिससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन रेल संपत्ति को नुकसान पहुंचा। ट्रेन के मार्ग रक्षण पार्टी इंचार्ज प्रधान आरक्षी बृजभूषण मिश्रा ने मामले की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल को दी, जिसके बाद रेलवे अधिनियम की धारा 153 और 147 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल गया पूरी तरह हरकत में आ गया। पोस्ट प्रभारी बनारसी यादव और अपराध आसूचना शाखा के निरीक्षक चंदन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच की जिम्मेदारी उप निरीक्षक धीरेंद्र कुमार को सौंपी गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और स्कॉर्ट पार्टी द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध की तलाश शुरू की। साथ ही स्थानीय मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया।

लगातार प्रयास और तकनीकी जांच के बाद पुलिस को सफलता मिली और आरोपी की पहचान कर उसे धर दबोचा गया। गिरफ्तार युवक की पहचान मोहम्मद आरिफ उर्फ अमन (23) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उतरौत, चाकंद बाजार, गया का रहने वाला है। वर्तमान में वह चंदौती थाना क्षेत्र के कटारी इस्लामगंज इलाके में रह रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि ट्रेन के अंदर से किसी यात्री द्वारा कुछ कहे जाने पर वह भड़क गया था। इसी गुस्से में उसने चलती ट्रेन पर कई बार पत्थर फेंक दिए। पुलिस के अनुसार यह एक गंभीर अपराध है, जिससे यात्रियों की जान को खतरा हो सकता था।

रेलवे सुरक्षा बल ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे रेलवे न्यायालय, गया के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी बनारसी यादव ने स्पष्ट कहा कि रेल संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भीषण ठंड में प्रशासन की पहल, कोंच प्रखंड मुख्यालय में कंबल वितरण

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के कोंच प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को भीषण ठंड और शीतलहर को देखते हुए कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य कड़ाके की ठंड से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना और ठंडजनित परेशानियों से बचाव करना रहा।

कंबल वितरण कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख मनी देवी और प्रखंड विकास पदाधिकारी विपुल भारद्वाज ने संयुक्त रूप से जरूरतमंदों को कंबल सौंपे। वितरण के दौरान बुजुर्गों, विधवाओं, दिव्यांगों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को प्राथमिकता दी गई। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत और संतोष साफ दिखाई दिया।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी विपुल भारद्वाज ने कहा कि लगातार गिरते तापमान और शीतलहर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि ठंड के दौरान किसी भी गरीब या असहाय व्यक्ति को परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रखंड प्रमुख मनी देवी ने कंबल वितरण कार्यक्रम को मानवीय सेवा बताते हुए कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की मदद करना जनप्रतिनिधियों की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ठंड के इस कठिन समय में जरूरतमंदों को राहत देना एक सामाजिक कर्तव्य है और आगे भी इस तरह के कार्य किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम में अंचलाधिकारी मुकेश कुमार, बीपीआरओ, लोजपा रामविलास पार्टी के प्रदेश महासचिव कमलेश शर्मा, 20 सूत्री अध्यक्ष श्रीकांत शर्मा, समिति सदस्य जयंत यादव और मुन्ना कुमार सहित प्रखंड के अन्य कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा के वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

निज संवाददाता। बोधगया

मगध विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, वैश्विक संस्कृत मंच नई दिल्ली तथा भारतीय शिक्षण मंडल, दक्षिण बिहार प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को "भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक प्रासंगिकता, उसके दार्शनिक आधार और समकालीन विश्व में उसके योगदान पर गहन विमर्श करना रहा।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत, अखिल भारतीय प्रमुख (भारतीय ज्ञान परंपरा), भारतीय शिक्षण मंडल ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व शांति और मानवीय मूल्यों की स्थापना में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन परंपरा केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संतुलित और समृद्ध करने वाली है।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने प्राचीन ऋषि परंपरा, वेद, उपनिषद, आरण्यक और शास्त्रों में निहित ज्ञान को अनुसंधान का आधार बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी मानव जीवन के जटिल प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत करती है।

श्री बोधगया मठ के महंत एवं बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के सदस्य स्वामी विवेकानंद गिरि ने वेद और कठोपनिषद के संदर्भों के माध्यम से जीवन के विविध आयामों की व्याख्या की और आत्मिक उन्नयन की दिशा में भारतीय दर्शन की उपयोगिता को रेखांकित किया। इस अवसर पर डॉ. एकता वर्मा की पुस्तक "योगदर्शन की भास्वती टीका" का विमोचन भी किया गया, जिसे विद्वानों ने शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान बताया।

सम्मेलन में डॉ. राणा पुरुषोत्तम सिंह, सह-प्रमुख भारतीय शिक्षण मंडल एवं आचार्य, नव नालंदा विहार, डॉ. राजेश कुमार मिश्र, महासचिव वैश्विक संस्कृत मंच तथा डॉ. मृत्युंजय झा, अध्यक्ष बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड ने भारतीय ज्ञान परंपरा को एकीकृत भारत के निर्माण की आधारशिला बताया और इसके सामाजिक व शैक्षणिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में मगध विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. बी. आर. के. सिन्हा ने नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसी प्राचीन ज्ञान परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास और संरक्षण में बिहार की केंद्रीय भूमिका रही है। उन्होंने इसे वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया।

मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. पी. शाही के संरक्षण में संस्कृत विभाग द्वारा इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. एकता वर्मा एवं सह-आयोजन सचिव डॉ. ममता मेहरा, सहायक आचार्य संस्कृत विभाग ने किया। सम्मेलन में डॉ. मुनेश्वर, डॉ. जावेद अंजुम, डॉ. प्रियंवदा, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. प्रियंका तिवारी, डॉ. कविता, डॉ. दीपशिखा पांडे, डॉ. जियाउल्लाह अनवर, डॉ. राहुल कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर सह-आयोजन सचिव डॉ. विनय कुमार तिवारी ने सभी अतिथियों, विद्वानों और प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की जानकारी बिहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के महासचिव डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने दी।

वजीरगंज में जनकल्याणकारी योजनाओं पर एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता। गयाजी

केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय पटना के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय गया द्वारा शुक्रवार को वजीरगंज स्थित श्री रामानुग्रह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार की विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों और विद्यार्थियों तक पहुँचाना तथा "विकसित भारत @ 2047" के संकल्प को साकार करने हेतु जनभागीदारी को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसमें क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा ने युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए विकसित भारत की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सरकारी योजनाओं की प्रभावी पहुँच के माध्यम से ही एक आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। इस अवसर पर नगर पंचायत वजीरगंज के अध्यक्ष प्रतिनिधि अमर शंकर ने स्थानीय स्तर पर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और नागरिक सहभागिता की अहम भूमिका पर बल दिया। समाजसेवी एवं पैक्स अध्यक्ष अभय कुमार ने ग्रामीण विकास, किसानों के सशक्तिकरण और सहकारी प्रयासों को विकसित भारत की मजबूत नींव बताया। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है और इसके लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अमरनाथ सिंह ने केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा वजीरगंज जैसे क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हैं और उन्हें अध्ययन, अनुशासन तथा समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। समाजसेवी एवं शोधकर्ता ई. कुंदन कुमार ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक चेतना को विकसित भारत के प्रमुख स्तंभ बताते हुए इन क्षेत्रों में जनसहभागिता पर जोर दिया। वहीं मंडल अध्यक्ष सतीश कुमार सिन्हा ने बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत योजना सहित केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। जनसंवाद, परिचर्चा और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। पूर्व-जागरूकता अभियान के तहत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सीबीसी पटना द्वारा कप देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को रोचक बनाते हुए भारत सरकार के पंजीकृत सांस्कृतिक दल शशि फाउंडेशन के कलाकारों ने गीत-संगीत के माध्यम से "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" और दहेज प्रथा उन्मूलन का सशक्त संदेश दिया, जिसे उपस्थितजनों ने सराहा। इस अवसर पर सीबीसी पटना के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा, सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अरविंद कुमार, यंग प्रोफेशनल हर्ष सिन्हा एवं दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को विकसित भारत की संकल्पना से अवगत कराते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन हर्ष सिन्हा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अरविंद कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम "विकसित भारत @ 2047" के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक सार्थक, प्रेरणादायी और जनसहभागिता को सशक्त करने वाला प्रयास सिद्ध हुआ।

टनकुप्पा के प्रथम प्रमुख रामजी यादव की 25वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और स्मरण के साथ मनाई गई

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के टनकुप्पा प्रखंड के प्रथम प्रमुख रहे रामजी यादव की 25वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर प्रखंड मुख्यालय स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, राजद कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने रामजी यादव के संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन और उनके द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए किए गए कार्यों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि रामजी यादव सामाजिक न्याय की राजनीति के मजबूत स्तंभ थे और उन्होंने जनहित के मुद्दों को हमेशा प्राथमिकता दी।

फतेहपुर के पूर्व विधायक अजय पासवान ने कहा कि रामजी यादव जनता दल और बाद में राष्ट्रीय जनता दल के समर्पित कार्यकर्ता रहे। उन्होंने फतेहपुर, टनकुप्पा और बोधगया सहित आसपास के क्षेत्रों में लालू प्रसाद यादव की सामाजिक न्याय की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि टनकुप्पा प्रखंड प्रमुख के रूप में अपने एक वर्ष के कार्यकाल में रामजी यादव ने विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया और आम लोगों की समस्याओं को मजबूती से उठाया।

वक्ताओं ने कहा कि रामजी यादव की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही थी, जिससे कुछ असामाजिक और राजनीतिक तत्व असहज हो गए थे। इसी के चलते 9 जनवरी 2002 को उनकी हत्या कर दी गई। बताया गया कि गया-कोडरमा रेलखंड पर स्टेशन के बीच आसनसोल-गया सवारी ट्रेन में उन्हें गोली मार दी गई थी। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया था। उमेश दास ने अपने संबोधन में कहा कि यदि रामजी यादव आज जीवित होते तो टनकुप्पा प्रखंड का विकास एक नई दिशा में होता। उन्होंने कहा कि रामजी यादव का सपना था कि अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे और सामाजिक समानता कायम हो। श्रद्धांजलि सभा में बिहार प्रदेश मुखिया संघ अध्यक्ष मिथलेश कुमार राय, गया मुखिया संघ अध्यक्ष डब्लू यादव, गया मुखिया संघ सचिव सीताराम यादव, जिला पार्षद रविन्द्र कुमार और श्वेता कुमारी, पूर्व जिला पार्षद नागेन्द्र यादव, विजय यादव सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि रामजी यादव के विचार और संघर्ष आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार, 200 से अधिक लोगों ने रखी समस्याएं

निज संवाददाता। गयाजी

जिलाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 200 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनता दरबार में किसानों, आम नागरिकों और ग्रामीणों की समस्याओं को जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनता दरबार में सबसे अधिक शिकायतें धान खरीद से जुड़ी रहीं। फतेहपुर प्रखंड के पिपरा पंचायत से आए एक आवेदक ने बताया कि उनके गांव के किसानों से अब तक पैक्स द्वारा धान की खरीद नहीं की गई है, जिससे किसानों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मोहनपुर प्रखंड के बहेरी गांव से आए एक अन्य किसान ने आरोप लगाया कि पैक्स द्वारा निर्धारित मात्रा से अधिक प्रति क्विंटल पांच किलोग्राम धान अतिरिक्त लिया जा रहा है और किसानों को सही मूल्य भी नहीं दिया जा रहा है।

धान खरीद से संबंधित इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को मामले की जांच करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि किसानों से धान की खरीद सरकार द्वारा निर्धारित दर और तय मात्रा के अनुसार ही की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों के साथ किसी भी तरह की अनियमितता या शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता दरबार में भूमि से जुड़े मामलों की भी बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आईं। बोधगया प्रखंड के बकरौर गांव के एक आवेदक ने जमाबंदी रद्दीकरण वाद से संबंधित समस्या रखी। उन्होंने बताया कि अपर समाहर्ता के समक्ष सुनवाई के बाद उनकी जमाबंदी रसीद निर्गत होनी शुरू हुई थी, लेकिन बाद में बोधगया अंचलाधिकारी द्वारा इसे दोबारा रद्द कर दिया गया। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए सहायक समाहर्ता को पूरे मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मानपुर प्रखंड के सोहैपुर वार्ड संख्या-10 से आए एक आवेदक ने नल-जल योजना के तहत लंबे समय से जलापूर्ति बंद रहने की शिकायत की। जिलाधिकारी ने इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता को स्थल निरीक्षण कर शीघ्र जलापूर्ति बहाल करने का आदेश दिया।

इसके अलावा जनता दरबार में अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जा, जमाबंदी से जुड़े विवाद, भूमि अधिग्रहण के मुआवजे, आवास योजना सहित कई अन्य मामलों के आवेदन भी प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने इन सभी मामलों पर संबंधित अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त और अपर समाहर्ता (राजस्व) को नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध और निष्पक्ष समाधान करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतकर्ताओं को संतोषजनक समाधान मिलना चाहिए। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति से यह साफ दिखा कि प्रशासन से लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद है।

यूट्यूब देखकर प्रेग्नेंट महिला का ऑपरेशन, मौत

निज संवाददाता। भागलपुर

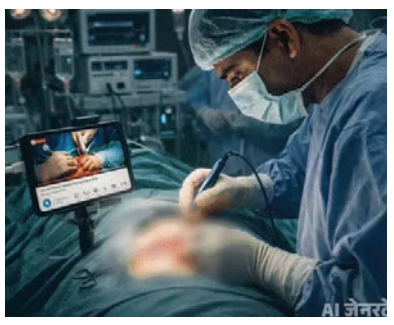

भागलपुर में झोलाछाप डॉक्टर ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर गर्भवती महिला का ऑपरेशन कर दिया। इस दौरान ज्यादा ब्लीडिंग होने से उसकी मौत हो गई। बच्चा सुरक्षित है। मौत के बाद परिजन उग्र हो गए। क्लिनिक के बाहर शव रखकर जमकर हंगामा किया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया गया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मायागंज अस्पताल भेजा दिया गया। मृतका की पहचान स्वाति देवी (31) के तौर पर हुई है। महिला का ससुराल झारखंड के ठाकुरगंटी मोढिया गांव में है। पति रोशन साह मजदूरी करता है। घटना कहलगांव थाना क्षेत्र के एकचारी गांव की है।

आगे पीछे कर के वीडियो देख रहा था डॉक्टर: परिजन राजेश कुमार के मुताबिक गुरुवार रात लेबर पेन के बाद श्रीमठ स्थित एक झोलाछाप डॉक्टर के पास पहुंचे थे। उसने ऑपरेशन करने की बात कही। शुक्रवार को मेरे सामने ही यूट्यूब से वीडियो निकालकर ऑपरेशन की तकनीक को समझा। इसके बाद बिना जरूरी सुविधा के ऑपरेशन शुरू कर दिया। वो वीडियो को बार-बार रिपीट करके देख रहा था। ऑपरेशन के दौरान ही महिला की मौत हो गई, जबकि नवजात सुरक्षित है। डॉक्टर और उनके सहयोगियों ने परिजनों को कहा कि मरीज की हालत ठीक नहीं है। दूसरी जगह लेकर जाइए। इसके बाद अपना क्लिनिक बंद करके चले गए। परिजन राजेश कुमार ने आगे कहा कि अमोद साह के मकान में कई साल से अवैध क्लिनिक चल रहा है। पहले भी यहां मरीज की मौत हो चुकी है। मामला रफा-दफा होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2 साल से रसलपुर निवासी रंजीत मंडल एक महिला और एक पुरुष सहयोगी के साथ क्लिनिक चला रहे हैं।

यूट्यूब देखकर ऑपरेशन करता था डॉक्टर: स्वाति के पति रोशन साह ने बताया कि, पत्नी की डिलीवरी थी। मैं अपने घर पर था और मेरी पत्नी अपनी मायके में थी। पत्नी को गुरुवार की रात क्लिनिक में एडमिट कराया गया तो मुझे जानकारी दी गई थी।सुबह में सूचना मिली कि पत्नी की मौत हो गई है। मैं यहां आया तो पता चला कि मेरा बेटा ठीक है, लेकिन उसकी मां नहीं रही।

झोलाछाप डॉक्टर, क्लिनिक का नाम तक नहीं: झोलाछाप डॉक्टर ने जिस क्लिनिक में महिला की डिलिवरी कराई, उसका नाम तक नहीं है। क्लिनिक के बाहर बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। लाल रंग के पेंट से सिर्फ इमरजेंसी सेवा 24 घंटे उपलब्ध है लिखा है। पेंट से ही लिखे गए कॉन्टैक्ट नंबर को भी दोबारा रंगकर हटा दिया गया है। क्लिनिक के दरवाजे पर मार्कर से फोन नंबर लिखा गया है।

हवाला के तीन लाख रूपये के साथ फारबिसगंज का कारोबारी नेपाल में धराया

निज संवाददाता। अररिया

जोगबनी के चाणक्य चौक से नेपाल प्रवेश किए फारबिसगंज के एक कारोबारी को नेपाल पुलिस ने हवाला के रूपये के कारोबार के आरोप में शुक्रवार को हिरासत में लिया है।जिला पुलिस कार्यलय मोरंग के पुलिस प्रवक्ता सह डीएसपी कोपिला चूड़ाल के अनुसार,भारतीय नम्बर प्लेट के मोटरसाइकल में सवार रहे फारबिसगंज के 55 वर्षीय नन्दलाल बाहेती को तीन लाख तीन हजार नेपाली रूपये के साथ अस्थायी पुलिस पोस्ट मटेरुवा से हिरासत में लिया गया। सब इंस्पेक्टर जोगेंद्र फुन्याल के नेतृत्व में नेपाल पुलिस की टीम शुक्रवार को मटेरुवा हिरासत में लिया।पुलिस प्रवक्ता डीएसपी कोपिला चुडाल के अनुसार जोगबनी से बीआर 38 एए 8306 नम्बर के स्कुटर में विराटनगर वार्ड 17 मे प्रवेश करते हुए हिरासत मे लिया गया, जिसके जांच के उपरांत पेंट के अंदर भाग में छिपाकर रखे गए नेपाली रूपये बरामद होने की बात कही गई है। चुडाल के अनुसार बाहेती के पास से 1 हजार के 300नोट , 5 सौ के चार व एक सौ के 11 नोट बरामद किया गया है।बरामद किए गए 3 लाख 3 हजार 100 रूपये व स्कुटर सहित बाहेती को हिरासत में ले कर इलाका पुलिस कार्यालय रानी मे रखा गया है। बरामद रूपये के स्रोत स्पष्ट नहीं बताने के कारण हिरासत मे लिए गए बाहेती के उपर इलाका पुलिस कार्यालय रानी के इन्स्पेक्टर कविन राई नेतृत्व की टीम आगे की अनुसंधान कर रही है।बरामद रूपये हवाला कारोबार का होने का अनुमान पुलिस का है।

एसबीआई एटीएम मशीन को काटकर नरपतगंज में लाखों की चोरी

निज संवाददाता। अररिया

जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ नाथपुर शाखा के बगल में लगे एटीएम मशीन को शातिराना तरीके अज्ञात चोरों द्वारा काटकर करीबन 18 लाख से ज्यादा रुपये की भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना पर फारबिसगंज डीएसपी मुकेश कुमार साहा नरपतगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार समेत नरपतगंज पुलिस ने मामले में छानबीन की। सुबह बैंक के मैनेजर ने आकर सीसीटीवी फुटेज आदि का जांच किया हालांकि चोरों ने एटीएम मशीन के बाहर तथा अंदर वाली कैमरा पर कलर स्प्रे कर कैमरा को नाकाम कर दिया था। जानकारी के अनुसार एटीएम मशीन से करीब 18 लाख से ज्यादा की भीषण चोरी की घटना होने की बात कही जा रही है। नाथपुर एसबीआई शाखा बैंक मैनेजर ने बताया कि एटीएम मशीन में पैसे डालने का काम एजेंसी करती है। एजेंसी द्वारा जांच करने के बाद ही पता चल सकेगा कि कितने की चोरी की गई है। इस संदर्भ में फारबिसगंज डीएसपी मुकेश कुमार साह ने बताया कि अभी तक मामले में आवेदन नहीं दिया गया है। घटना के सभी बिंदु पर जांच की जा रही है। जल्द ही चोरी की घटना की उद्वेदन करने की बात कही।

मंदार महोत्सव ऑडिशन में 240 बच्चों ने दी प्रस्तुति

- बांका में 12 जनवरी को होगा अंतिम चयन, 14 को होगा आगाज

निज संवाददाता। बांका

बांका के बौसी प्रखंड में 14 जनवरी को होने वाले मंदार महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस महोत्सव के लिए स्कूली बच्चों में भी उत्साह देखा जा रहा है। इसी कड़ी में रजौन प्रखंड के इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय धौनी रजौन में मंदार महोत्सव कार्यक्रम के लिए ऑडिशन आयोजित किया गया। ऑडिशन कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रम समन्वयक कुंदन कुमार बिहार, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश रंजन, संगीत शिक्षक सुशील कुमार, संजीव कुमार, मौसम सिंह और धर्मेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

240 छात्र-छात्राओं ने ऑडिशन में लिया हिस्सा: धोरैया और रजौन प्रखंड क्षेत्र के 40 सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालयों के लगभग 240 छात्र-छात्राओं ने इस ऑडिशन में हिस्सा लिया। बच्चों ने एकल गीत, सामूहिक गीत, एकल नृत्य, सामूहिक गायन और वादन जैसी विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय उच्च विद्यालय धौनी की छात्राओं ने मंदार पर्वत से जुड़े समुद्र मंथन की आकर्षक प्रस्तुति दी। इसमें दर्शाया गया कि कैसे देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्ति के लिए समुद्र मंथन किया था, जिसमें मंदराचल पर्वत का उपयोग किया गया था।

12 जनवरी को होगा फाइनल ऑडिशन: चयनित बाल कलाकारों को 12 जनवरी को मंदार महोत्सव के मुख्य मंच पर अंतिम ऑडिशन देना होगा। इसके बाद अंतिम रूप से चयनित बच्चों को 15 से 17 जनवरी के बीच मंदार महोत्सव के मंच पर अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा। पूर्वी बिहार का सबसे बड़ा मंदार महोत्सव सह मेला का भव्य आगाज 14 जनवरी को होगा। जिला प्रशासन की देखरेख में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।भव्य मेला को लेकर विभिन्न प्रकार के झूले और दुकानें लगने शुरू हो गई है। इस वर्ष मंदार महोत्सव पर 5 दिनों के लिए आयोजित होगी। इसके पूर्व तीन दिनों तक ही मंदार महोत्सव आयोजित होती थी।

वैक्सीन कूरियर कर्मी का हड़ताल

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के पीरपैंती रेफरल अस्पताल में कार्यरत वैक्सीन कूरियर कर्मी शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मियों के कार्य बहिष्कार के कारण टीकाकरण व्यवस्था पर असर पड़ रहा है। कूरियर कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से वैक्सीन की आपूर्ति हेल्थ सब सेंटरों तक नहीं हो पा रही है, जिससे पूरे प्रखंड में टीकाकरण काम बाधित हो सकता है। हड़ताल का नेतृत्व कर रहे वैक्सीन कूरियर कर्मी महेश पासवान ने बताया कि पिछले छह महीने से उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। अस्पताल प्रशासन हर महीने अगले महीने भुगतान का आश्वासन देकर काम करवाता रहा, लेकिन अब तक बकाया राशि नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और स्वास्थ्य विभाग उनके साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। न तो उन्हें 30 दिन का नियमित काम मिलता है और न ही 30 दिनों की मजदूरी दी जाती है।

200 रुपए प्रतिदिन का भुगतान: हड़ताल में शामिल मो. नूर जमा आलम ने बताया कि वर्तमान में 10 किलोमीटर के अंदर वैक्सीन बॉक्स पहुंचाने पर 100 रुपए प्रतिदिन और 10 किलोमीटर से अधिक दूरी पर 200 रुपए प्रतिदिन का भुगतान किया जाता है, जो बेहद कम है। उन्होंने बताया कि पीरपैंती प्रखंड में कुल 39 हेल्थ सब सेंटर हैं, जहां हर महीने औसतन करीब 25 हजार लोगों को विभिन्न प्रकार के टीके लगाए जाते हैं। ऐसे में कूरियर कर्मियों की हड़ताल से हजारों लाभार्थियों को समय पर टीकाकरण नहीं मिल पाने की समस्या हो सकती है। कर्मियों ने बताया कि साल 2005 में 15 वैक्सीन कूरियर कर्मियों की बहाली की गई थी। समय-समय पर मजदूरी बढ़ाने की घोषणा तो की गई, लेकिन बढ़ी हुई राशि का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। इसके साथ ही पहले का बकाया भी लंबित है। कर्मियों की मांग है कि उन्हें 30 दिन का नियमित काम, मजदूरी में बढ़ोतरी और लंबित भुगतान किया जाए, तभी वे हड़ताल खत्म करेंगे।

पारा लुढ़का, न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में कड़ाके ठंड पड़ रही है। फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। सर्द पछिया हवा से ठिठुरन बढ़ गई है। भीषण ठंड, पछिया हवा और प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हालात ऐसे हैं कि दोपहर के समय भी राहत नहीं मिल पा रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस, जबकि अधिकतम तापमान 19 डिग्री के करीब रहा। पारा गिरने से सुबह और शाम के साथ अब दिन में भी कनकनी महसूस की जा रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार जिले में न्यूनतम तापमान लगातार सामान्य से नीचे बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम दर्ज किया जा रहा है। दिन निकलने के बावजूद तेज धूप नहीं निकल पा रही है। ठंडी पछिया हवा चलने से तापमान का असर और तीखा महसूस हो रहा है। लोग दोपहर में भी ऊनी कपड़ों और जैकेट का सहारा लेने को मजबूर हैं।

अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या: ठंड के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी है। AQI लेवल 231 पहुंच गया है, जो खराब श्रेणी में आता है। सुबह के समय धुंध और प्रदूषित हवा की चादर शहर पर छाई रहती है। इससे सांस से जुड़ी परेशानियां बढ़ रही है। बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा दिक्कत हो रही है। अस्पतालों में सर्दी, खांसी, सांस फूलने और आंखों में जलन की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है।

दिहाड़ी मजदूर भी परेशान: मौसम के इस बदले मिजाज का असर बाजार और रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा है। ठंड के कारण सड़कों पर आवाजाही कम नजर आ रही है। रिक्शा चालक, दिहाड़ी मजदूर और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हैं। लोग अलाव जलाकर ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। मौसम विशेषज्ञ ज्ञान शंकर ने बताया कि उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही ठंडी हवाओं और स्थिर वातावरण के कारण ठंड और प्रदूषण का असर फिलहाल बना रहेगा। अगले कुछ दिनों तक तापमान में खास बढ़ोतरी के आसार कम हैं। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। ठंड और प्रदूषण से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें, सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें और जरूरत पड़ने पर मास्क का उपयोग करें। बदलते मौसम के बीच सतर्कता जरूरी है।

बिहार में किसानों को नए साल का तोहफा

निज संवाददाता। बेगूसराय

बिहार के लाखों गन्ना किसानों को सरकार ने नए साल का तोहफा दिया है। नीतीश सरकार ने गन्ने के खरीद मूल्य में 15 से 20 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी करने का फैसला किया है। अब किसानों को गन्ने का दाम 390 रुपए प्रति क्विंटल (अनुदान सहित) तक मिलेगा। बखरी विधायक और गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने विभाग के अधिकारियों-चीनी मिल मालिकों के साथ हुई बैठक के बाद यह बड़ी घोषणा की। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह बढ़ोत्तरी तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी। नई सरकार बनने के बाद इसके लिए 3 बैठक हुई और उसके बाद सहमति बनी, मिल मालिक भी राजी हो गए हैं। गन्ना मंत्री संजय कुमार ने बताया कि मूल्य वृद्धि को लेकर काफी समय से मंथन चल रहा था। यह हमारी तीसरी बैठक थी। इससे पहले दो बैठकों में हमने किसानों के पक्ष को मजबूती से रखा था। चीनी मिल मालिकों के साथ सकारात्मक चर्चा हुई और 20 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी पर सहमति बन गई है। यह किसानों की मेहनत की जीत है।

चालू पेराई सत्र से मिलेगा लाभ: बैठक में गन्ना उद्योग विभाग के प्रधान सचिव के. सेंथिल कुमार और ईख आयुक्त अनिल कुमार झा भी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि बढ़े हुए दामों का लाभ किसानों को बिना किसी देरी के सुनिश्चित कराया जाए। बिहार सरकार गन्ने को तीन श्रेणियों में बांटकर भुगतान करती है और तीनों श्रेणी में इजाफा किया गया है। उत्तम किस्म (Early) के गन्ना का दाम 365 रुपए प्रति क्विंटल के बदले अनुदान सहित 390 रुपए क्विंटल, सामान्य किस्म (General) के लिए 340 रुपए प्रति क्विंटल के बदले 360 रुपए क्विंटल एवं निम्न किस्म (Low) के लिए 310 रुपए प्रति क्विंटल के बदले 330 रुपए क्विंटल की दर से दाम तय किया गया है। मूल्य वृद्धि का लाभ किसानों को अभी चालू पेराई सत्र से ही मिलना शुरू हो जाएगा। बिहार में गन्ना किसान लंबे समय से खाद, बीज, कीटनाशक और डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण दाम बढ़ाने की मांग लगातार कर रहे थे। किसानों का तर्क था कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश और हरियाणा में गन्ने का रेट बिहार से अधिक है।

किसानों को होगा फायदा: मंत्री संजय कुमार ने कहा है कि खेती की बढ़ती लागत को देखते हुए यह फैसला लेना जरूरी था, जिससे किसान गन्ने की खेती से विमुख नहीं हो। इससे बिहार के लाखों गन्ना किसानों की सालाना आय में सीधा इजाफा होगा। दाम बढ़ने से किसान अधिक रकबे में गन्ने की बुआई करेंगे, जिससे बंद पड़ी मिलों को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी। गन्ना मंत्री का कहना है कि हमारी सरकार किसान प्रथम की नीति पर काम कर रही है। हमने न सिर्फ दाम बढ़ाए हैं, बल्कि हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों को तौल में कोई गड़बड़ी नहीं मिले और पैसा सीधे उनके खाते में जाए। इधर, मूल्य वृद्धि की घोषणा से गन्ना उत्पादक किसानों में खुशी का माहौल है।

दोस्त की हत्या करने वाले 2 दोषी

निज संवाददाता। बांका

बांका में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-2) अमित कुमार मनु की अदालत ने दोस्त की हत्या के मामले में दो आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषियों पर 5-5 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड जमा न करने पर उन्हें छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। दोषी करार दिए गए आरोपियों की पहचान विजयनगर निवासी बादल कुमार और राहुल कुमार के रूप में हुई है। यह घटना 29 दिसंबर 2023 को हुई थी।

बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे: अभियोजन पक्ष के अनुसार, बादल और राहुल अपने दोस्त ऋषभ कुमार को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। बाद में उन्होंने ऋषभ की निर्मम हत्या कर दी।

शव को एक पेड़ से लटका दिया था: हत्या के बाद, आरोपियों ने अपराध को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को एक पेड़ से लटका दिया था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की, साक्ष्य जुटाए और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

अभियोजन पक्ष ने आरोपों को संदेह से परे साबित किया: मामले की सुनवाई के दौरान, अभियोजन और बचाव पक्ष ने कई गवाह पेश किए। गवाहों के बयानों, प्रस्तुत साक्ष्यों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष ने आरोपों को संदेह से परे साबित किया है। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि यह अपराध अत्यंत गंभीर प्रकृति का है, जिसमें आरोपियों ने अपने ही मित्र की हत्या की।

अधिवक्ता आनंद देव चौधरी ने दलीलें पेश कीं: इस मामले में सरकार की ओर से लोक अभियोजक जहीर अब्बास ने पैरवी की, जबकि बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता आनंद देव चौधरी ने दलीलें पेश कीं।

संक्षिप्त समाचार

100 दिवसीय अभियान शुरू

बांका। बांका में जिला पदाधिकारी नदी शुक्ला के निर्देश पर बाल विवाह और दहेज प्रथा की रोकथाम के लिए 100 दिवसीय जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास निगम तथा जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन, बांका द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय दक्षिणी कटेली, खाबा में 'सखी वार्ता' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए जेंडर स्पेशलिस्ट महबूब आलम ने बाल विवाह के कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लड़कियों की शादी 18 वर्ष और लड़कों की शादी 21 वर्ष के बाद ही होनी चाहिए। इससे कम उम्र में की गई शादी बाल विवाह मानी जाती है, जो कानूनन अपराध है। महबूब आलम ने बाल विवाह के नकारात्मक प्रभावों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसका शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास पर बुरा असर पड़ता है, खासकर किशोरियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके गंभीर दुष्परिणाम होते हैं। उन्होंने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी। अधिनियम के अनुसार, यदि लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम और लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम है, तो ऐसी शादी को बाल विवाह माना जाएगा।

मौलवी, धर्मगुरु, टेंट वाले सभी दंड के भागीदार: इस तरह के विवाह में शामिल होने वाले वर-वधू पक्ष के अभिभावकों और संबंधियों के साथ-साथ पंडित, मौलवी, धर्मगुरु, टेंट वाले, कैटरर्स, बैंड-बाजा वाले, लाइटिंग वाले, शादी कार्ड छापने वाले और मैरिज हॉल मालिक भी दंड के भागीदार हो सकते हैं।

दोषी पाए जाने पर दो वर्ष तक का कारावास: बारात या समारोह में किसी भी रूप में शामिल सभी व्यक्तियों के लिए कानून में दंड का प्रावधान है। केस वर्कर अंजना भारती ने बताया कि अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर दो वर्ष तक का कारावास, एक लाख रुपए तक का जुर्माना, या दोनों सजाएं हो सकती हैं।

बाल विवाह के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098: उन्होंने छात्राओं और उपस्थित लोगों से अपील की कि यदि कहीं बाल विवाह हो रहा हो, या होने की संभावना हो, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन हेल्पलाइन 112 या महिला हेल्पलाइन 181 पर सूचना दें। इससे समय रहते ऐसी शादियों को रोका जा सकेगा और कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी।

तालाब में मछलियों की मौत

बांका। बांका जिले के सहायक थाना नवादा बाजार क्षेत्र के गोसाई चक गांव में गुरुवार को एक तालाब में अज्ञात कारणों से लगभग 80 क्विंटल मछलियों की मौत हो गई। इस घटना से मछली पालक गुलाब मोहन सिंह को करीब 8 लाख रुपये का भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इतनी बड़ी नुकसान से गरीब मछली पालक काफी सदमे में है। गुलाब मोहन सिंह ने पहली बार मछली पालन का यह कार्य शुरू किया था। उन्होंने अपनी जमीन पर एक बड़ा तालाब खुदवाकर उसमें छोटे आकार की मछलियां डाली थीं और लगातार उनकी देखरेख कर रहे थे। मछलियां अब काफी बड़ी हो चुकी थीं और उन्हें जल्द ही बाजार में बेचने की योजना थी।

मरी हुई मछलियां पानी के ऊपर तैर रही थीं: गुरुवार को जब गुलाब मोहन सिंह मछलियों को दाना देने तालाब पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि सभी मछलियां मरी हुई पानी के ऊपर तैर रही थीं। इस दृश्य को देखकर वे हैरान रह गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

मेहनत और निवेश बर्बाद: मछलियों की मौत के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। गुलाब मोहन सिंह ने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कर्ज लेकर मछली पालन का यह व्यवसाय शुरू किया था। इस हादसे ने उनकी वर्षों की मेहनत और निवेश को बर्बाद कर दिया है।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल: ठंड के कारण मछली के मरने की आशंका जाहिर की जा रही है। इस घटना के बाद मछली पालक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने कहा कि वर्षों की मेहनत पल भर में बर्बाद हो गया।

सरकारी सहायता प्रदान करने की मांग: इस भारी नुकसान से निराश होकर मछली पालक गुलाब मोहन सिंह ने आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, ग्रामीणों ने समय रहते उन्हें समझा-बुझाकर ऐसा कोई भी गलत कदम उठाने से रोका। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित मछली पालक को सरकारी सहायता प्रदान करने की मांग की है। शुक्रवार को मत्स्य विभाग को मछली पालक द्वारा आवेदन दिया जाएगा।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

भागलपुर। भागलपुर में गोरहट्टा चौक के पास एक व्यक्ति का शव मिला है। सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मायागंज भेज दिया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक ठंड से मौत हुई है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र की है।

शिनाख्त में जुटी पुलिस: सिटी डीएसपी-2 राकेश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला ठंड लगने से मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पहचान के लिए आसपास के थानों से संपर्क किया गया है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

नेत्रदानी बृजमोहन अग्रवाल के परिजन को किया गया सम्मानित

अररिया। दधीचि देहदान समिति एवं तेरापंथ चक्षुदान समिति के संयुक्त तत्वावधान में फारबिसगंज सदर रोड निवासी स्वर्गीय बृजमोहन अग्रवाल का नेत्रदान बीते दिनों सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। बृजमोहन अग्रवाल के मरणोपरांत नेत्रदान ने मृत्यु के पश्चात भी दूसरों के जीवन में उजाला भरने का महान कार्य किया गया,जिसको लेकर शुक्रवार को एक सम्मान समारोह आयोजित कर स्व.अग्रवाल के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। मौके पर मुख्य रूप से स्व. बृजमोहन अग्रवाल के सुपुत्र डॉ. अरुण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, डॉ. अनुराग अग्रवाल एवं अमिताभ अग्रवाल को दोनों संस्थाओं की ओर से शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेत्रदान महादान है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो नेत्रहीन व्यक्तियों को दृष्टि मिल सकती है, जिससे न केवल उनका बल्कि उनके पूरे परिवार का जीवन बदल जाता है। यह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है कि मृत्यु के बाद भी मानव सेवा का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। सम्मान समारोह में दधीचि देहदान समिति के संरक्षक बच्चराज राखेचा, जिलाध्यक्ष अजातशत्रु अग्रवाल, सह सचिव राजकुमार लड्ढा, अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल, अरविंद गोयल, अग्रवाल युवा मंच के अध्यक्ष सौरव अग्रवाल, माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष श्याम माहेश्वरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संस्थाओं ने स्वर्गीय बृजमोहन अग्रवाल एवं उनके परिवार के इस अनुकरणीय निर्णय की सराहना करते हुए समाज के अन्य लोगों से भी नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक नेत्रहीन व्यक्तियों को नई रोशनी मिल सके।

ठंड से निजात के लिए जोगबनी नगर परिषद की अलाव की नई व्यवस्था

अररिया। पूरे बिहार सहित अररिया जिला में कड़ाके की ठंड पड़ रही है । ठंड के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है और लोग ठंड से निजात के लिए गर्म कपड़ों या फिर अलाव की व्यवस्था कर शरीर के तापमान को बनाए रखने की कवायद में जुटे हैं।जिला प्रशासन के निर्देश पर शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय और ग्रामीण क्षेत्रों में बीडीओ सीओ के माध्यम से ठंड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था की गई है।जिला प्रशासन के निर्देश पर विभिन्न चौक चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर अलाव लगवाया जा रहा है। दूसरी ओर जोगबनी नगर परिषद की ओर से इलेक्ट्रिक और गैस से चलने वाले हीटर विभिन्न चौक चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए हैं।विशेष प्रकार के लंबे हीटर पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और जानकार बताते हैं कि एक ओर जहां यह हीटर ज्यादा ताप दे रहा है,वहीं दूसरी ओर पर्यावरण को भी प्रदूषित होने से बचा रहा है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

एसआईआर पर क्या होना चाहिए, आम लोगों को पूरा मौका मिले

कई राजनीतिक विवाद और तारीखें बढ़ने के बाद आखिरकार यूपी में स्पेशल इंटेशिव रिविजन (एसआईआर) का ड्राफ्ट रोल जारी हो गया। चुनाव आयोग ने बताया है कि पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं इसका अंदाजा पहले से ही था। अभी तक जिन 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट लिस्ट आई है, वहां कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम कटे हैं। ड्राफ्ट लिस्ट फाइनल नहीं होती। लोगों के पास दावे और आपत्तियों के लिए अब भी मौका है, लेकिन यह प्रक्रिया सरल और आम नागरिकों की सुविधा का ख्याल रखने वाली होनी चाहिए। पहले चरण में 2.89 करोड़ नाम कटे- बिहार में एसआईआर को अंजाम दिया गया था। वहां जारी शुरुआती लिस्ट में 65 लाख नाम कटे थे, जिसे लेकर काफी हंगामा मचा था। जब लिस्ट रिवाइज की गई, तो 17.9 लाख वोटर्स और बढ़ गए। ऐसा ही बदलाव यूपी और उन राज्यों में भी देखने को मिल सकता है, जहां आपत्तियां ली जा रही है या अब ली जाएंगी। चुनाव से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया होने के बावजूद एसआईआर को लेकर कई विवाद चलते रहे हैं। दुर्भाग्य से दूसरे चरण में जिन राज्यों में ड्राफ्ट रोल आ चुका है, वहां भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे। खासकर बंगाल में सबसे ज्यादा असंतोष है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब एसआईआर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर पर सवाल उठाए हैं। उनकी पार्टी टीएमसी उन वोटर्स की मैपिंग में भी गड़बड़ी बता रही है, जिनके नाम लिस्ट में नहीं हैं। चुनाव आयोग ने डेटा जारी कर बताया है कि इन नामों को किन-किन वजहों से काटा गया। यह स्पष्टीकरण अच्छी बात है, लेकिन जिनके नाम नहीं है, उन्हें उनके मताधिकार को हासिल करने के लिए हरसंभव मदद की जानी चाहिए। इसमें राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे दावे-आपत्तियां दाखिल कराने, नाम चेक करने में आम लोगों की मदद करें। बिहार एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी जताई थी और पूछा था कि पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं व जनता के बीच इतनी दूरी क्यों है। लगभग 21 साल पहले हुए स्क्रूक्र की यादें भी अब धुंधली है, क्योंकि तब इतना शोर नहीं मचा था। शायद इसकी वजह बदली राजनीतिक परिस्थितियां है। अब यह शोर चुनावी उत्सव पर भारी न पड़े, जनता का सिस्टम पर से भरोसा न कम हो - इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है।

रेल में सोने की लूट और जांच का धोखा

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो यह व्यवस्था में एक गहरी और चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। इससे आमजन में असुरक्षा, निराशा और अविश्वास की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। अगर कानून व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाले ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने लगें, तो सुरक्षा और न्याय की उम्मीद किससे की जाए! बिहार में एक ऐसी ही चौंका देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपए के सोने की लूट की जांच कर रहा राजकीय रेलवे पुलिस का अधिकारी ही मामले में संलिप्त पाया गया। इस बात का खुलासा तब हुआ, जब पटना रेलवे पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच दल ने गहन तहकीकात की। हैरत की बात है कि जिस अधिकारी को रेल में सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई थी, वही अपराधियों की जमात में खड़ा पाया गया। ऐसे में यह सवाल और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि व्यवस्था में पनप रहे इस तरह के भ्रष्टाचार और अपराध के दरख्तों को खाद-पानी कहां से मिल रहा है? गौरतलब है कि कोलकाता स्थित एक स्वर्ण कारोबारी के कर्मचारी ने बिहार के गया रेल थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि गत वर्ष नवंबर में हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस रेल में यात्रा के दौरान गया स्टेशन पर पुलिस वर्दी में चार लोग ट्रेन में सवार हुए।

दुनियाभर में अपना लट्ठ गाड़ने पर क्यों तुले हैं 'चौधरी' ट्रंप?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पूरी दुनिया को चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि क्यूबा आर्थिक रूप से टूटने के कगार पर है, ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है और अगर ईरान में सरकार ने जनता पर दमन तेज किया तो अमेरिका कड़ा जवाब देगा। यही नहीं वेनेजुएला की राजधानी पर अमेरिकी हमले को लेकर उन्होंने खुले तौर पर कहा कि हम ही प्रभारी हैं और यह अभियान शांति के लिए था। कोलंबिया को भी ट्रंप ने चेतावनी दी है और भारत को भी रूसी तेल खरीदने पर शुल्क बढ़ाने की धमकी दी है। देखा जाये तो ट्रंप के इन बयानों और कार्रवाइयों ने अमेरिका की आक्रामक विदेश नीति को फिर उजागर कर दिया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में भी वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई की वैधता पर बहस तेज हो गई है और दुनिया एक बार फिर दो ध्रुवों में बंटती दिख रही है।

(नीरज कुमार दुबे)

क्यूबा पर ट्रंप का बयान यह दिखाता है कि अमेरिका अब भी शीत युद्ध की मानसिकता से बाहर नहीं आया है। क्यूबा को कमजोर बताकर वह यह संकेत देना चाहते हैं कि वेनेजुएला से उसका आर्थिक सहारा टूट चुका है और अब दबाव डालने का सही समय है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पूरी दुनिया को चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि क्यूबा आर्थिक रूप से टूटने के कगार पर है, ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है और अगर ईरान में सरकार ने जनता पर दमन तेज किया तो अमेरिका कड़ा जवाब देगा। यही नहीं वेनेजुएला की राजधानी पर अमेरिकी हमले को लेकर उन्होंने खुले तौर पर कहा कि हम ही प्रभारी हैं और यह अभियान शांति के लिए था। कोलंबिया को भी ट्रंप ने चेतावनी दी है और भारत को भी रूसी तेल खरीदने पर शुल्क बढ़ाने की धमकी दी है। देखा जाये तो ट्रंप के इन बयानों और कार्रवाइयों ने अमेरिका की आक्रामक विदेश नीति को फिर उजागर कर दिया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र में भी वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई की वैधता पर बहस तेज हो गई है और दुनिया एक बार फिर दो ध्रुवों में बंटती दिख रही है। अमेरिका यह दावा कर रहा है कि उसने अपराधी को पकड़ा है। लेकिन सवाल यह है कि अपराध तय करने का अधिकार किसने दिया। क्या दुनिया में केवल एक ही देश न्यायाधीश है। क्या लोकतंत्र की परिभाषा अब बंदूक की नली से तय होगी। अगर यही नियम है, तो कल किसी और देश की बारी भी आ सकती है। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि दुनिया एक खतरनाक मोड़ पर खड़ी है। जहां ताकतवर देश खुलेआम कमजोर देशों की सरकारें गिराने लगे हैं। आज मादुरो जेल में है। कल कोई और होगा। सवाल यह नहीं कि मादुरो सही था या गलत। सवाल यह है कि क्या दुनिया अब बंदूक के कानून से चलेगी। अगर इसका जवाब हां है, तो यह केवल वेनेजुएला की हार नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था की हार होगी। यह भी साफ दिख रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति अब धमकी की भाषा बोल रही है। वह हर मंच से खुद को शांति दूत बताने की कोशिश करते हैं लेकिन उनके कदम लगातार युद्ध और हस्तक्षेप की ओर बढ़ते दिखते हैं। क्यूबा, कोलंबिया और ग्रीनलैंड को लेकर उनकी ताजा धमकियां उस सोच का हिस्सा हैं जिसमें अमेरिका खुद को पूरी दुनिया का निर्णायक मानता है।

क्यूबा पर ट्रंप का बयान यह दिखाता है कि अमेरिका अब भी शीत युद्ध की मानसिकता से बाहर नहीं आया है। क्यूबा को कमजोर बताकर वह यह संकेत देना चाहते हैं कि वेनेजुएला से उसका आर्थिक सहारा टूट चुका है और अब दबाव डालने का सही समय है। अमेरिका के लिए क्यूबा सिर्फ एक द्वीप नहीं बल्कि वैचारिक चुनौती रहा है। अगर अमेरिका क्यूबा पर सीधे हमले की कोशिश करता है तो यह लैटिन अमेरिका में भारी अस्थिरता ला सकता है। इससे अमेरिका विरोधी भावनाएं और तेज होंगी और रूस तथा चीन को दखल का नया मौका मिलेगा।

वहीं, ट्रंप का कोलंबिया को धमकी देना बताता है कि अमेरिका अब अपने पुराने सहयोगियों को भी नहीं बख्श रहा। वेनेजुएला प्रकरण के बाद लैटिन अमेरिका में हालात पहले ही तनावपूर्ण हैं। कई देश अमेरिकी दबाव से थक चुके हैं। वेनेजुएला पर हमले को क्षेत्र के कई देशों ने संप्रभुता पर हमला माना है। अमेरिका पहले भी चिली, निकारागुआ और पनामा जैसे देशों में दखल देता रहा है। कभी तख्तापलट के जरिए तो कभी आर्थिक प्रतिबंधों से। आज भी वही नीति नए शब्दों में लौट आई है।

दूसरी ओर, ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का बयान दरअसल आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दिखाता है। ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए सामरिक दृष्टि से अहम है। यहां से रूस और चीन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। लेकिन किसी क्षेत्र को जरूरत बताकर हथियाने की सोच उपनिवेशवादी मानसिकता का उदाहरण है। अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर दबाव बढ़ाता है तो यह यूरोप और नाटो के भीतर भी दरार पैदा कर सकता है।

वहीं ईरान को लेकर ट्रंप की चेतावनी यह दिखाती है कि अमेरिका खुद को विश्व का पुलिसमैन मानता है। ईरान के आंतरिक मामलों में इस तरह की धमकी अंतरराष्ट्रीय कानून की अवहेलना है। यह संदेश दिया जा रहा है कि जो भी सरकार अमेरिका की लाइन से हटेगी उसे बल प्रयोग से सुधारा जाएगा। इससे पश्चिम एशिया में पहले से जारी तनाव और भड़क सकता है। उधर, भारत के साथ अमेरिका के रणनीतिक संबंधों के बावजूद ट्रंप की धमकियां बताती हैं कि उनकी दोस्ती भी शर्तों पर टिकी है। भारत को रूसी तेल खरीदने पर चेतावनी देकर वह यह साबित करना चाहते हैं कि अमेरिकी हित सर्वोपरि हैं। यह दबाव नीति भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को चुनौती देती है और बताती है कि अमेरिका साझेदारी को बराबरी का नहीं बल्कि नियंत्रण का जरिया मानता है। हम आपको यह भी बता दें कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले को दुनिया ने अलग-अलग नजर से देखा है। वेनेजुएला का कहना है कि यह सीधी आक्रामकता है जबकि अमेरिका इसे शांति अभियान बता रहा है। वहीं संयुक्त राष्ट्र में इस कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठे हैं। कई देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कहा है। इस हमले ने दुनिया को दो हिस्सों में बांट दिया है। एक तरफ अमेरिका और उसके समर्थक हैं तो दूसरी तरफ वह देश हैं जो संप्रभुता और बहुपक्षीय व्यवस्था की बात कर रहे हैं।

इसके अलावा, वेनेजुएला के बाद लैटिन अमेरिका में अमेरिका विरोधी भावना और मजबूत हुई है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका आज भी मोनरो सिद्धांत के नाम पर पूरे महाद्वीप को अपना हिस्सा मानता है। ट्रंप ने खुद कहा कि यह हमारा गोलार्ध है। यह बयान साफ करता है कि अमेरिका अब भी क्षेत्रीय वर्चस्व की पुरानी सोच से बाहर नहीं निकला है।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो नेता रोज शांति की बात करता है और नोबेल शांति पुरस्कार पर अपना दावा करता है वही युद्ध क्यों छेड़ता जा रहा है? इसका जवाब ट्रंप की घरेलू राजनीति में छिपा है। दरअसल आक्रामक राष्ट्रवाद उनके समर्थकों को जोश देता है।

जीवन धारा- भाग्य से प्रेम करने का साहस रखें...

(पवन पांडेय)

हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानें। यह स्वीकृति आपको गुलाम नहीं बनाती, बल्कि आपको मुक्त करती है। तब आप भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हैं।जीवन अक्सर हमारी योजनाओं के अनुसार नहीं चलता। वह अपनी ही लय में चलता है-कभी हमें ऊंचाइयों पर ले जाता है, कभी गहराइयों में धकेल देता है। इसमें पीड़ा है, असफलताएं हैं, अपमान है और ऐसे क्षण भी आते हैं, जब लगता है कि पूरा संसार हमारे विरुद्ध खड़ा हो गया है। लेकिन यहीं से जीवन का एक गहरा और क्रांतिकारी सत्य प्रकट होता है- सच्ची शक्ति परिस्थितियों को बदलने में नहीं, बल्कि उन्हें पूरे हृदय से स्वीकार करने और उनसे प्रेम करने में है। यही है अमोर फाति, यानी अपने भाग्य से प्रेम करना।

अमोर फाति का अर्थ समर्पण नहीं, बल्कि स्वीकृति है। यह कहना नहीं कि 'मुझे सहना ही होगा', बल्कि यह कहना है कि मैं इसे चाहता हूं। जो घट रहा है, वह केवल सहने योग्य नहीं, बल्कि आवश्यक है। यह दृष्टि जीवन को युद्धभूमि नहीं, बल्कि आत्म-निर्माण की प्रयोगशाला मानती है। जो तुम्हें तोड़ता है, वही तुम्हें गढ़ता है। जो तुम्हें चोट पहुंचाता है, वही तुम्हें गहराई देता है। बुरी चीजों को भी सुंदर देखना सीखो। तब तुम उन लोगों में से एक बन जाओगे, जो स्वयं चीजों को सुंदर बना देते हैं। बीमारी, हानि, तिरस्कार-ये कोई अभिशाप नहीं, बल्कि भाग्य के उपहार हैं। इनके विरुद्ध युद्ध मत छेड़ो। जो तुम्हारे हिस्से आया है, उसे गले लगाओ। भाग्य से लड़ने वाला थक जाता है, लेकिन भाग्य से प्रेम करने वाला शक्तिशाली हो जाता है।

स्वयं से एक कठोर प्रश्न पूछो-यदि यही जीवन, जैसा है, हर आनंद और हर पीड़ा के साथ, अनंत बार दोहराया जाए, तो क्या तुम इसे फिर भी 'हां' कहोगे? या स्वीकारोगे? यही अमोर फाति की अंतिम परीक्षा है। महान वही है, जो कह सके कि कुछ भी अलग नहीं होना चाहिए। अतीत को दोष मत दो, वर्तमान को कोसो मत। हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानो। यह स्वीकृति तुम्हें गुलाम नहीं बनाती, बल्कि यह तुम्हें मुक्त करती है। तब तुम भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हो। यही स्वतंत्र आत्मा की पहचान है।अमोर फाति निष्क्रियता नहीं सिखाता। यह सक्रिय, साहसी और रचनात्मक स्वीकृति है। जब कोई रिश्ता टूटे, तो उसे पतन नहीं, विकास का द्वार समझो। जब जीवन तुम्हें चुनौती दे, तो उसे अवसर मानो-स्वयं को और ऊंचा उठाने का अवसर। खुद को 'हां' कहने वाला बनाओ। हर सुबह यह संकल्प लो कि आज जो भी आएगा, मैं उसका स्वागत करूंगा। दर्द आए, तो पूछो कि यह मुझे क्या मजबूत बना रहा है? सफलता मिले, तो कृतज्ञ बनो और उसे भाग्य का वरदान मानो। ऐसी मनोवृत्ति चिंता को जला देती है, भय को निष्प्रभावी कर देती है। तब तुम जीवन के साधारण पात्र नहीं रहते, तुम उसके नायक बन जाते हो।

आज का राशिफल

मेष

आज जीवनसाथी से किसी भी बात को छिपाने से बचना चाहिए। ऐसे में सायंकाल के बाद घर परिवार में कटुता व्याप्त हो सकती है। आपकी मनोदशा में तनाव से मुक्ति मिलेगी। यदि आप किसी प्रेम प्यार के दायरे का खुलासा करते हैं तो पारिवारिक वातावरण अशांत हो सकता है।

वृष

आज आपका कामकाज अच्छा चलेगा। आप अपनी सभी गतिविधियों को जरूरत के मुताबिक संचालित करने में सफल रहेंगे। संगी साथी आपको मदद देने के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन उन पर पूरी तरह विश्वास कर लेना आपके लिए खतरे से खाली नहीं होगा।

मिथुन

आज करियर में बदलाव लाने की कोशिश बेकार जाएगी। ग्रह दशा बता रही है कि अभी परिस्थिति ठीक नहीं हैं। किसी भी काम में हाथ डालने से पहले अपने हम सफर से सलाह जरूर ले लें।

कर्क

आज के दिन किसी नए प्रोजेक्ट पर आपका ध्यान आकर्षित हो सकता है। इस क्षेत्र में कुछ पुराने मित्रों से आर्थिक सपोर्ट भी आपको मिलता दिख रहा है। अगर किसी की सहायता करेंगे तो आपको भी कुछ आर्थिक लाभ हो सकता है।

सिंह

आज सैर सपाटे की योजना बन सकती है। ऐसे में यात्रा के लिए आपको कुछ तैयारी करनी पड़ेगी। समय रहते कुछ अधूरे काम भी आपको पूरे करने होंगे। दोपहर के बाद भागदौड़ अधिक हो सकती है। ऐसे में जल्दबाजी के चक्कर में कोई भूल भी हो सकती है। सावधान रहें।

कन्या

आज शारीरिक शिथिलता और अस्वस्थता खत्म होगी। आपके द्वारा किए गए उपाय का अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा। छोटे सदस्य या संतान की ओर से भी अच्छा समाचार मिलेगा। वस्त्र आदि का लाभ हो सकता है।

तुला

आज यदि आप किसी काम के लिए संकल्प लेंगे तो वह कार्य पूर्ण करके ही दम लेंगे। किसी के एडमिशन या फिर यात्रा आदि से संबंधित कोई व्यवस्था करनी पड़ सकती है। किसी जरूरी वस्तु की खरीद करनी पड़ेगी। अटका हुआ पैसा भी निकालने में आप सफल रहेंगे।

वृश्चिक

मित्रों के लिए कुछ धन की भी व्यवस्था करनी पड़ सकती है। यदि आप किसी एग्जाम परीक्षा के लिए तैयारी करना चाहते हैं तो फिर अपने घर के साधन भी व्यवस्थित करने होंगे। घर के वरिष्ठ सदस्य से टकराव मोल लेना आपके हित में नहीं होगा।

मकर

आज किसी खास सदस्य के खराब स्वास्थ्य के कारण घर परिवार का वातावरण कुछ परेशान करने वाला रहेगा। तनाव से उबरने का रास्ता यहीं है कि आज आप किसी मनोरंजक यात्रा पर निकल पड़ें। यदि आपके पास वाहन आदि नहीं भी हो तो सार्वजनिक वाहन का फायदा उठाया जा सकता है।

कुंभ

आज आप कुछ मायूसी के मूड में रहेंगे। विपरीत हालातों से मन को व्यथा होगी। युवा वर्ग को दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम संबंधों को लेकर शिकायत रहेगी। ऐसे में जीवन साथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा। कुछ जरूरी खर्चे भी सामने आएंगे। बुजुर्गों का सहयोग कुछ हद तक माहौल को ठीक करने में सहायक होगा।

धनु

आज अपने बिजनेस या प्रोस्पेक्टस को सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाना पड़ेगा। आर्थिक क्षेत्र में अभी ज्यादा भागदौड़ देखने को नहीं मिलेगा। हल्की फुल्की देनदारियां चुकाने का समय है। हालांकि, इससे आपके कोष में कमी नहीं आएगी। परिजनों की कुछ मांग पूरी करनी पड़ सकती है।

मीन

आज कार्यक्षेत्र के वातावरण में सुधार होगा। कठोर प्रकृति का व्यक्ति नज़रों से दूर रहेगा और वातावरण में हल्कापन और मनोरंजन का रंग छाया रहेगा। किसी सहकर्मी या बॉस के द्वारा पार्टी देने से और भी चहल पहल बढ़ेगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5969

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5968

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7

वर्ग पहेली 5969

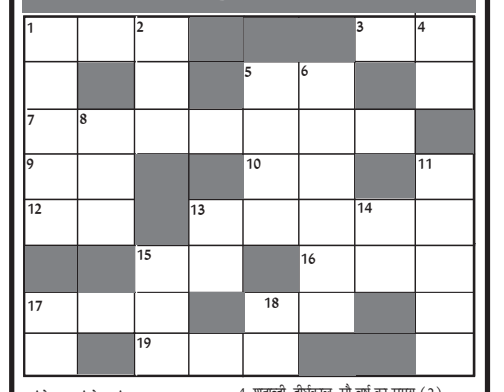

संकेत: बाएं से दाएं
1. 16 मई 2010 को वेस्टइंडीज में आयोजित 20-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को इस देश ने हराकर विश्व कप जीता (3)
3. रूबल मुद्रा इस देश में प्रचलित है (2)
5. मित्र, दोस्त, संगी (2)
7. भारत में 14 वें राष्ट्रपति के रूप में इन्हें निर्वाचित किया गया (7)
9. कटी फसल का ढेर, छोटा ढेर (2)
10. एक श्लोक का चर्तुथांश, योग्यतानुसार दिया गया ओहदा, पदवी (2)
12. अप्रबल, उत्साहीन, मंदस्वरीय (2)
13. यह पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक देश है, इस शब्द का अर्थ लडाकू राजा है (2)
14. नैवेद्य, भोग्य वस्तु (2)
15. पुत्र, बेटा (2)
16. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश (3)
17. गीत गाने या बोलने का ढंग (2)
18. आखेट चारा, कण, अनाज (2)
19. पढ़ाना, सिखाना, दीक्षा, गुरूमंत्र (3)

ऊपर से नीचे
1. 1971 में इन्हें भारतरत्न से नवाजा गया (5)
2. पतन होना, भरा जाना (3)
4. शताब्दी, दीर्घकाल, सौ वर्ष का समय (2)
5. मान करना, कोपना, रूठना (4)
6. शोहर, पति, स्वामी (3)
8. अव्यवस्थत समूह, हुजुर (3)
11. प्रसिद्ध क्रांतिकारी जिन्हें 23 मार्च 1931 को लाहोर में फांसी दे दी गई (5)
13. गुणनफल, उपयुक्त अवसर, अहित (2)
14. सुबह, प्रभात, सवेरा (2)
15. निर्देशक बिमल राय की 1959 की फिल्म जिसमें सुनीलदत्त व नूतन की जोड़ी थी (3)
16. अच्छा लगना, पसंद आना, शोभान्वित होना (2)
17. प्रेम, प्यार, (अंग्रेजी) (2)
18. मूल्य, कीमत (2)

वर्ग पहेली 5968 का हल

कु	वै	त		सु	ख	दे	व
रा	त	प	ड़	ना		ना	च
न	र			ई	श		न
	णी		आ	दे	श		
ब		आ		ना	क	त	क
सा	म	वे	द			ह	ल
व		श	ल	भ		जी	प
ट	न		ना		दा	ब	ना

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

संक्षिप्त समाचार

धोखाधड़ी मामले के फरार आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

जमशेदपुर, एजेंसी। परसुडीह पुलिस ने करीब 10 लाख रुपये का गबन करने और धमकी देने के मामले में फरार आरोपी अनूप कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। परसुडीह पुलिस ने करीब 10 लाख रुपये का गबन करने और धमकी देने के मामले में फरार आरोपी अनूप कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ करने के बाद पुलिस ने उसे गुरुवार को जेल भेज दिया। मामला वर्ष 2022 का है। अनूप सिंह जोजोबेड़ा स्थित नीलकंठ अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 21 का निवासी है। बुधवार की देर रात को पुलिस को सूचना मिली थी कि वह अपने घर के पास घूम रहा है इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले के एक अन्य अभियुक्त को कोर्ट से पूर्व में जमानत मिल गयी है। पुलिस ने बताया कि अनूप कुमार सिंह कंपनी खोलने के नाम पर अपने परिचित से रुपये लिया था। उसके बाद वह रुपये गबन कर फरार हो गया। पैसा मांगने पर वह धमकी देने लगा। जिसके बाद परसुडीह थाना में केस दर्ज कराया गया था। केस दर्ज होने के करीब चार साल बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

सोमा मुंडा के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार कर सजा देने की मांग

जमशेदपुर, एजेंसी। बालीगुमा में झारखंड जनतांत्रिक महासभा की ओर से खूंटी में हुए सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में एक बैठक की गयी। महासभा ने सोमा मुंडा की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की। बालीगुमा में झारखंड जनतांत्रिक महासभा की ओर से खूंटी में हुए सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में एक बैठक की गयी। महासभा ने सोमा मुंडा की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की। महासभा ने सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में आहूत खूंटी बंद समर्थन किया और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। इस दौरान झारखंड जनतांत्रिक महासभा के कृष्णा लोहार ने कहा कि यह हत्या केवल एक व्यक्ति को समाप्त करने की साजिश नहीं है, बल्कि यह झारखंडी समाज की अस्मिता, उसके संवैधानिक अधिकारों तथा जल-जंगल व जमीन की रक्षा के लिए चल रहे लोकतांत्रिक संघर्ष को कुचलने का एक सुनियोजित प्रयास है। सोमा मुंडा 22 गांवों के साझा जनभावनाओं के प्रतिनिधि स्वर के रूप में पहचाने जाते थे। इस हत्या को एक गहरी राजनीतिक और सामाजिक साजिश के रूप में देखा जाना चाहिए। अन्य वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार और प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो महासभा राज्यव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

युवा ज्ञान समागम में केबी कॉलेज बेरमो के दो विद्यार्थी करेंगे प्रतिनिधित्व

कथारा, एजेंसी। पर्यटन, कला संस्कृति, खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा 17 एवं 18 जनवरी को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम में दो दिवसीय युवा ज्ञान समागम होगा। इसमें केबी कॉलेज बेरमो के दो छात्र-छात्राएं बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी धनबाद का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी गुरुवार को केबी कॉलेज बेरमो के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रभाकर कुमार ने दी। बताया कि राज्य के विश्वविद्यालयों से 30 से अधिक सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी समागम में होने वाले वाद विवाद एवं क्विज में हिस्सा लेंगे। बताया कि केबी कॉलेज बेरमो से जंतु शास्त्र विभाग की छात्रा रोशनी दत्ता एवं भौतिकी विभाग के शिव शंभु कुमार भारती का नाम इसमें शामिल है। युवा ज्ञान समागम में कॉलेज के दो विद्यार्थियों के प्रतिनिधित्व करने पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो लक्ष्मी नारायण राय, प्रो इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति, डॉ अरुण कुमार राय महतो, डॉ अलीशा वंदना लकड़ा, डॉ साजन भारती, डॉ नीला पूर्णिमा तिर्की, डॉ मधुरा केरकेट्टा, शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के रवींद्र कुमार दास, सदन राम आदि ने खुशी जतायी है।

घर में रखे बिस्कुट खाये और फ्रिज खोल अंडे भी ले गये

धनबाद, एजेंसी। धनबाद थाना क्षेत्र के बेकारबांध में एसएनएमएमसीएच से रिटायर्ड डॉ ताज के घर से गुरुवार को दिनदहाड़े करीब 40 हजार रुपये नकद समेत हजारों की संपत्ति चोरी कर ली गयी। घटना सीसीटीवी कैद हो गयी है। इसकी सूचना मिलते ही डॉ ताज ने धनबाद थाना की पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहुंच कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज में तीन-चार नाबालिग बच्चे डॉक्टर के घर में घूसते और निकलते दिख रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर बच्चों की पहचान में जुटी है। गृहस्वामी डॉ ताज ने बताया कि पूर्वाह्न सवा 11 बजे वह अपनी पत्नी के साथ पुराना बाजार गये थे। अपराह्न साढ़े तीन बजे घर पहुंचे, तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। अंदर कमरे में अलमारी का ताला टूटा था। सामान बिखरे पड़े थे। चोरों ने लगभग 40 हजार रुपये व अन्य कीमती सामान चोरी कर ली। चोरों ने घर में रखे बिस्कुट खाये और अंडे भी अपने साथ ले गये। इधर, पुलिस ने बताया कि घर का ताला तोड़ने का कोई निशान नहीं मिला है और न ही टूटा हुआ ताला मिला है। डॉ ताज वर्ष 2002 में एसएनएमएमसीएच से रिटायर हुए हैं। वर्तमान में पुराना बाजार में अपने क्लिनिक का संचालन करते हैं। कुछ साल पहले उनके घर में डकैती भी हुई थी।

न नि चुनाव में उतरने को कांग्रेस तैयार

सहयोगी दलों के साथ मिलकर सभी शहरी निकाय क्षेत्र में जीत का दावा

रांची, एजेंसी। एसआईआर की वजह से झारखंड में होनेवाले शहरी निकाय चुनाव को लेकर उधेड़बुन की स्थिति को आज राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा लगभग समाप्त कर दिए जाने से झारखंड कांग्रेस उत्साहित है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि झारखंड कांग्रेस शहरी निकाय चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार है।

दलीय आधार पर चुनाव नहीं होने के बावजूद झारखंड कांग्रेस के प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि पार्टी की ओर से निकाय चुनाव को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही अपने सहयोगी और समान विचारधारा वाले दलों के नेताओं के साथ एक बैठक कर आपसी सामंजस्य बनाने की कोशिश कांग्रेस करेगी, ताकि दलीय आधार पर चुनाव नहीं होने के बावजूद बड़ी संख्या में कांग्रेस और महागठबंधन की विचारधारा वाले प्रत्याशी चुनाव जीत कर वार्ड पार्षद, मेयर, डिप्टी मेयर, नगर परिषद/नगर पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनें।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ने सोनाल शांति उर्फ रिंकू तिवारी ने कहा कि पार्टी एक साल से निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटी थी। जिला स्तर पर कमेटी बनाकर धरातल पर हमारी क्या स्थिति है इनकी फैक्ट फाइंडिंग का काम भी हो चुका है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोकसभा और विधानसभा चुनाव में हमने सहयोगी दलों के साथ मिलकर भाजपा को शिकस्त दी थी, उसी तरह दलीय आधार पर चुनाव नहीं होने के बावजूद कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ सभी निकाय क्षेत्र में संघ या भाजपा की नीति सिद्धांत मानने वाले उम्मीदवारों की हार और कांग्रेस-सहयोगी दलों के विचारधारा वाले उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी शहरी नगर निकाय क्षेत्र में हमारे लोगों का कब्जा होगा।

राज्य में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत होने के बावजूद नगर निकाय चुनाव होंगे। एसआईआर राज्य में शहरी निकाय चुनाव में बाधक नहीं बनेगा, इसके संकेत आज राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक के बाद आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने दिए थे। राज्य के गृह सचिव, डीजीपी, नगर विकास सचिव और सभी जिलों के डीसी-एसपी की ऑनलाइन उपस्थिति में हुई बैठक में निर्वाचन से जुड़ी सभी तैयारियों की समीक्षा के बाद मीडिया से रूबरू हुए सचिव राधेश्याम प्रसाद ने कहा था कि स्ट्रक्चर का निकाय चुनाव पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। निकाय चुनाव से जुड़ी सभी तैयारियों को लगभग पूरा कर लेने का दावा करते हुए आयोग के सचिव ने साफ शब्दों में कहा था कि एसआईआर का कोई प्रभाव नगर निकाय चुनाव पर नहीं पड़ेगा।

झारखंड में बीएलए बनाने में हांफ रही कांग्रेस, कैसे एसआईआर के दौरान गड़बड़ी रोकेगी पार्टी?

रांची, एजेंसी। बिहार, उत्तर प्रदेश के साथ साथ 12 राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के बाद अब झारखंड में भी एसआईआर शुरू होने वाला है। लेकिन हैरत की बात यह है कि अभी तक कांग्रेस ने सिर्फ 11।24% मतदान केंद्रों पर ही बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर पाई है। ऐसे में अब भारतीय जनता पार्टी के नेता यह कहकर तंज कस रहे हैं कि कांग्रेस को ग्रासरूट पर कार्यकर्ता नहीं मिल रहा हैं। इसलिए कांग्रेस,बीएलए को नियुक्त करने में हांफ रही है।

झारखंड कांग्रेस के जीपीसीसी और बीएलए नियुक्ति कंपेन के हेड सूर्यकांत शुक्ला कहते हैं कि पहले हम जीपीसीसी यानी ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी बनाने को प्राथमिकता में रखा था। इस बीच कुछ नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई इस वजह से बीएलए नियुक्त करने में देरी हुई।

सूर्यकांत शुक्ला कहते हैं कि दो हफ्ते के अंदर सभी मतदान केंद्रों में ब्लॉक लेबल एजेंट की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। जिन 3000 से ज्यादा मतदान केंद्रों पर बीएलए नियुक्त हो चुके हैं, वहां की सूची जल्द मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से चुनाव आयोग को भेज दिया जाएगा।

अभी तक राज्य में कांग्रेस के द्वारा सिर्फ 12% के करीब बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर पाने पर तंज कसते हुए भाजपा ने तंज कसा है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा कहते हैं कि यही झारखंड में कांग्रेस की सच्चाई है। राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कंधे पर सवार होकर कांग्रेस सत्ता का सुख भोग रही है जबकि हकीकत यह है कि धरातल पर उसे बूथ लेवल पर कार्यकर्ता नहीं मिल रहे हैं,जिन्हें वह अपना बीएलए बना सकें। भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाने वाले कांग्रेसी नेताओं को यह चिंतन करना होगा कि उनकी क्या स्थिति हो गयी है कि हर बूथ पर खोजे भी एक निष्ठावान कार्यकर्ता नहीं मिल रहा है, यही सच्चाई है।

बीएसएस महिला कॉलेज को बड़ी राहत, नहीं कराया जाएगा खाली, लीज के तहत होगा संचालन

धनबाद, एजेंसी। जिला परिषद ने शहर के बीच में मौजूद बीएसएस महिला कॉलेज को खाली करने का नोटिस जारी किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर कॉलेज खाली नहीं किया गया तो उसे सील कर दिया जाएगा। इससे लगभग 4,500 स्टूडेंट्स के लिए संकट खड़ा हो जाता, लेकिन अब कॉलेज के लिए अच्छी खबर है। कॉलेज मैनेजमेंट ने कॉलेज को लीज पर चलाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे जिला परिषद अध्यक्ष और डीडीसी ने मान लिया है। लीज के बारे में फैसला अगली बोर्ड मीटिंग में लिया जाएगा।

दरअसल, 2 मार्च 2011 को हाई कोर्ट ने जिला परिषद को अपनी संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने और उन्हें सीज करने का आदेश दिया था। उस समय, चल रही परीक्षाओं के कारण आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। जिसके बाद हाल ही में जिला परिषद ने क्वीन्स महिला कॉलेज को खाली करने का एक और नोटिस जारी किया। इस नोटिस से कॉलेज प्रबंधन में खलबली मच गई।

इसी बीच, कॉलेज की प्रिंसिपल करुणा सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रिंसिपल ने शारदा सिंह को लीज एग्रीमेंट का प्रस्ताव दिया, जिन्होंने सकारात्मक जवाब दिया और अगली बोर्ड मीटिंग में फैसला लेने पर सहमति जताई।

जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि यह ग्रामीण इलाकों की लड़कियों के भविष्य का मामला है। इसलिए, उन्होंने बोर्ड मीटिंग में लीज प्रक्रिया के बारे में फैसला लेने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि उन्हें फंड की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे ग्रामीण इलाकों में विकास में रुकावट आ रही है। बीएसएस कॉलेज जिला परिषद की संपत्ति है। उन्हें राजस्व का नुकसान हो रहा है। राजस्व होने से गांवों का विकास हो पाएगा।

झारखंड में जेल वार्डर के 1733 पोस्ट पर भर्ती, महिलाओं के लिए अलग से सीट आरक्षित

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से जेल वार्डर (कक्षपाल) के 1733 पोस्ट पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इस वैकेंसी के लिए आवेदन आज से यानी कि 9 जनवरी 2026 से शुरू होने वाली है। पहले आवेदन प्रक्रिया 7 नवंबर 2025 से शुरू होने वाली थी। लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया था। ऐसे में आइए आवेदन करने से पहले जानते हैं कि योग्यता, लास्ट डेट और अन्य नियम क्या हैं।

जेल वार्डर वैकेंसी के लिए आवेदन प्रक्रिया 9 जनवरी 2026 से शुरू हो रही है। वहीं अप्लाई करने की लास्ट डेट 8 फरवरी 2026 है। परीक्षा शुल्क जमा करने की लास्ट डेट 10 फरवरी 2026 है। वहीं फोटो और सिग्नेचर अपलोड करने की लास्ट डेट भी 10 फरवरी 2026 है। 11 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन में करेक्शन किया जा सकता है। फॉर्म में नाम, डेट ऑफ बर्थ, ईमेल आईडी एवं मोबाइल नंबर को छोड़कर अन्य सभी जानकारी को करेक्ट कर सकते हैं। करेक्शन करने की लास्ट डेट 13 फरवरी तय की गई है।

इस वैकेंसी के तहत शारीरिक मापदंड व शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी। इसमें सफल

कैंडिडेट्स को लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद मेडिकल टेस्ट होगी।

इस वैकेंसी के तहत चुने गए कैंडिडेट्स को लेवल 2 के अनुसार, 19900 रुपये से लेकर 63200 रुपये तक की सैलरी मिलेगी। वहीं आवेदन शुल्क की बात करें तो राज्य के एससी और एसटी वर्ग से आने वाले कैंडिडेट्स के लिए आवेदन शुल्क 50 रुपये है और अन्य सभी के लिए 100 रुपये निर्धारित किया गया है।

कक्षपाल भर्ती के लिए 10वीं पास कैंडिडेट्स अप्लाई कर सकते हैं। वहीं आयु सीमा 18 वर्ष से लेकर 25 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्ग से आने वाले कैंडिडेट्स को अधिकतम आयु सीमा में छूट मिलेगी।

भारतीय ओलंपिक संघ अथवा उससे संबद्ध फेडरेशनों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सत्र की प्रतियोगिता में द्वितीय या तृतीय स्थान हासिल करने वाले कैंडिडेट्स को इस वैकेंसी में प्रमुखता दी जाएगी। साथ ही झारखंड ओलंपिक संघ अथवा संबद्ध संघों द्वारा आयोजित अधिकाधिक राज्य चैंपियनशिप में पहला या दूसरा स्थान हासिल करने वाले कैंडिडेट्स। साथ ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करने वाले खिलाड़ी को भी प्रमुखता दी जाएगी।

पेसा को लेकर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का सरकार पर जुबानी हमला

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने पेसा नियमावली को लेकर सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी समुदायों के अस्तित्व को खत्म करने के लिए पेसा ला रही है। चंपाई सोरेन संथाल जाते समय मैथन में रुके, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लाई गई पेसा नियमावली आदिवासी लोगों के अस्तित्व को पूरी तरह से खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के धार्मिक और सामाजिक रीति-रिवाजों और संविधान द्वारा उन्हें दी गई सुरक्षा को पूरी तरह से कमजोर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने आदिवासी समाज के नेतृत्व में बाहरी लोगों को शामिल किया है, जिससे समाज के बाहर के लोगों को कानूनी दर्जा दिया गया है। उन्होंने आगे दावा किया कि धोखेबाज लोगों और बिचौलियों को कानूनी मान्यता दी गई है, और पूरी ग्राम सभा को भंग कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि जहां राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों का प्रभारी होना चाहिए, वहीं डीसी को सर्वोच्च अधिकारी बना दिया गया है। उन्होंने आदिवासी परंपराओं में डीसी की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ग्राम सभा की शक्तियों को

सीमित कर दिया है, और गांव का सार्वजनिक तालाब भी अब ग्राम सभा के नियंत्रण में नहीं रहा। उसे भी नीलामी के लिए रखा जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि पहले ग्राम सभा को सीएनटी भूमि के बारे में फैसले लेने का अधिकार था, लेकिन अब सब कुछ सरकार के नियंत्रण में आ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने आदिवासियों को कुछ नहीं दिया है, बल्कि उनकी स्थिति और भी खराब कर दी है। उन्होंने कहा कि वे औद्योगिक विकास का विरोध नहीं करते हैं, लेकिन जमीन अधिग्रहण के बाद इसका फायदा आने वाली पीढ़ियों को मिलना चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि झामुमो, कांग्रेस और राजद सरकार ने आदिवासी समाज को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, भू-अर्जन और रिंग रोड घोटाला मामले में 17 लोग हिरासत में

धनबाद, एजेंसी। एसीबी ने भू-अर्जन और रिंग रोड घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की टीमों ने धनबाद समेत अन्य जिलों में एक साथ छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार, एसीबी ने 17 लोगों को हिरासत में लिया है।

रात भर चली इस छापेमारी में एसीबी की 10 टीमें लगी रहीं। धनबाद के अलावा रांची, दुमका, गिरिडीह और देवघर में छापेमारी चली। छापेमारी के दौरान पुलिसबल ने भी मदद की।

एसीबी की इस कार्रवाई में तत्कालीन बर्खास्त जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी (डीएलओ) उदयकांत पाठक, तत्कालीन अंचल अधिकारी विशाल कुमार, तत्कालीन सर्किल इंस्पेक्टर नीलम सिन्हा, कुमारी रत्नाकर समेत अन्य अधिकारी और कर्मी की गिरफ्तारी की सूचना है।

समाजसेवी रमेश रही की शिकायत पर 2016 में मामला दर्ज हुआ था। उस समय भू-अर्जन घोटाले में कुल 34 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई

थी। सरकारी भूमि अधिग्रहण के दौरान नियमों की अनदेखी करते हुए भूमि से संबंधित अभिलेखों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरतने का आरोप था।

मिली जानकारी के अनुसार, रिंग रोड घोटाले से भी इसके तार जुड़े हुए हैं। इस मामले में वर्ष 2015 में भी समाजसेवी रमेश रही ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ी। वहीं समाजसेवी रमेश रही ने कहा कि उन्होंने साल 2013 में मामले को उठाया था। साल 2016 में मामला दर्ज किया गया था। रिंग रोड का निर्माण जनता की सुविधाओं के लिए किया गया था, लेकिन उसके लिए जिन जमीनों का अधिग्रहण हुआ, उनके बदले दी जाने वाली मुआवजा राशि में बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया।

भू-अर्जन अधिकारी, भू-अर्जन कार्यालय एवं अंचल कार्यालय से जुड़े अधिकारियों ने मिलीभगत के माध्यम मुआवजा राशि में घोटाला किया। 100 से 150 करोड़ रुपये से अधिक का यह घोटाला है। शिकायतकर्ता रमेश रही ने इस कार्रवाई के लिए एसीबी को धन्यवाद दिया है। साथ ही उन्होंने घोटाले में शामिल सभी आरोपियों की संपत्ति जब्त करने की मांग की है।

दुमका में वकील की पत्नी का बाथरूम में जला शव बरामद, पति ने बताया आत्महत्या

दुमका, एजेंसी। दुमका कोर्ट के एक सीनियर अधिवक्ता संजीव कुमार गोराई की 53 वर्षीय पत्नी नमिता गोराई का बाथरूम से जला शव बरामद किया गया है। इस मामले में महिला के पति का कहना है कि बीमारी से परेशान होकर उसने खुदकुशी कर ली। पुलिस मामले के अनुसंधान में जुट गई है।

दरअसल अधिवक्ता संजीव कुमार का मकान दुधानी-रसिकपुर बाईपास रोड पर स्थित बगनोचा मोहल्ले में है। गुरुवार की दोपहर लगभग तीन बजे वह कोर्ट में थे। घर में अधिवक्ता की बूढ़ी मां और उनकी पत्नी नमिता गोराई थी। साथ में एक छोटा भाई भी रहता था, पर वह किसी काम के सिलसिले से बाजार गया था। घटना के संबंध में वकील का कहना है कि घर से निकलने से पहले पत्नी ने नाश्ता बनाकर उन्हें दिया था।

दोपहर में जब छोटा भाई घर आया तो पता चला कि भाभी बाथरूम गई हुई हैं और काफी देर हो जाने के बाद भी नहीं निकली हैं तो उसको संदेह हुआ। बाहर जलने की बदबू भी आ रही थी। संजीव के छोटे भाई ने बताया कि जब बाथरूम का दरवाजा तोड़ा तो देखा कि भाभी पूरी तरह से जली हुई हैं। उनकी मौत भी हो चुकी है। यह देख उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुट गए।

संजीव गोरा ने बताया कि उनकी पत्नी को स्किन की समस्या थी, उन्होंने अपनी पत्नी नमिता का इलाज दुमका और आसनसोल से करवाया था पर वह ठीक नहीं हो पाई थी। वह अपनी पत्नी का इलाज दिल्ली के एम्स से भी करवा रहे थे। मगर इसी बीच उनकी पत्नी ने जान दे दी। सूचना मिलने पर नगर थाना प्रभारी जगनाथ धान अधिवक्ता के घर पहुंचे और जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका पीजेएमसीएच भेज दिया। रात होने की वजह से शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।

69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता: तीसरे दिन 60 मीटर रिकर्व प्रतिस्पर्धा में शानदार प्रदर्शन

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के खेलगांव स्थित टिकैत उमराव शूटिंग स्टेडियम में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता में लगातार रोमांच देखने को मिल रहा है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की मेजबानी में 6 से 10 जनवरी 2026 तक चल रही इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दूसरे और तीसरे दिन खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन टीम इवेंट्स और इंडियन राउंड की प्रतिस्पर्धा पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ समाप्त हुई। मेजबान झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया, जिससे राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव मिला। बालक वर्ग के टीम इवेंट में झारखंड ने स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि बालिका वर्ग के टीम इवेंट में झारखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा इंडियन राउंड बालिका वर्ग में झारखंड के तीरंदाजों ने स्वर्ण पदक जीतकर घरेलू दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।

इंडियन राउंड के ओवरऑल परिणामों में बालक वर्ग में छत्तीसगढ़ के विक्रम राज प्रथम, ओडिशा के रोहित कुमार मरांडी द्वितीय और पंजाब के दिलप्रीत सिंह तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में महाराष्ट्र की स्वरांजलि शंकर बनसुडे ने स्वर्ण, असम की हिमानी बसुमंत्रों ने रजत और छत्तीसगढ़ की स्वाती यादव ने कांस्य पदक जीता। मिक्स टीम इवेंट में ओडिशा ने स्वर्ण, छत्तीसगढ़ ने रजत और सीबीएसई टीम ने कांस्य पदक हासिल किया।

तीसरे दिन प्रतियोगिता में 60 मीटर रिकर्व तीरंदाजी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन हुआ, जिसमें देश के 33 राज्यों और इकाइयों से आए प्रतिभाशाली तीरंदाजों ने हिस्सा लिया। पूरे दिन चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उच्च तकनीकी दक्षता, अद्भुत एकाग्रता और सटीक निशानेबाजी का परिचय दिया। निर्णायक क्षणों में हुए कड़े मुकाबलों ने प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना दिया। इधर, 60 मीटर रिकर्व तीरंदाजी बालक वर्ग में दिल्ली के रुद्र कुमार ने स्वर्ण पदक जीता। बिहार के समर्थ कुमार को रजत और दयानेश बालाजी चेराले को कांस्य पदक मिला। वही बालिका वर्ग में महाराष्ट्र की शिंदे प्रगति भागवत ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हरियाणा की श्रेय दहिया ने रजत और जन्नत ने कांस्य पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और तकनीकी कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों और दर्शकों की उत्साहपूर्ण मौजूदगी से खेल परिसर जीवंत बना रहा। दर्शकों ने तालियों और उत्साहवर्धन के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

वहीं आयोजकों ने सभी विजेता और प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के आगामी दिनों में भी कड़े और रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद जताई जा रही है, जहां देश के उभरते स्कूली तीरंदाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आए।

मैं अपनी तरह से काम करना चाहता हूं

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान इन दिनों अपने कमबैक को लेकर चर्चाओं में हैं। लगभग दस साल से भी ज्यादा के समय के बाद इमरान खान बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। वो वीर दास के निर्देशन में बन रही फिल्म 'हैप्पी पटेल' में एक अलग अंदाज में नजर आएंगे। इसके अलावा इमरान खान फिल्म अधूरे हम अधूरे तुम से बतौर लीड एक्टर ओटीटी पर भी कमबैक करने जा रहे हैं। अब अपने कमबैक से पहले एक्टर ने पीआर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्होंने चर्चाओं में आने और प्रचार के लिए पीआर के चक्कर में न पड़ने का फैसला लिया है।

खुद अपना काम ढूंढना चाहते हैं इमरान

बातचीत में इमरान खान ने माना की वो जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीना चाहते हैं। वो पीआर और प्रचार व चर्चाओं की बजाय क्रिएटिविटी पर ज्यादा ध्यान देना चाहते हैं। पीआर को ज्यादा तवज्जो न देने पर एक्टर ने कहा कि मैंने एक ऐसे दौर में काम किया है जब मेरे पास एक पीआर और एक मैनेजर था। इसका अनुभव करने और इससे होने वाले बुरे प्रभावों को जानने के बाद, अब मुझे ये सब नहीं चाहिए। मुझे ऐसा मैनेजर नहीं चाहिए जो मेरे लिए काम ढूंढे। मैनेजर की तनख्वाह इस बात पर निर्भर करती है कि मैं लगातार काम करता रहूं और इसी वजह से वह मुझे वो काम करने के लिए मजबूर कर सकता है जो मैं नहीं करना चाहता। मैं नहीं चाहता कि वे मेरे लिए काम ढूंढें, मैं खुद अपना काम ढूंढना चाहता हूं।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी 'अधूरे हम अधूरे तुम'

फिल्म अधूरे हम अधूरे तुम से इमरान खान लंबे समय बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर और गुरफतेह पीरजादा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें रोजमर्रा की जिंदगी और जीवन से जुड़ी उलझनों को दिखाया गया है। यह फिल्म इस साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके अलावा इमरान खान वीर दास स्टारर और उनके ही निर्देशन में बन रही फिल्म 'हैप्पी पटेल' में भी नजर आएंगे। इसमें इमरान एक अलग तरह के किरदार में दिखाई देंगे।

फिल्मों में जबरदस्त वापसी की तैयारी में कंगना रनौत शुरू की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत फिल्मों में जबरदस्त वापसी करने के लिए तैयार हैं। लंबे समय से राजनीतिक जिम्मेदारियों और फिल्मों के बीच संतुलन बनाती नजर आ रहीं कंगना ने अपनी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की और फिल्म के सेट से कुछ झलकियां भी साझा कीं, जिसे देखकर उनके प्रशंसकों में उत्साह साफ नजर आया। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी प्रोडक्शन कंपनी की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट किया। इस वीडियो में वह फिल्म के सेट पर पहुंचती दिखती हैं और निर्देशक मनोज तापड़िया के साथ गंभीर चर्चा में नजर आती हैं। हाथ में स्क्रिप्ट, चेहरे पर फोकस और काम के प्रति वही पुराना जुनून- ये सबकुछ देखकर साफ नजर आ रहा है कि कंगना एक बार फिर पूरी तैयारी के साथ फिल्मी दुनिया में सक्रिय हो चुकी हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि शूटिंग सेट पर वापस आकर अच्छा लग रहा है।

2024 में हुई थी 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन जब इस प्रोजेक्ट की घोषणा 2024 में हुई थी, तब यह बताया गया था कि फिल्म आम लोगों की असाधारण कहानियों पर आधारित होगी। कंगना इसमें केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं और फिल्म का मकसद उन किरदारों को सामने लाना है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव की मिसाल बनते हैं।

पिछली बार इमरजेंसी में नजर आई थीं कंगना

कंगना की पिछली फिल्म 'इमरजेंसी' काफी चर्चा में रही थी। इस राजनीतिक ड्रामा में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी और फिल्म का निर्देशन भी खुद किया था। हालांकि विषय दमदार होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई। इसके बावजूद कंगना अपने बेबाक अंदाज और जोखिम लेने की प्रवृत्ति के लिए जानी जाती हैं।

हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कंगना

इसी बीच कंगना के करियर से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आई है। वह जल्द ही हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनने वाली हॉरर ड्रामा फिल्म 'ब्लेस्ड बी द ईविल' में वह अहम भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म में उनके साथ हॉलीवुड अभिनेता टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र कर रहे हैं और इसकी कहानी एक ऐसे दंपती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो निजी त्रासदी के बाद एक रहस्यमयी फार्महाउस में नई जिंदगी शुरू करने की कोशिश करते हैं।

क्या खोसला का घोसला 2 में बोमन को रिप्लेस करेंगे रवि किशन? अभिनेता ने तोड़ी चुप्पी

साल 2006 में आई फिल्म खोसला का घोसला का अगला पार्ट आने वाला है। सीक्वल की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसे फिल्माया जा रहा है। इस बीच ऐसी अफवाहें शुरू हो गई हैं कि खोसला का घोसला 2 में बोमन ईरानी नजर नहीं आएंगे। रवि किशन ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। ऐसी अफवाहों पर खुद रवि किशन ने चुप्पी तोड़ी है।

क्या रवि किशन ने बोमन ईरानी को रिप्लेस किया है?

खोसला का घोसला में बोमन ईरानी ने खुराना का अहम किरदार निभाया था। अब फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग के पहले दिन वे नजर नहीं आए। ऐसे में फैंस को चिंता होने लगी कि क्या वे सीक्वल का हिस्सा नहीं हैं। दूसरी तरफ रवि किशन फिल्म से जुड़े हैं। इसके बाद ऐसी अफवाहें शुरू हुईं कि बोमन को रवि किशन ने रिप्लेस कर दिया है। मगर, यह सच्चाई नहीं हैं। बोमन ईरानी भी फिल्म का हिस्सा हैं।

रवि किशन ने जताई किरदार पर खुशी

सीक्वल में बोमन ईरानी भी अपना किरदार अदा करते दिखेंगे। वे 8 जनवरी को शूटिंग जॉइन करेंगे। एक्टर-पॉलिटिशियन रवि किशन दिल्ली में खोसला का घोसला 2 की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में उन्होंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर खुशी भी जताई। साथ ही बोमन ईरानी को रिप्लेस करने की अफवाहों पर भी चुप्पी तोड़ी। हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए रवि किशन ने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं इस कास्ट में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। मैं दिल्ली शेड्यूल का हिस्सा बनूंगा।

दर्शक बिल्कुल नए अवतार में देखेंगे

अपने किरदार को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए रवि किशन ने कास्ट में अपनी स्थिति साफ की। उन्होंने कहा, सभी लोग हैं। मैं उन्हें रिप्लेस नहीं कर रहा हूं। मेरा किरदार नया है। स्क्रिप्ट बहुत अच्छी है। मेरे सभी फैंस मुझे एक बिल्कुल अलग अवतार में देखेंगे। रवि किशन की इस प्रतिक्रिया के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि बोमन ईरानी फिल्म का हिस्सा बने रहेंगे। वहीं रवि किशन फिल्म में एक नए किरदार के रूप में जुड़ेंगे।

मेरा कोई गॉडफादर नहीं था इस फिल्म को करना अपनी गलती मानती हैं नीना गुप्ता

66 साल की उम्र में नीना गुप्ता बॉलीवुड की सबसे व्यस्त रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। लीड रोल से लेकर हीरो-हीरोइन की मां बनने तक नीना गुप्ता हर तरह के किरदार कर रही हैं और प्रशंसा भी बटोर रही हैं। हालांकि, इतनी सफलता नीना को उनके करियर के शुरुआती दौर में नहीं मिली। इसको लेकर नीना को कहीं न कहीं अफसोस भी है। 23 साल की उम्र में डेब्यू करने वाली नीना गुप्ता खुद के सफल अभिनेत्री न बन पाने के लिए अपनी फिल्म 'साथ साथ' को दोषी मानती हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान नीना गुप्ता ने अपने करियर में इतनी देर से मिली सफलता को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं अक्सर सोचती रहती हूं कि मैंने ऐसा क्या गलत किया कि मुझे मेरा हक इतनी देर से मिला? मुझे लगता है कि ज्यादातर इसमें मेरी ही गलती है। लेकिन अब बीते कल के बारे में सोचने का कोई फायदा नहीं। मुझे आगे बढ़ना है। इस उम्र में मुझे सब कुछ नहीं मिल सकता, न ही मैं कम उम्र के किरदार निभा सकती हूं। अभी जो कुछ भी मुझे मिल रहा है, वह काफी अच्छा है। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं सोचती कि मुझे ये मौके कम उम्र में क्यों नहीं मिले, जब मैं और भी बहुत कुछ कर सकती थी।

मैं इंडस्ट्री को नहीं समझ पाई

अपने करियर के फैसलों की जिम्मेदारी लेते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह मेरी गलती थी क्योंकि मुझमें हमेशा धैर्य नहीं था। मैं गलत चीजों की तलाश में भटकती रही। ज्यादातर समय मेरा आत्मविश्वास कम रहा, और मुझे लगता है कि इन्हीं कारणों से मेरी तरक्की रुकी। मुझे मार्गदर्शन देने वाला भी कोई नहीं था, न कोई गॉडमदर, न कोई गॉडफादर।

'साथ साथ' करना मेरी गलती है

नीना गुप्ता का मानना है कि उनकी सबसे बड़ी गलती 1982 में आई फारुख शेख और दीप्ति नवल की फिल्म 'साथ साथ' करना था। इस फिल्म में नीना गुप्ता सपोर्टिंग रोल में थीं। उन्होंने फारुख शेख की लव इंटरेस्ट नीना का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि 'साथ साथ' ने मुझसे लीड एक्ट्रेस के तौर पर पहचान बनाने का मौका छीन लिया। यह मेरी गलती है। मैंने महसूस किया है कि जब आप अपनी गलती मान लेते हैं, तो कड़वाहट कम हो जाती है। वर्ना आप दुनिया को दोष देते रहते हैं और यह कभी खत्म नहीं होता। अपनी गलतियों को स्वीकार करके आगे बढ़ना ही बेहतर है।

यश की फिल्म टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में 'मेलिसा' के रूप में रुक्मिणी वसंत

यश की टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स हर नए खुलासे के साथ और भी गहरी, डार्क और बेबाक होती जा रही है। यह फिल्म अब एक ऐसी सिनेमाई दुनिया गढ़ रही है, जो हर मोड़ पर चौंकाती है। इसी रोमांचक सफर में मेकर्स ने एक बड़ा पत्ता खोला है—रुक्मिणी वसंत की एंट्री, जो 'मेलिसा' के किरदार में नजर आएंगी। शालीन, प्रभावशाली और बिल्कुल न झुकने वाली मेलिसा के रूप में रुक्मिणी की मौजूदगी फिल्म के इंटेंस ड्रामा को एक नया आयाम देती है। यह फिल्म रुक्मिणी वसंत और यश के बीच पहली दमदार साझेदारी को भी चिन्हित करती है, वो भी निर्देशक गीतू मोहनदास की खास सिनेमाई दृष्टि के साथ। अपनी समझदार परफॉर्मेंस और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी की एंट्री इस बात का संकेत है कि दर्शकों को एक ऐसी अदाकारी देखने को मिलेगी, जो गीतू की परतदार और माहौल रचने वाली कहानी कहने की शैली में पूरी तरह घुली-मिली होगी। वहीं यश का सपना भी साफ झलकता है—एक ऐसी भारतीय फिल्म बनाना, जो स्केल में ग्लोबल हो और भावनाओं में हर किसी से जुड़ जाए। नादिया के रूप में कियारा आडवाणी, एलिज़ाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी, गंगा के रूप में नयनतारा और रेबेका के रूप में तारा सुतारिया के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, अब टॉक्सिक की रहस्यमयी दुनिया में मेलिसा की एंट्री होती है। 1960 के दशक के आखिरी दौर की एक रंगीन लेकिन धुंधली पार्टी की पृष्ठभूमि में मेलिसा खुद को पूरे आत्मविश्वास के साथ पेश करती हैं। चारों ओर जश्न, शोर और हलचल है, लेकिन उनकी नजरें एकदम सटीक और दृढ़ हैं। जहां बाकी दुनिया बहती हुई सी लगती है, वहीं मेलिसा हर कदम सोच-समझकर रखती हैं, ऐसे अंदाज़ में कि पूरी महफिल पर उनका ही असर छा जाता है।

हर नए खुलासे के साथ फिल्म और भी धारदार होती जा रही है। इसका भावनात्मक दायरा फैल रहा है, सिनेमाई पैमाना और बड़ा हो रहा है और टॉक्सिक खुद को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में मजबूती से स्थापित कर रही है। निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, रुक्मिणी में मुझे सबसे ज्यादा जो चीज़ पसंद है, वो है एक कलाकार के तौर पर उनकी बुद्धिमत्ता। वो सिर्फ अभिनय नहीं करतीं, वो किरदार को समझती हैं, उसे प्रोसेस करती हैं। उनके सवाल शक से नहीं, जिज्ञासा से आते हैं और यही बात मुझे भी एक निर्देशक के तौर पर और गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। कई बार तो अपने ही फैसलों पर दोबारा विचार करने लगती हूं। उन्हें काम करते देख मुझे एहसास होता है कि स्क्रीन पर इंटेलिजेंस अक्सर वहां होती है, जो कहा नहीं जाता। शूट के बीच-बीच में मैं उन्हें चुपचाप अपनी डायरी में कुछ लिखते देखती हूं—सेट से जुड़े छोटे किस्से, अपने विचार। ये छोटे पल उनके प्रोसेस के बारे में बहुत कुछ कह जाते हैं। वो लगातार अपनी एक अंदरूनी दुनिया बना रही होती हैं। उनका यह अप्रोच मुझे बेहद सोच-समझ से भरा लगता है और सच कहूं तो कई बार मन करता है कि उनकी डायरी के पन्ने चुपके से पढ़ लूं, ताकि उस दिमाग को समझ सकूं, जो इतनी परतदार परफॉर्मेंस के पीछे है।

यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ फिल्माया गया है। इसके साथ ही हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब वर्ज़न की योजना है, जो इसके ग्लोबल विज़न को साफ दर्शाता है। फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही दमदार है—नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, संगीत में रवि बस्रूर का जादू होगा, एडिटिंग की कमान उज्ज्वल कुलकर्णी के हाथ में है और प्रोडक्शन डिजाइन टीपी आबिद ने किया है।

झहाई-ऑक्टेन एक्शन को हॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी, जिन्हें जॉन विक के लिए जाना जाता है, के साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता जोड़ी अंबरिव और केचा खाम्फाकडी ने कोरियोग्राफ किया है। वेनकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक की भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ 19 मार्च 2026 को तय है। यह लंबा फेस्टिव वीकेंड होगा, जब ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा एक साथ आएंगे—और टॉक्सिक बड़े पर्दे पर जश्न को और भी बड़ा बनाने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

गौरी लंकेश हत्याकांड का आरोपित लड़ रहा चुनाव

जालना , एजेंसी। पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या का आरोपित श्रीकांत पंगारकर महाराष्ट्र के

जालना नगर निगम चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में है। वह वार्ड 13 से चुनाव लड़ रहा है। उसके प्रतिद्वंद्वी भाजपा और कई अन्य दलों के उम्मीदवार हैं। हालांकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले पंगारकर शिवसेना में शामिल हो गया था। विरोध के बाद शिंदे ने पार्टी में उसकी सदस्यता को स्थगित कर दिया था। लंकेश की पांच सितंबर 2017 को कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित उनके आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या ने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं। पंगाकर 2001 से 2006 के बीच अविभाजित शिवसेना के सदस्य के रूप में जालना नगर परिषद का सदस्य था। 2011 में शिवसेना द्वारा टिकट न दिए जाने के बाद वह हिंदू जनजागृति समिति में शामिल हो गया। उसे अगस्त 2018 में महाराष्ट्र एटीएस द्वारा राज्य के विभिन्न हिस्सों से कच्चे बम और हथियार जब्त करने के सिलसिले में गिरफ्तार भी किया गया था।

मणिपुर सामूहिक दुष्कर्म का मामला, छह लोगों पर आरोप तय

गुवाहाटी, एजेंसी। गुवाहाटी स्थित सीबीआइ की विशेष अदालत ने मई 2023 में मणिपुर में हुए जातीय संघर्ष के दौरान तीन महिलाओं को निर्वस्त्र करने और उनमें से दो के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में छह अभियुक्तों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इन पर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और दंगा सहित 15 आरोप लगाए गए हैं ।विशेष न्यायाधीश चत्र भुखन गोगोई की अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 16 जनवरी तय की है। उस दिन मणिपुर की जेल में बंद चार आरोपितों सहित सभी अभियुक्तों को व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष उपस्थित होना होगा। अन्य दो आरोपित जमानत पर बाहर हैं। यह मामला चार मई, 2023 को उन्मादी भीड़ हिंसा से संबंधित है। उस दौरान तीन पीड़ितों को निर्वस्त्र कर घुमाया गया था और उनमें से दो के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। एक पीड़ित के परिवार के सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। यह घटना काफी समय बाद तब सार्वजनिक हुई, जब एक वीडियो सामने आया और इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। कोर्ट ने दो जनवरी को पारित आदेश में कहा–यह अदालत गवाहों के बयानों और दस्तावेज सहित सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि सभी आरोपितों के खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त सुबूत मौजूद हैं।

अखलाक मामले में आरोपियों की केस ट्रांसफर की अपील

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। दादरी के बिसाहड़ा गांव के चर्चित अखलाक हत्या मामले में गुरुवार को सुनवाई टल गई। अखलाक की पत्नी इकरामन की गवाही होनी थी लेकिन आरोपी पक्ष के वकील ने बताया कि उन्होंने केस ट्रांसफर के लिए जिला जज के पास आवेदन दिया है। इसके साथ ही सरकार की केस वापसी की अर्जी खारिज होने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील भी की गई है। इन कारणों से बचाव पक्ष ने समय मांगा जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 23 जनवरी की तारीख तय की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अखलाक मामले में गुरुवार को अदालत में पीड़ित पक्ष की गवाही नहीं हो सकी। आरोपी पक्ष के वकील ने बताया कि केस को दूसरी जगह ट्रांसफर करने के लिए जिला जज के पास आवेदन दिया गया है। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 जनवरी की तारीख तय की है। अखलाक पक्ष के वकील यूसुफ सैफी ने बताया कि गुरुवार को अदालत में अखलाक की पत्नी इकरामन की गवाही होनी थी। लेकिन आरोपी पक्ष के वकील ने कोर्ट को जानकारी दी कि उन्होंने इस केस को किसी दूसरी अदालत में भेजने के लिए जिला जज के पास आवेदन दिया है।

गाजियाबाद में चिकन शॉप का कुक दबोचा

थूक कर बना रहा था रोटी, घिनौनी हरकत वीडियो में कैद

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद में एक चिकन कॉर्नर पर कारीगर द्वारा थूककर रोटी बनाने का मामला सामने आया है। इस घटना का वायरल वीडियो सामने आने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान मुरादनगर कस्बे के रहने वाले जावेद अंसारी के रूप में हुई है।

गाजियाबाद पुलिस ने बताया कि गाजियाबाद में एक सड़क किनारे ढाबे पर काम करने वाले कुक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह रोटियां बनाने से पहले उन पर थूकता हुआ दिख रहा था। पुलिस ने बताया कि यह घटना मधुबन बापूधाम पुलिस स्टेशन इलाके में दिल्ली-मेरठ रोड पर वर्धमान पुरम पुलिस चौकी के पास एक सड़क किनारे खाने की दुकान पर हुई।

पुलिस के मुताबिक, कुछ ग्राहकों ने कुक को आटे और रोटियों पर थूकते हुए देखा और उसका वीडियो बना लिया, जिसे बाद में सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर शेयर किया गया। पुलिस ने गुरुवार शाम को आरोपी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि चिकन पॉइंट नाम का यह ढाबा वसीम नाम के एक व्यक्ति का है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि घटना के समय मालिक दुकान पर मौजूद था या नहीं।

एसीपी ने कहा कि पुलिस ढाबे के लाइसेंस की वैधता की भी जांच कर रही है और घटना में मालिक की भूमिका की भी जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि ढाबे के मालिक के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई के लिए खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य विभागों को रिपोर्ट भेज दी गई है।

गाजियाबाद में हिंडन बैराज के पास बनेगा 4 लेन का पुल, सिद्धार्थ विहार से वसुंधरा तक होगी सीधी कनेक्टिविटी

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद में हिंडन बैराज के पास रोजाना जाम और लंबी कतार से जूझ रहे वाहन चालकों को जल्द राहत मिलेगी। हिंडन बैराज के पास 4 लेन का पुल बनाने की वर्षों पुरानी मांग को आवास एवं विकास परिषद की बैठक में सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई। 51 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुल के इस प्रस्ताव को अगली बोर्ड बैठक में रखा जाएगा और इसमें मंजूरी मिलने के बाद काम शुरू कर दिया जाएगा।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के किनारे बसी सिद्धार्थ विहार आवासीय योजना प्राइम लोकेशन वाली है। दिल्ली-नोएडा के साथ मेरठ और हापुड़ के लिए यहां से सीधी कनेक्टिविटी है। गाजियाबाद जंक्शन के साथ पुराने शहर में आना भी सुगम है, लेकिन इंदिरापुरम, वसुंधरा और मोहननगर और हिंडन एयरपोर्ट की ओर जाने के लिए यहां के लोगों को लंबे समय से जूझना पड़ रहा है। एक ही वाहन निकल पाता है। ऐसे में इस ओर आने वाले वाहन चालकों को दिनभर जाम से जूझना पड़ता है। पीक आवर्स में लंबी लाइन लग जाती है। लोगों की मांग थी कि हिंडन बैराज पर चार लेन का पुल बनाया जाए।

बंगाल में एसआइआर प्रक्रिया में मान्य नहीं होगा डोमिसाइल सर्टिफिकेट

अब होगा यह काम

कोलकाता , एजेंसी। चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि बंगाल में मतदाता सूची

के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया में डोमिसाइल सर्टिफिकेट (अधिवास प्रमाणपत्र) मान्य नहीं होगा। बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि एसआइआर की सुनवाई के दौरान दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में जमा किए गए डोमिसाइल प्रमाणपत्र को फिलहाल वैध नहीं माना जाएगा। जिन लोगों ने पहले ही डोमिसाइल प्रमाणपत्र जमा कर दिया है, उन्हें सुनवाई के लिए फिर से बुलाया जा सकता है। एसआइआर के तहत स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में राज्य द्वारा जारी स्थायी पता या निवास प्रमाणपत्र शामिल हैं, लेकिन डोमिसाइल प्रमाणपत्र इस श्रेणी में नहीं आते हैं। डोमिसाइल प्रमाणपत्र उस मानदंड को पूरा नहीं करता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक राज्य डोमिसाइल प्रमाणपत्र जारी करने के लिए विशिष्ट सरकारी आदेशों का पालन करता है। राज्य में नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार डोमिसाइल प्रमाणपत्र मुख्य रूप से कुछ श्रेणियों को जारी किए जाते हैं, जिनमें सेना और अर्धसैनिक बलों में नौकरियों के लिए आवेदन करने वाले गैर-बंगाली उम्मीदवार शामिल हैं। इस बीच एसआइआर प्रक्रिया के दौरान लगभग 10,000 नए जारी किए गए मतदाता पहचान पत्र वापस लौटा दिए गए हैं। आगामी 14 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद उचित प्रक्रिया के बाद कार्ड उन्हें दोबारा भेज दिए जाएंगे। आयोग ने यह भी कहा है कि 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई के लिए आने की जरुरत नहीं होगी। इसी तरह पढ़ाई, नौकरी, चिकित्सा अथवा अन्य विशेष कारणों से अस्थायी रूप से विदेश में रह रहे लोगों को भी सुनवाई के लिए आना नहीं पड़ेगा।

84 करोड़ का एमओयू, 1000 करोड़ खर्च? अथॉरिटी से दलित प्रेरणा स्थल पर खर्च का हिसाब मांगा

● किस के आदेश पर रकम खर्च हुई, फाइलों में नहीं, शासन की ऑडिट रिपोर्ट में भी सवाल उठे थे

नोएडा, एजेंसी।
नोएडा सेक्टर-95 में बना राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डन एक बार फिर चर्चा में है। सीएजी की आपत्तियों पर इस मामले में सुनवाई कर रही लोक लेखा समिति ने नोएडा प्राधिकरण से इस पर खर्च किए गए रुपये का ब्योरा मांगा है। अन्य बिंदुओं पर भी जानकारी मांगी है।

दिल्ली से नोएडा में प्रवेश करते ही दलित प्रेरणा स्थल बना है। इसका निर्माण वर्ष 2007 से 2011 के बीच हुआ था। सीएजी ने इसको बनाने में काफी अनियमितता पकड़ी थीं। निर्माण राशि पर भी आपत्तियां दर्ज की थीं। अब इन आपत्तियों पर लोक लेखा समिति सुनवाई कर रही है। समिति ने प्राधिकरण से इसके निर्माण पर खर्च किए गए रकम का ब्योरा मांगा था। इसी क्रम में बुधवार को लखनऊ में बैठक हुई। बैठक पर्याप्त समय तक नहीं चल सकी। 10-15 मिनट बाद ही यह बैठक खत्म हो गई।

जानकारी के मुताबिक, समिति के पदाधिकारियों ने इसका निर्माण करने वाली एजेंसी राजकीय निर्माण निगम से कुछ बिंदुओं पर जानकारी ली। प्राधिकरण के अधिकारियों से कोई सवाल नहीं पूछा जा सका। इस बारे में नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल का कहना है कि अगली सुनवाई में समिति की तरफ से मांगी गई जानकारी को प्राधिकरण रखेगा। प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक इसके निर्माण में प्राधिकरण ने अलग-अलग समय में 723 करोड़ रुपये दिए थे। यह राशि एमओयू के तहत इसका निर्माण करने वाली एजेंसी राजकीय निर्माण निगम को दिए गए थे। वहीं, नोएडा प्राधिकरण की फाइलों में इससे संबंधित जो एमओयू लगा है,

वह 84 करोड़ रुपये का है। इसके बाद के निर्माण से संबंधित एमओयू फाइलों में नहीं है। प्राधिकरण के अधिकारी इस राशि को सिर्फ चारदीवारी में खर्च करने की बात कह रहे हैं। बाकी काम से संबंधित एमओयू प्राधिकरण की फाइलों में नहीं है। इसके निर्माण के दौरान प्राधिकरण में तैनात रहे अधिकारियों का दावा है कि इसके निर्माण में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हुआ था। प्राधिकरण और शासन ने अलग-अलग स्तर से इसके निर्माण में रुपये खर्च किए। इस प्रेरणा स्थल के निर्माण कार्य में इस्तेमाल किए गए गुलाबी पत्थरों की सप्लाई चुनार मिर्जापुर से की गई, जबकि इनकी आपूर्ति राजस्थान के बयारना से दिखाकर ढुलाई के नाम पर भी रुपये लिए गए। इसमें जो खर्च हुआ, वह नोएडा प्राधिकरण के खजाने से हुआ। बताया जाता है कि वर्ष 2012 में तत्कालीन चीफ प्रोजेक्ट इंजीनियर की तरफ से दी गई रिपोर्ट के अनुसार, 679 करोड़ रुपये का खर्च 2009-10 तक था। इसके बाद कोई भी बिल या बाउचर प्राधिकरण को नहीं मिले। यह रकम किसके आदेश पर खर्च की गई, इसका लिखित दस्तावेज प्राधिकरण की फाइलों में नहीं है। गौरतलब है कि करीब 9 साल पहले शासन की ऑडिट रिपोर्ट में भी राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल के निर्माण में बड़ा घोटाला सामने आया था। शासन की ऑडिट रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ था कि सिर्फ 84 करोड़ का एमओयू साइन कर लगभग एक हजार करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए।

जानकारी के अनुसार दलित प्रेरणा स्थल के निर्माण में हुई धांधली को लेकर लखनऊ विजिलेंस भी जांच कर रही है। विजिलेंस की रिपोर्ट पर शासन ने पिछले साल कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की थी।

रिजवाना बनी रिंकी, प्रेमी संग हिन्दू रीति रिवाज से ग्रेटर नोएडा के मंदिर में किया विवाह

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
प्यार न देखे जात-पात, भूख न जाने बासी भात वाली कहावत एक बार फिर चरितार्थ हो गई। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा की रहने वाली रिजवाना ने आर्य समाज मंदिर में अपने प्रेमी कोमल शर्मा से शादी के बाद अपना नाम रिंकी रख लिया। इसके बाद एसएसपी के सामने अपने बयान भी दर्ज कराए। अब दोनों खुशी-खुशी अपने घर में रह रहे हैं।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के प्रांत परावर्तन प्रमुख सुनील सोलंकी ने बताया कि बुलंदशहर जिले के एक थाना क्षेत्र की निवासी रिजवाना ने 3 जनवरी को हिन्दू रीति रिवाजों के अनुसार गौतमबुद्धनगर क्षेत्र के युवक कोमल शर्मा के साथ विवाह किया है। दोनों का विवाह जेवर के थोरा में स्थित आर्य समाज मंदिर में हुआ। अब रिजवाना ने अपना नाम बदल कर रिंकी रख लिया है। सुनील सोलंकी ने बताया कि इस संबंध में दो दिन पहले रिजवाना ने एसएसपी के समक्ष बयान भी दिए हैं।

विश्व हिन्दू परिषद के नेता सुनील सोलंकी ने बताया कि उनके पास कुछ दिनों पहले कोमल शर्मा का फोन आया था, जिसमें उसने बताया था कि वह एक मुस्लिम लड़की से प्रेम करता है और उससे शादी करना चाहता है। इसको लेकर पहले काफी बातचीत

की गई थी।

शादी में उनकी मदद की जरूरत है। सुनील सोलंकी ने सर्वप्रथम उसकी नौकरी के बारे में पूछा। युवक ने बताया कि वह गुड़गांव स्थित एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। शादी के बाद वह लड़की को खुश रख सकता है। नौकरी होने पर सुनील सोलंकी उनकी मदद करने को तैयार हो गए। बुलंदशहर एसएसपी के समक्ष बयान दर्ज होने के दौरान कोमल शर्मा के भाई और बहन साथ आए थे। बयान होने के बाद कोमल शर्मा के भाई-बहन दोनों को अपने साथ ले गए। अब कोमल शर्मा और रिजवाना अपने घर रह रहे हैं।

राजस्थान में मिड डे मील योजना में 2000 करोड़ का घोटाला

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान के एंटी करप्शन ब्यूरो ने 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश किया है। मिड–डे मील योजना के तहत ये घोटाला हुआ, जिसमें कोरोना काल के दौरान, जब सभी स्कूल बंद थे, उस समय भी बच्चों को मिड–डे मील देने की बात सामने आई। इस मामले में एसीबी ने राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (कॉन्फेड), केंद्रीय भंडार और कई निजी फर्मों से जुड़े 21 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सूत्रों के मुताबिक, अशोक गहलोत सरकार में पूर्व मंत्री रहे और इस समय भाजपा नेता राजेंद्र यादव के बेटे और उनके रिश्तेदारों का नाम इस मामले में जुड़ा है। राजेंद्र यादव के बेटे मधुर यादव और त्रिभुवन यादव पर आरोप लगे हैं। निजी फर्म के विभिन्न कार्यों को संभालने वाले कई अन्य रिश्तेदारों के नाम भी एफआईआर में शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि महामारी के दौरान अशोक गहलोत की सरकार ने कॉन्फेड के माध्यम से स्कूली छात्रों को दालें, तेल, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों वाले कॉम्बो पैक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की थी। इसमें यह भी दावा किया गया कि घर–घर जाकर स्कूली बच्चों को खाना दिया गया। लेकिन इस मामले में भ्रष्टाचार की कई शिकायतें आईं। एसीबी ने जब जांच शुरू की तो मामला बढ़ता चला गया। अधिकारियों का कहना है कि महामारी के दौरान अशोक गहलोत की सरकार ने कॉन्फेड के माध्यम से स्कूली छात्रों को दालें, तेल, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों वाले कॉम्बो पैक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की थी।

बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को उड़ाने की धमकी, आधी रात को सुरक्षा बलों की आपातकालीन बैठक

कोलकाता , एजेंसी।
पश्चिम बंगाल के राजभवन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हड़कंप मच गया है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस को एक अज्ञात प्रेषक द्वारा धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें उन्हें जान से मारने की बात कही गई है। ईमेल में स्पष्ट शब्दों में लिखा है कि उन्हें उड़ा देंगे। इस धमकी के बाद राज्यपाल के सुरक्षा घेरे को पहले से अधिक कड़ा कर दिया गया है।

धमकी भरे ईमेल की गंभीरता को देखते हुए राजभवन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राज्यपाल के विशेष कर्तव्य अधिकारी के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए तैनात बलों की एक महत्वपूर्ण बैठक आधी रात को आयोजित की गई। इस बैठक में सुरक्षा प्रोटोकॉल को और अधिक सख्त बनाने पर चर्चा हुई।

इस पूरे मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री को इस घटना से अवगत करा दिया गया है ताकि केंद्र की ओर से किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

राज्यपाल की सुरक्षा की जिम्मेदारी अब पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस और [illegible] संयुक्त रूप से संभाल रहे हैं। दोनों सुरक्षा एजेंसियां मिलकर राजभवन और राज्यपाल के हर दौरे की निगरानी कर रही हैं। सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियों को भी तैनात किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है। तकनीकी विशेषज्ञ ईमेल के आईपी एड्रेस और उसके स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि धमकी देने वाले आरोपी तक पहुँचा जा सके।

नूंह में क्रिकेट की बॉल ने करा दिया बड़ा बवाल, जमकर पत्थरबाजी

नूंह , एजेंसी।
हरियाणा के नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र के महू चोपड़ा गांव में गुरुवार को क्रिकेट की एक गेंद्र ने दो पक्षों में तगड़ा बवाल करा दिया। पूर्व सरपंच जाकिर और फारूक पक्ष के बीच पुरानी रंजिश के कारण हुई इस पत्थरबाजी में कई लोग घायल हो गए। हंगामे की वजह से गांव का मुख्य मार्ग करीब एक घंटे तक जाम रहा। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को संभाला। तनाव को देखते हुए भारी सुरक्षा बल तैनात हैं। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार दोपहर नूंह के महू चोपड़ा गांव में उस समय तनाव फैल गया जब बच्चों की क्रिकेट बॉल पास के एक खेत में चली गई। बच्चे जब गेंद

लेने पहुंचे तो खेत के मालिक ने कथित तौर पर एक बच्चे को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद जैसे ही बच्चे को थप्पड़ मारने की बात फैली विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मामूली विवाद दोपहर करीब दो बजे हिंसा में बदल गया। बताया जाता है कि एक पक्ष के लोग मकानों और दुकानों की छतों पर चढ़कर पत्थर बरसाते रहे तो दूसरे पक्ष के लोगों ने सड़क पर उतर कर मोर्चा संभाल लिया और जवाबी पथराव करते रहे। करीब एक घंटे तक दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी होती रही। इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। पत्थरबाजी के कारण गांव की मुख्य सड़क पर हालात बेकाबू हो गए। सड़क पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पत्थर इतनी तेजी से चल रहे थे कि लोग इधर-उधर छिपकर अपनी जान बचाते नजर आए। कई वाहन बीच रास्ते में ही रुक गए। इस चौराहे की दुकानों में काफी नुकसान हुआ। इस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों से करीब 12 लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों को गंभीर चोटें भी आई हैं। पथराव की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

टाटा स्टील चेस टूर्नामेंट- प्राग्ननंदा ने घड़ी बंद की, विवाद

● एक सेकेंड बाकी था, अमेरिकी खिलाड़ी से मैच ड्रॉ; राउंड-4 में आनंद हारे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में चल रहे टाटा स्टील चेस इंडिया रैपिड टूर्नामेंट के दूसरे दिन भारतीय ग्रैंडमास्टर आर.प्राग्ननंदा और अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो के बीच खेले गए मुकाबले में निर्णायक के फैसले को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। मैच के दौरान प्राग्ननंदा ने बिना अगली चाल चले ही घड़ी रोक दी और अर्बिटर (निर्णायक) से मदद मांगी। इसके बाद निर्णायक ने मुकाबले को ड्रॉ (बराबरी) घोषित कर दिया। इस फैसले सवाल उठ रहे हैं।

कैसे हुआ विवाद?

आर.प्राग्ननंदा मैच के अंतिम क्षणों में अपना प्यादा प्रमोशन (रानी बनाने) की स्थिति में आगे बढ़ा चुके थे। लेकिन घड़ी में समय बहुत कम बचा था और वे प्यादे को रानी में बदल नहीं पाए। समय खत्म होने से ठीक एक सेकेंड पहले प्राग्ननंदा ने क्लॉक रोक दी और अर्बिटर की सहायता मांगी। इस दौरान कमेंटेटर्स और दर्शकों को लगा कि समय समाप्त होने के कारण वेस्ली सो को जीत मिल जाएगी, लेकिन लंबी चर्चा के बाद अर्बिटर्स ने मुकाबले को ड्रॉ घोषित कर दिया। टाटा स्टील चेस इंडिया रैपिड टूर्नामेंट के दौरान भारतीय ग्रैंडमास्टर आर.प्राग्ननंदा और अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो।

फैसले पर उठे सवाल

इस फैसले की आलोचना मशहूर इंटरनेशनल चेस अर्बिटर क्रिस बर्ड ने की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा,यह मुकाबला हार माना जाना चाहिए था। नियम 6.11.2 के अनुसार खिलाड़ी घड़ी तभी रोक सकता है जब प्रमोशन हो चुका हो और जरूरी मोहरा उपलब्ध न हो। यहां प्रमोशन हुआ ही नहीं, इसलिए यह नियम लागू नहीं होता। कई लोगों का मानना है कि प्राग्ननंदा को यह मैच हार मान लेना चाहिए था। हालांकि, वेस्ली सो ने कहा कि यह घटना अनजाने में हुई और वे बोर्ड पर खेलकर जीतना पसंद करते हैं, इसलिए उन्होंने जीत का दावा नहीं किया।

अर्जुन एरिगैसी ने विश्वनाथन आनंद को हराया

वहीं, पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद को अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। राउंड-4 में आनंद अच्छी स्थिति में थे, लेकिन एक गलत चाल के कारण अर्जुन ने मैच का रुख पलट दिया और जीत हासिल कर ली।

मिजोरम क्रिकेटर की मैच के दौरान बिगड़ी सेहत

पवेलियन लौटते समय मैदान पर गिरा और हो गई मौत

मिजोरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट से एक बेहद पीड़ादायक खबर सामने आई है। मिजोरम के पूर्व रणजी क्रिकेटर के. लालरेमरूआटा का गुरुवार को खेल के मैदान पर ही निधन हो गया। एक स्थानीय क्रिकेट मैच के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से उनकी जान चली गई। इस दुखद घटना ने मिजोरम के खेल जगत के साथ-साथ पूरे भारतीय क्रिकेट समुदाय को स्तब्ध कर दिया है। 38 वर्षीय लालरेमरूआटा न सिर्फ एक अनुभवी खिलाड़ी थे, बल्कि स्थानीय क्रिकेट में युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी माने जाते थे।

मैच के दौरान अचानक बिगड़ी तबीयत - यह हादसा उस समय हुआ जब के. लालरेमरूआटा मिजोरम के एक लोकल सेकेंड डिविजन क्रिकेट टूर्नामेंट में वेंगनुआइ रेडर्स क्रिकेट क्लब की ओर से खेल रहे थे। बल्लेबाजी पूरी करने के बाद वह पवेलियन की ओर लौट रहे थे, तभी अचानक उन्हें असहजता महसूस हुई। देखते ही देखते वह मैदान पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत मदद की कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है।

मिजोरम क्रिकेट का जाना-पहचाना चेहरा - के. लालरेमरूआटा मिजोरम क्रिकेट में एक सम्मानित और जाना-पहचाना नाम थे। उन्होंने दो बार रणजी ट्रॉफी में मिजोरम का प्रतिनिधित्व किया था और राज्य के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी सात मुकाबले खेले थे।

पीवी सिंधु मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में, मेन्स सिंगल्स में भारतीय चुनौती खत्म

कुआलालंपुर (एजेंसी)। कुआलालंपुर में चल रहे बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 मलेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार शटलर और दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं, मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी भी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

मेंस डबल्स में भारत की टॉप जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मलेशिया की जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप की जोड़ी को 21-18, 21-11 से हराया। 39 मिनट चले मुकाबले में भारतीय जोड़ी का दबदबा साफ दिखा। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला इंडोनेशिया की छठी सीड जोड़ी फजर अल्फियन और मुहम्मद रियन अर्दियांतो से होगा।

यामागुची के खिलाफ सिंधु की जीत

शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में सिंधु ने जापान की तीसरी सीड अकाने यामागुची का सामना किया। सिंधु ने सिर्फ 11 मिनट में पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। इसके बाद यामागुची घुटने की चोट के कारण मैच से हट गईं (रिटायर्ड हर्ट), जिससे सिंधु को सेमीफाइनल का टिकट मिल गया।

राउंड ऑफ 16 में भी आसान जीत

इससे पहले गुरुवार को राउंड ऑफ 16 में सिंधु ने जापान की आठवीं सीड टोमोका मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया था। सिंधु ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

मेन्स सिंगल्स में भारत की चुनौती खत्म

मेन्स सिंगल्स में भारतीय चुनौती खत्म हो गई है। लक्ष्य सेन और युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी प्री-क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गए। लक्ष्य सेन को हॉन्गकॉन्ग-चाइना के ली चेउक यिउ से 20-22, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर-1 और टॉप सीड शी यू क्वी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 18-21, 21-18, 12-21 से मैच गंवा बैठे।

एसए-20 शानदार मंच पर IPL से तुलना नहीं कर सकते : जेपी डुमिनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज जेपी डुमिनी ने एसए20 लीग को दक्षिण अफ्रीका और दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए शानदार मंच करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि इसकी तुलना इंडियन प्रीमियर लीग से नहीं की जा सकती।

डुमिनी ने कहा कि एसए20 लीग की शुरुआत से स्थानीय प्रतिभावान खिलाड़ियों को दुनिया भर के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के अधिक अवसर मिल रहे हैं जिससे देश के क्रिकेट को फायदा हो रहा है। डुमिनी ने एसए20 द्वारा आयोजित ऑनलाइन मीडिया बातचीत के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसे आप आईपीएल के बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।' उन्होंने कहा, 'और इससे भी जरूरी बात यह है कि विश्व स्तरीय ढांचे के साथ दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभा पर जोर दिया जा रहा है। आप उस प्रतिभा को कैसे ढूंढते हैं और एक और मंच कैसे देते हैं जिससे कि बेहद दबाव वाले और शीर्ष स्तरीय माहौल के बीच दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों को चुनने का मौका मिले।' डुमिनी ने कहा, 'जब 2008-2009 में आईपीएल शुरू हुआ तो भारतीय खिलाड़ियों को दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला। यह आपके प्रदर्शन और आपकी सोच को बेहतर बनाता है। और मुझे लगता है कि एसए20 के पास भी अब यही मौका है।' एसए20 लीग के प्रभाव का जिक्र करते हुए डुमिनी ने कहा, 'यह दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है, दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना है। आपको खुद को बेहतर बनाना होगा। यह दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए अच्छा प्रदर्शन करके चयन के मौके पाने का अवसर है। और मुझे लगता है कि यह एक और शानदार मंच देता है।'

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

वुहान, एजेंसी। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला।

फीफा वर्ल्ड कप 2026:

फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना टिकटॉक

ब्राजील टूर्नामेंट से पहले खेलेगा दो मैत्री मैच

जिनेवा, एजेंसी। फीफा ने इस करार की कीमत, निविदा प्रक्रिया या अन्य प्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं का विवरण साझा नहीं किया। इससे पहले 2022 कतर विश्व कप में 'यूट्यूब' का एक सीमित प्रायोजन समझौता हुआ था जिसमें क्रिएटर्स को विशेष अनुमति मिली थी। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए 'टिकटॉक' को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं। फीफा ने कहा, 'इसके अलावा बड़ी संख्या में क्रिएटर्स को फीफा के 'आर्काइव' फुटेज का इस्तेमाल और इन्हें साथ में बनाने का मौका भी मिलेगा।'

अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया से मैत्री मैच खेलेगा ब्राजील

ब्राजील फुटबॉल टीम इस साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील 11 जून से 19 जुलाई के बीच होने वाले विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी। फिर टीम का सामना छह दिन बाद फिलेडेल्फिया में हैती से होगा। ब्राजील 24 जून को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का समापन करेगी। प्रमोटरों ने घोषणा की कि ब्राजील की टीम 26 मार्च को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में फ्रांस से भिड़ेगी और फिर पांच दिन बाद फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में क्रोएशिया से दोस्ताना मैच खेलेगी।

अर्जुन एरीगैसी बने शतरंज के तीनों फॉर्मेट में देश के नंबर एक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अर्जुन एरीगैसी भले ही फीडे कैंडिडेट में बनाने से चूक गए हो पर विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज में उन्होने दो पदक अपने नाम करते हुए विश्वनाथन आनंद के एक ही बार में दो पदक हासिल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है हालांकि आनंद नें रैपिड में स्वर्ण और ब्लिट्ज़ में कांस्य जीता था जबकि अर्जुन नें दोनों ही कांस्य पदक हासिल किया , हालांकि आनंद के बाद उन्होने अब एक और कारनामा किया है वह है तीनों फॉर्मेट में देश का नंबर एक खिलाड़ी बनने का । अर्जुन नें ताजा जारी हुई विश्व रैंकिंग में क्लासिकल में 2775 अंको के साथ विश्व में पाँचवाँ, 2746 अंको के साथ रैपिड में विश्व में तीसरा और 2777 अंको के साथ सातवाँ स्थान हासिल कर लिया है और इसके साथ अब अर्जुन हर प्रारूप में देश के नंबर एक खिलाड़ी बन गए है । रैपिड में विस्वनाथन आनंद 13वें और गुकेश 19 वें नंबर के खिलाड़ी है जबकि ब्लिट्ज़ में अर्जुन के बाद आनंद 17वें और निहाल सरीन 20वें नंबर के खिलाड़ी है । विश्व और ग्रांड स्विस में रहे थे असफल - अर्जुन को भविष्य के विश्व चैम्पियन बनने का दावेदार माना जाता है पर वह पिछले दो बार से फीडे कैंडिडेट में जगह बनाने से चूक रहे है , उम्मीद है शतरंज रैपिड और ब्लिट्ज़ में उनके यह पदक उन्हे एक नयी दिशा प्रदान करेंगे , इस वर्ष होने वाले शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम में उनका महत्वपूर्ण स्थान होगा ।

● ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी रेसलिंग चैंपियनशिप में दिखी दमदार कुश्ती

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

चंडीगढ़, एजेंसी। देश भर की 200 से ज़्यादा यूनिवर्सिटियों के रेसलरों ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ की देखरेख में और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ऑल-इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी रेसलिंग ग्रीको-रोमन और फ्रीस्टाइल चैंपियनशिप 2025-26 में ताकत, कौशल और सहनशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। पांच दिन तक चलने वाली इस नेशनल चैंपियनशिप में 2,700 से ज़्यादा रेसलर हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन रेसलिंग स्टाइल की 20 वेट कैटेगरी में गुरुवार को चौथे दिन भी मुकाबले जारी रहे। अब तक 1,500 से ज़्यादा मुकाबले हो चुके हैं। इस प्रतिष्ठित नेशनल स्तर की चैंपियनशिप में सम्पूर्ण भारत से रेसलिंग टैलेंटज़बरदस्त परफॉर्मेंस दे रहे हैं। पहले दिन, ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, राजीव गांधी खेल रत्न और पद्म श्री और अर्जुन अवॉर्ड विजेता योगेश्वर दत्त मुख्य अतिथि तथा प्रोफेशनल कबड्डी खिलाड़ी और अर्जुन अवॉर्ड विजेता मनजीत छिल्लर विशिष्ट अतिथि के रूपमें उपस्थित थे।

एकतरफ़ा मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के कपिल दलाल ने बीएमयू,हरियाणा के साहिल को 15-7 पॉइंट्स से हराकर 60 किग्रा ग्रीको रोमन कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। एलपीयू ,पंजाब के शुभम शर्मा और डीआरएसपीएम, झारखंड के अभिषेक कुमार को अपने-अपने मुकाबलों में ब्रॉन्ज़ मेडल से ही संतोष करना पड़ा। एक और एकतरफ़ा फ़ाइनल मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के दीपांशु ने पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सचिन को 10-0 से हराकर 65 किग्रा वर्ग में फ़्रीस्टाइल कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसी भर वर्ग कैटेगरी में, एमडीयू , हरियाणा के रोहित ने भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र के आदर्श को 11-0 पॉइंट्स से हराकर ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। एक रोमांचक फ़ाइनल मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पारस ने एमएसबीयू, राजस्थान के अंकित को 11-8 पॉइंट्स से हराकर 79 किग्रा फ़्रीस्टाइल कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। इसी वेट कैटेगरी में, सिंघानिया यूनिवर्सिटी के विजय और सीबीएलयू , हरियाणा के अमित ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीते।

बर्फ बेचने वाले के बेटे ने जीता गोल्ड

मेडल: भाई को खोया, पिता का सहारा बने

नई दिल्ली, एजेंसी। जब कोलकाता की गलियों में एक साधारण सा युवक पिता के साथ ब्लड बैंकों तक बर्फ पहुंचाता है, तब शायद ही कोई सोच सकता है कि वही शख्स भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतने का सपना देख रहा है। लेकिन यही हैं राजा दास। एक साधारण परिवार से निकलकर असाधारण मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के पेंचक सिलाट चैंपियन। 33 वर्षीय राजा दास जब मैट पर उतरते हैं तो उनके वार सिर्फ प्रतिद्वंद्वी पर नहीं, बल्कि गरीबी, संघर्ष और हालात पर भी पड़ते हैं।

हथियारों की कोरियोग्राफी से मार्शल आर्ट तक- राजा दास को बचपन से ही मार्शल आर्ट का शौक था, लेकिन कराटे और ताइक्वांडो उन्हें आकर्षित नहीं करते थे। उनका झुकाव हथियारों की कोरियोग्राफी की ओर था।

संक्षिप्त समाचार

महिला टीम के खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

आरा| उत्तराखंड में अंडर-14 नेशनल टी10 टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीतकर लौटी बिहार महिला टीम के खिलाड़ियों का आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में सम्मान किया गया। टी10 टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से 4 से 6 जनवरी तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार की अंडर-14 महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सम्मान समारोह में टीम के खिलाड़ियों को नगद राशि, गिफ्ट और मेडल देकर सम्मानित किया गया। समारोह में डॉ. विजय कुमार गुप्ता, डॉ. पीसी संस्थान के विकास कुमार, डायमंड स्पोर्ट्स के ओम प्रकाश सिंह, भोजपुर एसोसिएशन के पंकज प्रकाश, नंद सिंह और प्रदीप रंजन सहित कई खेल प्रेमी मौजूद रहे। विजेता टीम में सबा परवीन, कप्तान काजल कुमारी, निशा कुमारी, साक्षी कुमारी, नंदनी कुमारी, विकेटकीपर काजल कुमारी-2, कशिश कुमारी, रुनझुन कुमारी, लाली कुमारी, रागिनी कुमारी, जिया कुमारी और अंजुम परवीन शामिल रहीं। भूमिका रही, टीम मैनेजर निशा सिंह, कोमल कुमारी और अंजलि कुमारी को भी सम्मानित किया गया। डॉ. विजय कुमार गुप्ता और समाजसेवी मनोज कुमार सिन्हा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि बिहार की बेटियां खेल के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

फार्मर रजिस्ट्री किसानों के हित में एक पहल

बक्सर| कृषि विभाग द्वारा संचालित एग्रीस्टैक परियोजना के अंतर्गत जिले में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस डिजिटल पहल के तहत प्रत्येक किसान की एक विशिष्ट फार्मर आईडी तैयार की जाएगी, जिससे उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।इसी क्रम में डीएम साहिला ने चुन्नी पंचायत में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री कार्ड कैंप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैंप में उपस्थित किसानों से बातचीत की और उन्हें निर्धारित तिथि के भीतर स्वयं उपस्थित होकर अपना पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों के नामांकन के लिए आवेदन शुरू

बक्सर| जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार निदेशक, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार पटना के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बक्सर जिले में संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालय, बक्सर में नामांकन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगी। छात्राएं विभाग की आधिकारिक वेबसाइट bcebconline.bihar.go v.in के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।

पंचायत सरकार भवनों का डीए ने किया निरीक्षण

बक्सर| डीएम साहिला के द्वारा चुन्नी एवं पवनी पंचायत में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवनों के कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समय-सीमा की विस्तार से समीक्षा की। डीएम ने मौके पर उपस्थित संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि दोनों योजनाओं का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि पंचायत सरकार भवन ग्रामीण प्रशासन की रीढ़ होते हैं, ऐसे में इनके निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हरपुर गांव में होगी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

रघुनाथपुर| प्रखंड के हरपुर गांव में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर मंगलवार को आयोजक समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतियोगिता की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई । आयोजन को सफल बनाने को लेकर आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा हुई। कन्हैया गिरि ने बताया कि हरपुर गांव में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन 18 जनवरी से प्राथमिक विद्यालय हरपुर परिसर में किया जाएगा।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष जॉब कैंप का आयोजन, रोजगार का मिलेगा अवसर

आरा। बिहार सरकार के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, भोजपुर, आरा द्वारा दिव्यांगजनों के लिए विशेष जॉब कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह जॉब कैंप 12 जनवरी 2026 एवं 13 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे से जिला नियोजनालय, भोजपुर, आरा (कृषि भवन परिसर) में आयोजित होगा। इस जॉब कैंप का उद्देश्य दिव्यांगजनों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि इस विशेष जॉब कैंप में सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट, जैन विकास केंद्र, एनसीएसडी- डीए, यूथ फॉर जॉब दुर्वासा आयुर्वेद एवं फ्लिपकार्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। कैंप में आर्टिस्ट (वुड), रिटेल/आईटी, टेली कॉलर, वेयरहाउस, ट्रेनी एवं जी.डी.ए. जैसे विभिन्न पदों पर नियुक्ति की जाएगी। कुल मिलाकर 150 से अधिक रिक्त पदों पर बहाली की संभावना है। चयनित अभ्यर्थियों को 8,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रतिमाह तक वेतन मिलेगा। कार्यस्थल पटना, बिहार एवं जगदीशपुर सहित अन्य स्थान होंगे। जॉब कैंप में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं एवं 10वीं निर्धारित की गई है। आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के बीच रखी गई है। अभ्यर्थियों को अपने साथ दिव्यांग प्रमाण पत्र, बायोडाटा, आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज लाने होंगे। जिला नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि यह नियोजन निजी क्षेत्र में किया जाएगा तथा इसके लिए जिला नियोजनालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। जॉब कैंप में भाग लेना पूर्णतः निःशुल्क है। इच्छुक अभ्यर्थियों को एनसीएस पोर्टल (www.ncs.gov.in) पर अपना निबंधन कराना अनिवार्य होगा, बिना निबंधन के किसी भी अभ्यर्थी को जॉब कैंप में शामिल नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन ने दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे इस विशेष जॉब कैंप में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर रोजगार के अवसर का लाभ उठाएं।

वेडिंग जोन बनाने के लिए बैरिकेडिंग शुरू

गड़हनी। गड़हनी स्थानीय नगर पंचायत गड़हनी में वेडिंग जोन बनाने के लिये लोहा के पाइप से बेरिकेडिंग करने का कार्य शुरू हो गया है। आरा - सासाराम स्टेट हाइवे सड़क से 15 फीट पर लोहा से बैरिकेडिंग किया जा रहा है। बैरिकेडिंग बागर मोड़ से आरडीएम हाई स्कूल गड़हनी तक किया जाएगा। अभी सड़क से पूरब ब्लॉक मोड़ से शुरू हुआ है और सड़क के दोनों तरफ लोहा से बैरिकेडिंग किया जाएगा। बैरिकेडिंग करने के बाद वेडिंग जोन बनाने के लिये जगह चिन्हित कर दिया जाएगा। जितने भी दुकानदार सड़क किनारे अपना दुकान लगा रहे थे। सभी दुकानदारों को वेडिंग जोन चिन्हित कर दुकान लगाने के लिये जगह दिया जाएगा। नगर पंचायत के नाजिर पंकज कुमार ने बताया कि गड़हनी में जहां बाजार था और भीड़ भाड़ लग रहा था वहां तक बेरिकेडिंग कर वेडिंग जोन बनाया जाएगा। वहीं मुख्य पार्षद प्रतिनिधि तस्लीम आरिफ उर्फ गुड्डू ने बताया कि जितने दुकानदारों को अतिक्रमण के समय दुकान उजाड़ा गया था उन सभी दुकानदारों को वेडिंग जोन में जगह दिया जाएगा। साथ ही बताया कि बेरिकेडिंग के बाहर कोई कमर्शियल गाड़ी खड़ी नहीं होगी। कमर्शियल गाड़ी के लिये भी जगह की तलाश जारी है और जल्द ही उनका भी व्यस्था कर दिया जाएगा। सड़क किनारे लगी लोहे का बेरिकेडिंग

राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुए हस्तशिल्पी पिंटू प्रसाद

ब्रह्मपुर| प्रखंड के बड़की नैनीजोर गांव निवासी प्रसिद्ध हस्तशिल्पी पिंटू प्रसाद को हस्तशिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। पिंटू प्रसाद को भगवान श्री गणेश की आकर्षक एवं कलात्मक मूर्तियां बनाने में विशिष्ट कौशल के लिए माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों सम्मानित किया गया। पिंटू प्रसाद द्वारा निर्मित मिट्टी से बनी भगवान गणेश की प्रतिमाएं अपनी बारीक नक्काशी, जीवंत आकृति और पारंपरिक भारतीय कला शैली के कारण देशभर में पहचान बना चुकी हैं। उनकी कला में भारतीय संस्कृति, परंपरा और शिल्प कौशल का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। पूरे बक्सर जिले में खुशी की लहर दौड़ गई इस उपलब्धि पर पूरे बक्सर जिले, डुमरांव अनुमंडल, ब्रह्मपुर प्रखंड एवं दक्षिणी नैनीजोर पंचायत में खुशी की लहर दौड़ गई है।

डुमरांव कॉलेज में लोकतंत्र समाज की नैतिकता पर चर्चा

निज संवाददाता। बक्सर

- सूचना आयुक्त प्रकाश चीफ गेस्ट; प्रो. नवल बोले- नैतिक शिक्षा से बनते हैं अच्छे नागरिक

बक्सर जिले के डुमरांव स्थित डीके कॉलेज में 'लोकतंत्र, समाज और मीडिया की नैतिकता' विषय पर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में शिक्षा, राजनीति और प्रशासन से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और नैतिक मूल्यों की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की। बिहार राज्य सूचना आयोग के सदस्य प्रकाश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बिहार विधान परिषद के सदस्य प्रो. नवल किशोर यादव ने मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखे। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुल सचिव रामकृष्ण ठाकुर विशिष्ट अतिथि थे। इसके अतिरिक्त, कॉलेज की प्राचार्य प्रो. वीणा कुमारी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनवर इमाम और डॉ. राजू मोची सहित कई शिक्षाविद् मंच पर मौजूद थे।

शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहींः कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. वीणा कुमारी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए समाज और मीडिया में नैतिकता को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अच्छे नागरिक बनाने की प्रक्रिया है, जिसमें नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रत्येक पेशे की अपनी नैतिकताः मुख्य वक्ता प्रो. नवल किशोर यादव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक पेशे की अपनी नैतिकता होती है, जिसका पालन करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने शिक्षा को जीवन के लिए उतना ही आवश्यक बताया जितना कि ऑक्सीजन। प्रो. यादव ने चिंता व्यक्त की कि पहले नैतिकता शिक्षा के पाठ्यक्रम का हिस्सा थी, लेकिन अब इसे लगभग हटा दिया गया है, जो समाज के लिए एक गंभीर संकेत है।

निष्पक्षता ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करतीः राज्य सूचना आयोग के सदस्य प्रकाश कुमार ने लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसकी निष्पक्षता व नैतिकता ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करती है। वहीं, रामकृष्ण ठाकुर ने जोर दिया कि नैतिक मूल्यों के बिना समाज का विकास अधूरा है और शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे छात्रों में नैतिक चेतना विकसित करें।

सोवा में आज 7 घंटे पावर कट

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के सोवा और आसपास के इलाकों में आज बिजली आपूर्ति 7 घंटे तक बाधित रहेगी। कोरानसराय विद्युत प्रशाखा के सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन वर्मा ने बताया कि रखरखाव कार्य के कारण यह शटडाउन लिया गया है। जानकारी के अनुसार, 9 जनवरी को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक सोवा और उससे सटे क्षेत्रों में 11 केवी बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान 33 केवी लाइन पर कंडक्टर स्ट्रिंगिंग का आवश्यक कार्य किया जाएगा।

काम पूरा होने के बाद आएगी लाइटः सहायक अभियंता ने बताया कि इस कार्य का उद्देश्य विद्युत व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाना है। कंडक्टर स्ट्रिंगिंग का काम पूरा होने के बाद क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा और बार-बार होने वाली तकनीकी खराबियों से राहत मिलेगी। शटडाउन के कारण सोवा क्षेत्र के साथ-साथ नोनियापुरा फीडर से जुड़े सभी इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी। विभाग ने आश्वस्त किया है कि कार्य के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया जाएगा।

शटडाउन से पहले आवश्यक कार्य निपटाने का आदेशः बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है। लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे शटडाउन से पहले अपने आवश्यक कार्य निपटा लें। इसके अतिरिक्त, पानी की व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग और इन्वर्टर जैसे जरूरी इंतजाम पहले से कर लें ताकि असुविधा से बचा जा सके। विभाग ने यह भी आश्वासन दिया है कि निर्धारित कार्य समय पर पूरा कर लिया जाएगा और शाम 6 बजे के बाद बिजली आपूर्ति पुनः बहाल कर दी जाएगी। उपभोक्ताओं के सहयोग से ही ऐसे रखरखाव कार्य समय पर और सुरक्षित तरीके से पूरे किए जा सकते हैं, जिससे भविष्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

पुलिस को देखकर भाग रहे तस्कर का पैर टूटा

- भोजपुर में 40 लीटर देसी शराब बरामद, साथी मौके से फरार, तलाश में जुटी पुलिस

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के गजराजगंज ओपी अंतर्गत कटेया मोड़ के पास गुरुवार देर शाम पुलिस को देखकर भाग रहे बाइक सवार शराब तस्कर सड़क हादसे में बुरी तरह जख्मी हो गया। तस्कर का दाहिने पैर घुटना के नीचे टूट गया है। इसके बाद गजराजगंज पुलिस के मदद से जख्मी हालत में युवक को सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उसे पटना रेफर कर दिया है। जख्मी युवक की पहचान धनगाई थाना क्षेत्र के बजवाबर गांव निवासी योगेंद्र सिंह का 20 वर्षीय बेटा अक्षय कुमार के तौर पर हुई है।

भागने के चक्कर में तुड़वा लिया पैरः गजराजगंज ओपी में पदस्थापित पदाधिकारी ने बताया, बदमाशों की नकेल कसने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कटेया मोड़ के पास मैनजमेंट स्कूल के पास वाहन चेकिंग किया गया। इसी बीच एक बाइक पर दो लड़के काफी तेजी से आ रहे थे। तभी पुलिस को देखकर बाइक घुमाकर भागने लगे। भागने के दौरान एक सिपाही को धक्का मारने की कोशिश करते हुए आगे एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद बाइक छोड़कर भागने के दौरान युवक की गड्ढे में गिरने से पैर टूट गई है। गाड़ी की टकराने की आवाज से जब लोग आगे गए, तब देखा कि एक युवक भाग निकला है। दूसरा खेत साइड गिरकर कराह रहा है।

बाइक सहित 40 लीटर देशी शराब बरामदः उसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी युवक को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे है। वही, मौके से एक अपाचे गाड़ी और करीब 40 लीटर देशी शराब बरामद किया गया है। फरार युवक के बारे में पता लगाया जा रहा है। दोनों युवक हरदिया गांव की ओर से आरा–बक्सर फोरलेन की तरफ भाग रहे थे ।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अमृत राज ने नवजात शिशु को दिया नया जीवन

निज संवाददाता। बक्सर

जिले में बीते कई दिनों से निजी क्लीनिकों और दवा दुकानों को लेकर विवाद की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच शहर के बाजार समिति रोड स्थित अरविन्द नर्सिंग होम के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अमृत राज ने मानवता और चिकित्सा सेवा की एक मिसाल पेश की है। डॉ. अमृत राज, जो कि शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमर सिंह के पुत्र हैं, ने समय रहते अस्पताल पहुंचे एक गंभीर अवस्था में जन्मे शिशु को जीवनदान देकर चिकित्सा क्षेत्र में सकारात्मक संदेश दिया है। जन्म के बाद शिशु के न रोने और गंभीर अवस्था को देखते हुए तत्काल विशेष इलाज शुरू किया गया। शहर के नेहरू नगर निवासी शिशु के पिता धर्मेंद्र यादव ने बताया कि उनके बच्चे को डॉ. अमृत राज ने नया जीवन दिया है। उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान न तो अस्पताल प्रबंधन और न ही डॉक्टर द्वारा कभी पैसों को लेकर किसी तरह का कोई दबाव नहीं बनाया गया। दवाओं से लेकर इलाज तक हर स्तर पर उन्हें पूरी सहूलियत दी गई। इसके लिए वे और उनकी पत्नी ज्योति देवी डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन के आभारी हैं। इस संबंध में डॉ अमृत राज ने बताया कि नवजात शिशु उनके लिए केवल मरीज नहीं, बल्कि एक बड़ी चुनौती होता है। बच्चे की स्थिति समय पर अस्पताल पहुंचने पर निर्भर करती है। इस मामले में शिशु को थेराप्यूटिक हाइपोथर्मिया तकनीक से इलाज किया गया, जो एक अत्याधुनिक और महंगी प्रक्रिया है।

छठी समारोह में हर्ष फायरिंग, 24 गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में छठी समारोह के दौरान जमकर हर्ष फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर जश्न में शामिल 24 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि आयोजक समेत दो लोग मौके से फरार होने में सफल रहे। छापेमारी के दौरान एक देसी पिस्टल, मैगजीन, तीन खोखा के अलावा एक गाड़ी से दो रेगुलर राइफल भी जब्त की है। घटना गजराजगंज ओपी क्षेत्र के अख्तियारपुर-बड़कागांव की है। पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि यादव के घर बुधवार को छठी कार्यक्रम का आयोजन था। देर रात समारोह के दौरान शमियाना लगाकर महिला डांसरों का नाच चल रहा था। इस दौरान शराब भी परोसी जा रही थी। जश्न में अवैध हथियारों से ताबड़तोड़ हर्ष फायरिंग की जा रही थी। सूचना मिलने के बाद रात करीब दस बजे विशेष टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान समारोह स्थल से कुल 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया। आयोजक हरेराम यादव और नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा निवासी बुचूल यादव फरार हो गए।

मौके से 24 लोगों को किया गिरफ्तारः गिरफ्तार आरोपियों में हरेन्द्र यादव, हरेराम यादव, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़का डुमरा निवासी कुंदन कुमार, रतन दुलारपुर निवासी सुमित कुमार, महंथ यादव, कौशिक दुलारपुर निवासी धनोज यादव, नितेश कुमार, रतनपुर निवासी अमरदीप यादव, आरा के चंदवा निवासी अंकुश यादव, सूरज यादव, तेजू यादव, पियूष कुमार, अभिराज कुमार, कृष्णागढ़ के सरैया निवासी रवि कुमार, इटहना निवासी मिथलेश यादव, ऋषिकेश कुमार शामिल है। इसके अलावा बिहिया थाना क्षेत्र के तेघरा निवासी रामू यादव, पिंटू यादव, धोबहां के हेमतपुर निवासी अरूण कुमार, बिहिया के डुमरियां निवासी निशांत कुमार, कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के गजियापुर निवासी मनोज यादव, पंकज कुमार सिंह, गुंडी गांव निवासी धर्मवीर यादव, पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के लहखोदिया गांव निवासी प्रदुम कुमार शामिल है।

हथियार को जब्त कर लिया गया हैः एसपी ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच कराई गई, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई है। पुलिस ने मौके से बरामद हथियारों को जब्त कर लिया है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। सार्वजनिक आयोजनों में इस तरह की लापरवाही और अवैध गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिले के 14 विद्यालय बनेंगे मॉडल स्कूल, निदेशालय को भेजी गई सूची

निज संवाददाता। आरा

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने भोजपुर जिले के 14 विद्यालयों को मॉडल विद्यालय के रूप में चयनित किया है। जिले के सभी 14 प्रखंडों से एक-एक विद्यालय को मॉडल स्कूल बनाया गया है। इन विद्यालयों को अन्य सरकारी स्कूलों की तुलना में अधिक हाइटेक और सुविधायुक्त विकसित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। शिक्षा विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार आरा सदर प्रखंड से टाउन हाई स्कूल, आरा, बड़हरा प्रखंड से हाई स्कूल बबुरा, बड़हरा, बिहिया प्रखंड से +2 हाई स्कूल जादोपुर, कोईलवर से मानो बैजनाथ +2 हाई स्कूल कुल्हाड़ियां, उदवंतनगर प्रखंड से +2 हाई स्कूल उदवंतनगर, शाहपुर प्रखंड से हरिनारायण +2 हाई स्कूल शाहपुर पट्टी, पीरो प्रखंड से +2 हाई स्कूल कटर हसन बाजार, सहार प्रखंड से +2 उच्च विद्यालय बाघी, चरपोखरी प्रखंड से सरयू विद्या मंदिर सेमरांव, तरारी प्रखंड से आर.पी. एम. +2 स्कूल सिकरहट्टा, तरारी, जगदीशपुर प्रखंड से श्रीश्री 108 श्री महंथ महावीर दास जी हाई स्कूल बरनांव, संदेश प्रखंड से +2 एस.एन. लाल हाई स्कूल अखगांव, गड़हनी प्रखंड से आर.डी.एम. +2 स्कूल गड़हनी तथा अगिआंव प्रखंड से हाई स्कूल +2 बेरथ को मॉडल विद्यालय के रूप में चयनित किया गया है। इन मॉडल विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल लाइब्रेरी, खेलकूद की बेहतर व्यवस्था और ई-लर्निंग की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही इन स्कूलों में जिले के अनुभवी और श्रेष्ठ शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। कई मॉडल विद्यालयों में आवासीय सुविधा भी विकसित की जाएगी, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं भी लाभान्वित हो सकें। प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी चंदन प्रभाकर ने बताया कि मॉडल विद्यालयों को इस तरह विकसित किया जाएगा कि वे जिले के अन्य सरकारी विद्यालयों के लिए प्रेरणा स्रोत बन सकें। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने पहले ही स्पष्ट किया है कि वर्ष 2025 से 2030 के बीच राज्य के प्रत्येक प्रखंड में एक मॉडल स्कूल तैयार करने की योजना है। हाल ही में कैबिनेट से पारित 'सात निश्चय-श्री' योजना में भी शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है। मॉडल विद्यालयों के चयन से भोजपुर जिले में शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी और सरकारी स्कूलों के प्रति आम लोगों का भरोसा और अधिक बढ़ेगा। निजी विद्यालयों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा के स्तर में जो अंतर है, उसे भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा। मॉडल विद्यालयों की एक विशेषता यह होगी कि इनमें आवासीय व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी। आवासीय सुविधा होने से विद्यार्थियों का पढ़ाई पर अधिक फोकस रहेगा और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण विकसित होगा। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि मॉडल विद्यालयों की स्थापना से न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि जिले में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल भी बनेगा।

कंपनी ने परिजन को मुआवजे का दिया लिखित आश्वासन

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर थर्मल पावर प्लांट में मजदूर की मौत के मामले में गुरुवार देर रात एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया। मजदूर संगठनों और विरोध-प्रदर्शन के दबाव के बाद पावर मेक कंपनी ने मृत मजदूर के परिजनों को मुआवजा देने का लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। यह मामला 8 जनवरी की सुबह हुए हादसे के बाद से तनावपूर्ण बना हुआ था। पावर मेक कंपनी ने मृत मजदूर की पत्नी संगीता देवी को कुल 10 लाख रुपए मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। इसमें से 1.5 लाख रुपए तत्काल अंतिम संस्कार के लिए दिए जाएंगे, जबकि शेष 8.5 लाख रुपए 10 दिनों के भीतर डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से पत्नी के खाते में जमा किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, थर्मल पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी एसजेवीएम और एलएंडटी द्वारा स्टाफ सहयोग राशि के रूप में 5 लाख रुपए प्रदान किए जाएंगे।

पत्नी को मिलेगा आजीवन पेंशनः कंपनी ने मृतक की पत्नी को आजीवन 2900 रुपए मासिक पेंशन देने की भी घोषणा की है। मृतक के दो बच्चों को पढ़ाई के लिए 750 रुपये प्रतिमाह की सहायता 25 वर्ष की आयु तक दी जाएगी। हालांकि, यदि बच्चों की शादी 25 वर्ष से पहले हो जाती है, तो यह सहायता बंद कर दी जाएगी। कुल मिलाकर, कंपनी ने मृत मजदूर के परिवार को 26 लाख रुपए से अधिक की सहायता राशि देने का लिखित आश्वासन दिया है। यह समझौता प्लांट में कार्यरत हजारों मजदूरों के विरोध के बाद ही संभव हो पाया। मजदूरों ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए उठाने से इनकार कर दिया था। मजदूरों के विरोध की सूचना पर मजदूर और किसान नेता रामप्रवेश यादव, स्थानीय विधायक की टीम और अन्य जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर दबाव बनाया, जिसके बाद लिखित आश्वासन मिला।

10 दिसंबर 2024 से ग्राइंडर का कर रहे थे कामः लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही रात करीब 12 बजे पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। यह घटना 8 जनवरी की सुबह लगभग 8 बजे हुई थी। मृतक की पहचान गया जिले के निवासी राजकुमार मल्लाह (44 वर्ष) के रूप में हुई है, जिनके पिता का नाम मंगेश्वर मल्लाह है। राजकुमार मल्लाह 10 दिसंबर 2024 से पावर मेक कंपनी में ग्राइंडर का काम कर रहे थे। हादसे के समय वे 10 टन से अधिक वजनी पाइप फिटिंग के लिए ग्राइंडिंग का कार्य कर रहे थे, तभी पाइप स्लिप कर गया और उसके नीचे दबने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मजदूरों ने इस हादसे को सुरक्षा में गंभीर लापरवाही बताया। उनका आरोप है कि पाइप के वजन के अनुसार उसे टांगने के लिए उचित मशीन का इस्तेमाल नहीं किया गया, जो सीधे तौर पर ठेकेदार की लापरवाही को दर्शाता है। मजदूर नेता रामप्रवेश यादव ने कंपनी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि थर्मल पावर निर्माण कार्य में सेफ्टी नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। खराब मौसम में भी ऊंचाई पर काम करने के लिए दबाव डाला जाता है, बिना पास और सुरक्षा उपकरणों के मजदूरों से काम लिया जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हालात नहीं सुधरे तो मजदूर आंदोलन और तेज किया जाएगा।